राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 छीसगढ़ में कंगना रनौतः सीएम साय के साथ देखी....

इंडिया-श्रीलंका-ए ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 46 | नई दिल्ली, बुधवार, 10 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 45.0°C

न्यूनतम तापमान 32.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	40%
नहीं	60%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,56,435

चांदी 2,60,000

सेंसेक्स 73,918.76

निफ्टी 23,242.10

पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में देश में क्या-क्या बदल गया, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गिनाई उपलब्धियां

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में पिछले 12 वर्षों में बदलाव आया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, ह्व12 साल पहले नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पिछले ह्रसेवा से 12 सालह्न में, विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है। पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेज के अटेस्टेशन को आम नागरिक के लिए एक आसान अनुभव बनाया गया है। विदेश में खुले दूतावासों और भारतीय समुदाय के लिए वेलफेयर फंड के ज्यादा इस्तेमाल के जरिए भारतीयों को पूरी मदद दी ह्व उन्होंने कहा कि शिकायत सुलझाने और फीडबैक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए। मुश्किल हालात में लोगों को निकालने के जरिए असरदार तरीके से जवाब दिया। यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं। भारतीयों को ग्लोबल वर्कप्लेस तक पहुंचने और ग्लोबल वर्कफोर्स का हिस्सा बनने में मदद की। अब तक 21 मोबिलिटी पार्टनरशिप की हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाय को विदेश में मार्केट एक्सेस दिलाने और एक्सपोर्ट बढ़ाने में मदद की। विकास परियोजनाओं के जरिए भारतीय प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को नए मार्केट में एंट्री दिलाने में मदद की। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए। भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया और अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सम्मान और समझ को बढ़ावा दिया। विदेश में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और कॉन्सुलेट खोले। भारतीय डिप्लोमेसी देश के लिए 24/7 काम करती है। आज भारतीय ज्यादा विश्वास और गर्व के साथ विदेश यात्रा करते हैं सोमवार को विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक इंटरव्यू आने वाला है, जिसमें वह पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व कल्याण के 12 साल पर बात करेंगे।

दिल्ली के दर्जनों प्राचीन गांवों और 92 कॉलोनियों को ओ-जोन से राहत दिलाने की दिशा में बड़ा कदम, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुलाई उच्चस्तरीय

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के यमुना तटीय क्षेत्र में स्थित दर्जनों प्राचीन गांवों और 92 कॉलोनियों को ओ-जोन की जटिलताओं से राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने महत्वपूर्ण पहल शुरू कर दी है। इसी मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सांसद मनोज तिवारी और प्रवीण खंडेलवाल, यमुनापार विकास बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक अरविंदर सिंह लवली, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खैरवार तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि ओ-जोन के अंतर्गत आने वाले गांवों और कॉलोनियों की पुरानी आबादी को लेकर लोगों में जो भ्रम और आशंकाएं हैं, उन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिन गांवों और कॉलोनियों में वर्षों से लोग निवास कर रहे हैं, वहां किसी प्रकार की तोड़फोड़ या ध्वस्तीकरण की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय का आदेश केवल नए निर्माण कार्यों के संबंध में है, न कि पुराने और स्थापित आवासीय क्षेत्रों को हटाने के लिए। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने यमुनापार क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं और उनकी लंबे समय से चली आ रही मांगों को विस्तार से रखा। बताया गया कि ओ-जोन के कारण हजारों परिवारों को संपत्ति के हस्तांतरण, भवन निर्माण, बैंक ऋण और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस विषय में तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को भी उचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए ताकि अनावश्यक भय और अफवाहों पर रोक लग सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस महत्वपूर्ण विषय को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली के सभी संबंधित सांसद शीघ्र ही केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करेंगे। इस दौरान ओ-जोन से प्रभावित गांवों और कॉलोनियों को राहत प्रदान करने तथा उनके नियमितीकरण और विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर हुई इस पहल को यमुनापार और ओ-जोन से प्रभावित क्षेत्रों के लाखों निवासियों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से वर्षों पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सकेगा। गौरतलब है कि ओ-जोन से जुड़े प्रतिबंधों के कारण पूर्वी दिल्ली के अनेक गांवों और कॉलोनियों का विकास लंबे समय से प्रभावित रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई यह उच्चस्तरीय बैठक इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में चीफ व्हिप बनाया

स्पीकर को लेटर लिखा; एक दिन पहले 20 बागी सांसदों ने काकोली को व्हिप चुना था

नई दिल्ली। TMC में टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। TMC के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने TMC सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था। इसमें ळटउ से अलग हुए सांसदों के लिए अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में सिटिंग मांगी थी। चीफ व्हिप किसी राजनीतिक दल का सीनियर नेता होता है, जो संसद या विधानसभा में पार्टी के सांसदों/विधायकों के बीच अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की रणनीति लागू कराने की जिम्मेदारी संभालता है। अगर कोई आदेश नहीं मानता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है। लोकसभा में TMC के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक भी अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट के नेता ऋतब्रत हैं। काकोली ने सोमवार को कहा था कि वे अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। काकोली घोष ने कहा- मैं 1986 से ममता बनर्जी के साथ हूं। 2005 में मुझे पार्षद तक का चुनाव लड़वाया गया। मैं तो लड़ते-लड़ते यहां आई हूं। मेरा सिर कटेगा लेकिन झुकेगा नहीं। मैंने बहुत सह लिया।

संक्षिप्त खबरें

उधमपुर में श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल के समानांतर बनेगी दो-लेन ट्यूब टनल

नईदिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल के समानांतर एक नई दो-लेन ट्यूब टनल के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। जितेंद्र सिंह ने इसे क्षेत्र के विकास और यातायात सुविधा की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी ओर से उठाई गई मांग को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने लिखा कि उधमपुर के लिए यह एक और अच्छी खबर है और नई टनल बनने से जम्मू-कश्मीर में चेनानी-नाशरी मार्ग पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 जम्मू-कश्मीर की जीवनरेखा माना जाता है और इस मार्ग पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

लड़ाकू विमान की आपूर्ति में देरी को लेकर रक्षामंत्री सख्त

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की युद्धक क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे अहम परियोजनाओं में से एक–तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा की जा रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठा। रक्षा मंत्री ने एचएएल द्वारा वर्तमान में चलाई जा रही सभी प्रमुख परियोजनाओं के प्रदर्शन की व्यापक और गहन समीक्षा की। बैठक में सीडीएस जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि कोटा शामिल हुए। बताया जा रहा है कि रक्षा मंत्री सिंह ने एचएएल के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि प्रमुख परियोजनाओं के लिए व्यावहारिक समय-सीमा तय की जानी चाहिए। मामले से अवगत अधिकारियों ने बताया कि तेजस मार्क 1ए विमानों की आपूर्ति में देरी के संदर्भ में सिंह ने सुझाव दिया कि एचएएल और भारतीय वायुसेना लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठकर बात करें। विमानों की आपूर्ति में इसलिए देरी हुई है क्योंकि भारतीय वायुसेना ने कहा है कि निर्मित विमान कुछ तकनीकी मानकों को पूरा नहीं करते। विमानों की आपूर्ति में देरी का एक प्रमुख कारण यह रहा कि जीई एयरोस्पेस ने इन विमानों को शक्ति देने वाले इंजनों की आपूर्ति समय-सीमा में नहीं की।

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए

- 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए; पाकिस्तान से 20 ज्यादा

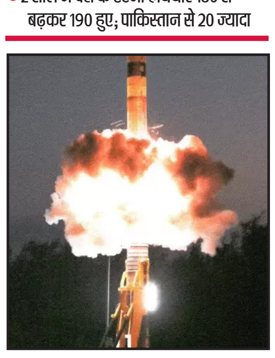

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। रक्ष्फक्ष और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं। रक्ष्फक्ष इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरूआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पश्चिम बंगाल में उद्योग, रोजगार और उद्यमिता बढ़ाने पर जोर, वित्त मंत्री निर्मला

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की विकास यात्रा में पश्चिम बंगाल के योगदान को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास, उद्यमिता के विस्तार और रोजगार सृजन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में राउंडटेबल बैठकों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन बैठकों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, प्रमुख उद्योग संगठन और एमएसएमई एसोसिएशन शामिल होंगे, ताकि क्रेडिट (ऋण) की उपलब्धता को बढ़ाया जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान राज्य के विकास, योजनाओं के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को तेज करने पर चर्चा हुई। मंत्रालय के बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत हर पात्र लाभार्थी तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक नया ह्यसैचुरेशन ड्राइवह्न चलाया जाएगा। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि पश्चिम बंगाल के विकास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप आगे बढ़ाया जाए। राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में क्रेडिट उपलब्धता और केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श किया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूत किया जा सके और औपचारिक ऋण की पहुंच बढ़ाई जा सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पश्चिम बंगाल से जुड़े उन सभी प्रस्तावों को विशेष सहायता योजना के तहत आगे बढ़ाया जाएगा, जो राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेंगे। साथ ही, वित्त मंत्री ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि विशेष सहायता योजना के सुधार आधारित हिस्से के तहत चिन्हित सुधारों को तेजी से लागू किया जाए। इस बीच, पश्चिम बंगाल को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ दिया गया है। इसके लिए राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

कोर्ट में वकील बोले- गोली खान सर ने नहीं चलाई रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज

पटना। फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था। खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है। इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। सोमवार को इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की जमानत पर भी सुनवाई हुई।

मानसून ने 13 राज्य कवर किए, कल मुंबई पहुंचेगा

यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं; MP-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है। मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 स्त्रँ रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6त्उ दर्ज किया गया।

फिलीपींस में आये भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हुई

प्रात : किरण, एजेंसी

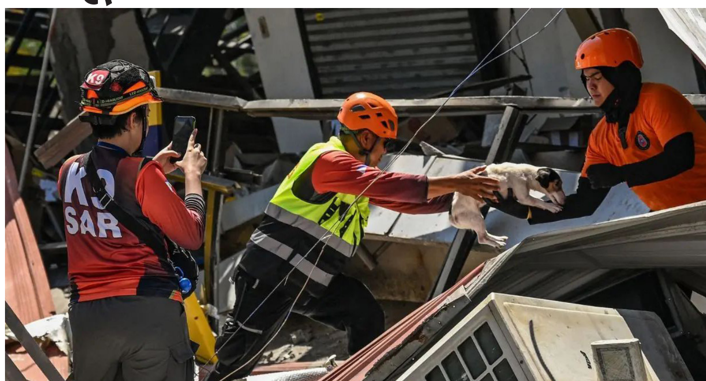

मनीला। फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के तट पर आये विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। फिलीपींस न्यूज एजेंसी के अनुसार, नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रवक्ता डिएगो ऑगस्टिन मारियानो ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे तक 37 मौतें दर्ज की गयीं, हालांकि इन आंकड़ों का अभी सत्यापन किया जा रहा है। गौरतलब है कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर 37 मिनट पर मिंडानाओ द्वीप में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर स्थित सारंगानी प्रांत के मासिम शहर के तट से 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। अधिकारियों के अनुसार, इस आपदा के कारण सारंगानी प्रांत और जनरल सैंटोस शहर सबसे गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। फिलीपींस के शिक्षा विभाग ने आज बताया कि भूकंप के कारण 40 लाख से अधिक विद्यार्थी, जबकि एक लाख से अधिक शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी भी प्रभावित हुए हैं। इस बीच, फिलीपींस ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान ने बताया कि मंगलवार सुबह सात बजे तक भूकंप के बाद 1,055 झटके दर्ज किये जा चुके हैं, जिनकी तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही है।

शुभारंभ किया पूरा होने पर यह एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सड़क सुरंग होगी.....

जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का गडकरी ने शुभारंभ किया

प्रात : किरण, एजेंसी

गांदरबल। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का शुभारंभ किया। यह उपलब्धि 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पूरा होने पर यह एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सड़क सुरंग होगी। इस परियोजना से कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित होने के साथ-साथ क्षेत्र में परिवहन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के मुताबिक ये बड़ी कामयाबी तय समय से 6 महीने पहले ही हासिल कर ली गई है। इस सुरंग का निर्माण हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 11,578 फीट की ऊंचाई पर कर रही है। 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का 13 किलोमीटर से अधिक हिस्सा पूरा हो चुका है, जिससे यह सुरंग निर्माण के उस महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच गई है जहां दोनों सिरों से खुदाई के सिरे मिलते हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना हिमालय की सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है और आज मुख्य सुरंग के सफल विस्फोट के साथ यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रही है। सोनमर्ग से लगभग 24 किलोमीटर और श्रीनगर से 103 किलोमीटर दूर स्थित यह सुरंग श्रीनगर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करने की उम्मीद है, जिससे द्रास, कारगिल और लेह तक पहुंच में काफी सुधार होगा और क्षेत्र में नागरिक आवागमन, रसद और रणनीतिक गतिशीलता को बढ़ावा मिलेगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर पहुंचने पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गडकरी की यह यात्रा महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके प्रवास के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में कनेक्टिविटी को मजबूत करने और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रमुख राजमार्ग और सुरंग परियोजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण अवसंरचना पहलों की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब केंद्र सरकार जम्मू और कश्मीर में सड़क अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए त्वरित प्रयास कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य आवागमन में सुधार करना, यात्रा का समय कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इससे पहले मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के संयुक्त मुख्य परिचालन अधिकारी हरपाल सिंह ने बताया था कि खुदाई अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और सुरंग के दोनों सिरों के मिलने से पहले केवल कुछ मीटर की खुदाई बाकी है। उन्होंने कहा कि निर्माण में तेजी लाने के लिए मुख्य सुरंग पर काम कश्मीर के बाल्टल और लद्दाख के मिनमर्ग दोनों तरफ से एक साथ किया गया था। सुरंग में रखरखाव और आपातकालीन कार्यों के लिए एक अलग पैदल मार्ग भी होगा। एक बार पूरा होने पर इससे पूरे वर्ष क्षेत्र में कनेक्टिविटी, आवागमन और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 10 जून, 2026

संक्षिप्त समाचार

केंद्र की दूरसंचार परियोजना भी गांवों में नहीं ला सकी नेटवर्क, लागू की गई थी 4जी सेचुरेशन योजना

देहरादून, एजेंसी। केंद्र की दूरसंचार परियोजना भी गांवों में नेटवर्क नहीं ला सकी। 2022 में केंद्र ने 4जी सेचुरेशन योजना लागू की गई थी। मोबाइल नेटवर्क विहीन गांवों के लिए केंद्र सरकार की ओर से 2022 में शुरू की गई बीएसएनएल की 4जी सेचुरेशन योजना भी अब तक घाड़ क्षेत्र के नौ गांवों तक नहीं पहुंच पाई है। चिंताजनक यह है कि आजादी के बाद से अब सरकारी सिस्टम इन गांवों में इंटनरेट जैसी महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। यह तब है जब ग्राम प्रधानों की ओर से डीएम, एसडीएम समेत विभिन्न स्तरों पत्र सौंपकर मोबाइल टावर लगाने की गुहार लगाई जा चुकी है। घाड़ क्षेत्र के हलजौरा, बेलकी, इनायतपुर, इब्राहिमपुर मसाई कला, गोकुलवाला, डांडा, बनवाला, शाहमंसूर, दौड़बसी गांव में मोबाइल नेटवर्क नहीं है। ये हाल तब है जब बीएसएनएल सेचुरेशन योजना केंद्र सरकार की एक दूरसंचार परियोजना है जिसका उद्देश्य देश के उन गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में 4जी मोबाइल नेटवर्क पहुंचाना है जहां अब तक मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है या बहुत कमजोर है। योजना के तहत नए मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं और कई पुराने 2जी 3जी टावरों को 4जी में अपग्रेड किया जा रहा है लेकिन घाड़ के गांवों में कोई सुविधा नहीं पहुंची है। इनमें से कुछ जगह पर थोड़े बहुत नेटवर्क आते भी हैं तो छत पर चढ़कर बात करनी पड़ती है। वहीं ऑनलाइन पढ़ाई और सरकारी योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन जैसे काम पूरी तरह ठप हैं। हलजौरा के गांव के प्रधान स्वामी घनश्याम का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार जिला प्रशासन और दूरसंचार विभाग का ध्यान आकर्षित किया जा चुका है। उन्होंने जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी को कई बार पत्र सौंपकर गांव में मोबाइल टावर स्थापित कराने और नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। हलजौरा गांव कोई मोबाइल टावर नहीं है जबकि सात किलोमीटर दूरी पर सिकरोढा के पास एक मोबाइल टावर लगा है। यदि गांव में एक टावर लग जाए तो समस्या का समाधान हो जाए। जूनियर टेलीकॉम ऑफिसर हरिद्वार कंचन कांत का कहना है कि एक टावर लगाने में करीब 20 लाख के आसपास का खर्च आता है। इन गांवों में सेचुरेशन योजना के तहत समाधान होना है। इसके लिए उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा गया है। उन्हीं के स्तर से कार्रवाई होनी है।

एसएसजे विवि: अब अभिलेखों में 'इंडिया' नहीं, 'भारत' होगा अंकित,

बैठक में कई प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

अल्मोड़ा, एजेंसी। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय की शैक्षिक परिषद ने विश्वविद्यालय के अभिलेखों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द अंकित किए जाने को मंजूरी दे दी है। सोबन सिंह जीना (एसएसजे) विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर में विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिषद की तीसरी बैठक हुई। सोमवार को कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय के अभिलेखों में इंडिया की जगह भारत शब्द अंकित किए जाने का अनुमोदन किया गया। शैक्षणिक विकास, शोध गतिविधियों और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। सोमवार को बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप संशोधित क्रेडिट संरचना पर आधारित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू करने की स्वीकृति प्रदान की गई। कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन तथा दृश्यकला संकायों की बैठकों में लिए गए निर्णयों का भी अनुमोदन किया गया। शोध एवं प्रसार निदेशालय की ओर से प्रस्तुत शोध अध्यादेश, विभिन्न विषयों के शोधार्थियों के शोध शीर्षकों और विवि की ओर से पीएचडी उपाधियों को भी मंजूरी मिली। इस दौरान विवि के शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ किए गए एमओयू, बी.वॉक होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी कैंपस की स्थापना और एकेडमिम कैलेंडर को भी स्वीकृति प्रदान की गई। एसएसजे परिसर के लोअर कैंपस स्थित प्रेक्षागृह का नाम स्वामी विवेकानंद सभागार किए जाने का अनुमोदन किया गया। वहां कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट, प्रो पंकज कुमार शाह, प्रो. जगत सिंह बिष्ट, प्रो. पीएस बिष्ट, प्रो. हरीश चंद्र जोशी, प्रो. शेखर चंद्र जोशी, प्रो. रिजवाना सिद्धिकी, प्रो. एके नवीन, डॉ. एचआर कौशल आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान शुरू, सात जुलाई तक होगा डिजिटलीकरण

चंपावत, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। डीएम और जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि अभियान के तहत जनपद में 344 बीएलओ और 56 बीएलओ सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं जो घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र सौंप रहे हैं। सात जुलाई तक सभी प्राप्त फार्मों को बीएलओ ऐप के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटलाइज किया जाएगा, इससे पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता आएगी और डेटा तेजी से अपडेट हो सकेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे। धिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि बीएलओ को सही जानकारी दें।

शनि बाजार में दर्दनाक हादसा: तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से किशोरी की मौत, गुस्साई भीड़ ने किया हंगामा

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में सोमवार शाम शनि बाजार रोड पर एक कैंटर ने स्कूटी सवार दो किशोरियों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पर पीछे बैठी 14 वर्षीय आदिया कैंटर के पहिए की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हल्द्वानी के बनभूलपुरा कोतवाली क्षेत्र के शनिबाजार रोड स्थित इंदिरानगर रेलवे क्रासिंग बरसाती के पास सोमवार की शाम 6:30 बजे तेज रफ्तार कैंटर ने ई स्कूटी सवार दो किशोरियों को टक्कर मार दिया। तेज टक्कर से स्कूटी चला रही शकीना स्कूटी के साथ बाएं तरफ गिरी जबकि पीछे बैठी आदिया (14) कैंटर के पिछले पहिए की चपेट में आ गई। पहिया उसके शरीर व सिर पर चढ़ गया। शोर सुनकर आसपास से सैकड़ों लोग पहुंचे और चालक को पकड़कर जमकर पीटा। पथराव से कैंटर के शीशे टूट गए। आनन फानन में पहुंची फोर्स ने चालक को हिरासत में लिया और कैंटर लेकर थाने पहुंची। डेढ़ घंटा तक रेलवे क्रासिंग-मंडी गेट तक जाम रहा। मुरादाबाद निवासी अब्दुल रहमान की बेटी आदिया बकरीद की छुट्टी पर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बनभूलपुरा के गौजाजाली निवासी अपने मामा शानू के यहां आई थी। बनभूलपुरा कोतवाली इंस्पेक्टर डीएस फर्त्याल ने बताया

कि गौजाजाली से शानू की बेटी शकीना फातिमा अपनी ममेरी बन आदिया के साथ सोमवार की शाम स्कूटी से बाजार खरीदारी के लिए निकली। खरीदारी के बाद दोनों घर लौट रही थीं। शाम साढ़े छह बजे के करीब वह मंडी की तरफ से जैसे ही रेलवे फाटक के पहले पहुंची तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दिया। स्कूटी अनियंत्रित हो गई और आदिया सड़क की तरफ गिरी। वह कैंटर के पिछले पहिए के नीचे आ गई। जबकि स्कूटी चला रही शकीना बाए तरफ गिरी। उसे हल्की चोट आई।

उधर ममेरी बहन को इस स्थिति में देख वह सदमा में आ गई। घटना के तत्काल बाद हृदय विदारक हादसा देखकर लोगों का गुस्सा बढ़ गया। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए। चालक को वाहन से खींचा और पिटाई शुरू कर दी। इसी बीच कुछ युवकों ने पथराव कर वाहन का शीशा तोड़ दिया। इसी बीच बनभूलपुरा कोतवाली के साथ ही मंडी चौकी पुलिस भी पहुंच गई। चालक को पुलिस ने हिरासत में लिया और बनभूलपुरा कोतवाली ले आई। कैंटर को भी कोतवाली पहुंचाया गया। विवाद के कारण रेलवे फाटक से मंडी चौराहा तक वाहनों का जाम लग गया। लोग कैंटर के तेज रफ्तार पर चलने की बात कहते हुए इस मार्ग से भारी वाहनों के आवाजाही पर पाबंदी की मांग की। सीओ हल्द्वानी अमित कुमार सैनी मय फोर्स पहुंचे और लोगों को समझाकर रास्ता साफ कराया। उधर बालिका के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। बालिका के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को होगा।

कैंटर ने स्कूटी सवार दोनों बालिकाओं को टक्कर मारा और एक बालिका वाहन के पहिए के नीचे आ गई। उसकी मौत हो गई। वाहन कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया गया है। तहरीर मिलते ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।-अमित कुमार सैनी, सीओ हल्द्वानी

घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सीओ के साथ वार्ता में लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार से भारी वाहन गुजरते हैं। यह मार्ग भीड़भाड़ इलाके में है। महिलाएं, बच्चे सड़क पर खरीदारी करते हैं। इस मार्ग को नो इंट्री जोन बनाया जाए। भारी वाहनों को शनि बाजार के बजाए तीन पानी से मंडी की तरफ भेजा जाए। इस मार्ग पर आए दिन हादसा हो रहा है और प्रशासन के लोग खामोश बने हुए हैं।

आदिया बकरीद पर्व पर अपने परिवार वालों के साथ मामा शानू के घर आई थी। यहां पूरे परिवार ने हंसी खुशी त्योहार मनाया। मुरादाबाद में गर्मी ज्यादा बढ़ी तो परिवार ने जून की पूरी छुट्टी बिताने का निर्णय लिया। एसटीएच में मामा शानू की आंखों से आंसू नहीं थम रहे थे। कहने लगे आदिया की मां को क्या जवाब दूंगा। इस घटना ने उन्हें सबसे ज्यादा आहत किया है। आदिया के पिता विदेशी में नौकरी करते हैं।

जनवरी में पनचक्की-मुखानी नो इंट्री मार्ग पर कैप्सूल से कुचलकर अमित की मौत हुई तो प्रशासन व पुलिस के अधिकारी खामोश रहे। अगले महीने 22 फरवरी को नो इंट्री में घुसकर कैंटर ने बुजुर्ग सुरेश चंद्र पांडेय को रौंदा तो कार्रवाई शुरू हुई। मजिस्ट्रेटी जांच हुई लेकिन कार्रवाई कागजों में अब तक दफन है। पुलिस ने नो इंट्री का प्लान बनाया लेकिन वह भी फाइलों से बाहर नहीं निकल पाया।

इसी लापरवाही का नतीजा रहा कि 18 मार्च को फिर घटना हुई। तेज रफ्तार डंपर ने टीपीनगर चौराहा पर सड़क किनारे खड़े अनिल सिंह रौतेला को कुचल दिया। डंपर टक्कर मारने के बाद नो इंट्री जोन में ही भगा।

रामनगर में दर्दनाक हादसा, कोसी नदी में डूबने से दो युवकों की मौत

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल जिले के रामनगर में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. कोसी बैराज के समीप नदी में नहाने गए चार दोस्तों में से दो युवक गहरे पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई. घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है. जबकि मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. सूचना मिलने पर पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. जानकारी के अनुसार, 8 जून की दोपहर आशीष रावत, रंजीत, मयंक असवाल और अंकित रावत कोसी बैराज के समीप नदी में नहा रहे थे. इसी दौरान मयंक असवाल (24 वर्ष), निवासी ग्राम धर्मपुर औलिया पीरूमदारा और अंकित रावत (24 वर्ष), निवासी हिम्मतपुर ब्लॉक रामनगर, अचानक पानी के तेज बहाव और गहरे कुंड में फंस गए. दोनों युवकों ने बचाव के लिए शोर मचाया, जिसके बाद उनके साथ मौजूद दोस्तों और आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके. घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों युवकों को नए पुल के पास नदी के भीतर से बाहर निकाला गया और तत्काल सरकारी अस्पताल रामनगर पहुंचाया गया. जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया. इस हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है. वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से कोसी बैराज क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है, लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में लोग प्रतिबंधित और खतरनाक स्थानों पर नदी में स्नान करते हैं. जिससे इस तरह की दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है.

ऋषिकेश में शराब पीने से रोकने पर गोली मारने वाला आरोपी वसीम गिरफ्तार

ऋषिकेश, एजेंसी। श्यामपुर के भट्टोवाला क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने का विरोध करने पर ग्रामीणों पर हुए जानलेवा हमले का ऋषिकेश पुलिस ने आधिकारिक तौर पर खुलासा कर दिया है. ऋषिकेश कोतवाली में मामले की जानकारी देते हुए सीओ तुषार बोरा ने बताया कि पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना के मुख्य आरोपी वसीम को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक तमंचा, खाली खोखा और कारतूस बरामद किए हैं. इसके साथ ही प्रयुक्त की गई बिहार नंबर की मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने सीज कर दिया है. ऋषिकेश में फायरिंग करके घायल करने वाला जेल भेजा गया: सीओ तुषार बोरा ने बताया कि पकड़े गए आरोपी वसीम निवासी इस्लामपुर, बिहार ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है. वहीं, वारदात में शामिल उसके दो फरार साथियों, अनवर और आमिर, की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं. दिहाड़ी मजदूरों ने चलाई गोली: कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट के

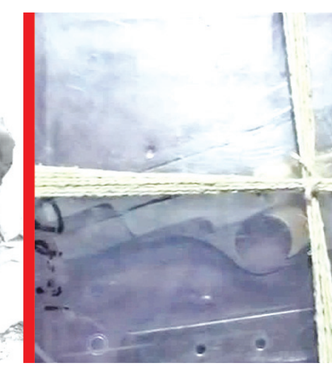

नेतृत्व में पुलिस अब इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि इन दिहाड़ी मजदूरों के पास यह अवैध हथियार कहां से आया है. सीओ के मुताबिक आरोपी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं.

वह ऋषिकेश के सभी इलाकों से भली-भांति परिचित हैं. क्योंकि वह लंबे समय से यहां पर रहकर दिहाड़ी मजदूरी करने का काम करते रहे हैं. उनके रिश्तेदार भी यहीं ऋषिकेश में रहते हैं. आरोपी ने श्यामपुर क्षेत्र में भी दिहाड़ी मजदूरी करने का काम किया है. सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने से रोकने पर मारी गोली: यह सनसनीखेज वारदात गुरुवार 4 जून को उस समय शुरू हुई जब बिहार नंबर की बाइक से आए तीन युवक सड़क किनारे बैठकर खुलेआम शराब पी रहे थे. स्थानीय निवासी संजय राणा ने जब उन्हें सार्वजनिक स्थान पर मर्यादा का उल्लंघन करने से टोका, तो आरोपी गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए. इसके करीब एक घंटे बाद, तीनों आरोपी पूरी तैयारी और अवैध तमंचों से लैस होकर वापस लौटे और संजय राणा को ढूंढने लगे.

यूकेडी नगर अध्यक्ष की पत्नी ने किया आत्मदाह: पेट्रोल छिड़ककर लगा ली आग, आखिरी हुई लता साह की सालगिरह की सुबह

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा में उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष की पत्नी की सोमवार सुबह आग से झुलसने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में बेस अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के महानगर अध्यक्ष मोहित साह की पत्नी लता साह (37) ने सोमवार सुबह घर में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर हालत में उसे पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

उक्रांद के महानगर अध्यक्ष मोहित साह परिवार के साथ मॉल रोड स्थित आरसीएम शॉपिंग मॉल के पास रहते हैं। बताते हैं कि सोमवार सुबह मोहित साह बेटे को स्कूल छोड़ने गए थे। इसी समय उनकी पत्नी लता साह ने बोतल में रखा पेट्रोल खुद पर छिड़क लिया और माचिस जलाकर आग लगा दी। मोहित साह बेटे को स्कूल छोड़कर घर लौटे जहां पत्नी को देख

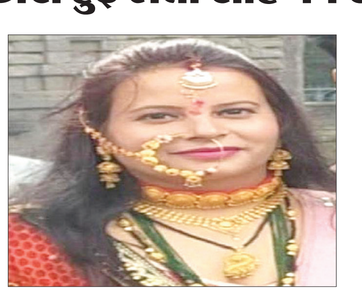

उनके होश उड़ गए।

पुलिस के मुताबिक पेट्रोल की बोतल घर के अंदर ही रखी थी। लोगों का मानना है कि यदि घर में पेट्रोल की बोतल नहीं रखी होती तो शायद ऐसी घटना नहीं होती। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि मामले में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिली तो जांच की जाएगी।

उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष मोहित साह और उनकी पत्नी लता साह की सोमवार को शादी की 18वीं सालगिरह थी। घर में समारोह की तैयारियां चल रही थीं लेकिन लता की मौत से सारी खुशियां मातम में बदल गईं।

लता साह डिग्री कॉलेज मासी में योग की प्रशिक्षिका थीं।

सोमवार को उनकी शादी की 18वीं सालगिरह थी। वह पति संग सालगिरह की तैयारियों में जुटी थीं। घर में खुशी का माहौल था। इस दौरान संदिग्ध हालात में जलने से लता की मौत हो गई। इससे परिजन गमजदा है।

पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि लता अवसाद में थीं। उन्होंने 15 दिन पहले भी आत्महत्या का प्रयास किया था। उन्होंने जहर खाने की कोशिश की थी।

संयोग से तब उनकी जान बच गई थी। सोमवार सुबह उनकी संदिग्ध हालात में झुलसने से मौत हो गई।

लता साह योग प्रशिक्षिका थीं जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और समग्र कल्याण के लिए योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान सहित छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास कराती थीं।

दूसरों को मानसिक शांति के तरीके बताने वाली लता साह की मौत से परिजन भी सदमे में है।

अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता के लिए नियमावली जारी, मदरसे छोड़ अन्य में कैसे होगी लागू

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार एक जुलाई 2026 से मदरसा बोर्ड को समाप्त कर देगी। इसके स्थान पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण मदरसों सहित सभी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देगा।

सरकार ने अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता के लिए नई नियमावली जारी की है। इसमें मान्यता नवीनीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त रखी गई है। कहा गया है कि गैर-अल्पसंख्यक समुदाय के 15 फीसदी से अधिक छात्र नामांकित नहीं होने चाहिए।

यह शर्त मदरसों को छोड़कर अन्य अल्पसंख्यक संस्थानों पर सवाल उठाती है।

सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी और जैन संस्थानों में 85 फीसदी अल्पसंख्यक छात्र नहीं होते हैं। प्रदेश सरकार 1 जुलाई 2026 से मदरसा बोर्ड को समाप्त कर देगी।

इसके स्थान पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण मदरसों सहित सभी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देगा।

इच्छुक संस्थानों को प्राधिकरण के वेब पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ तय शुल्क भी ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य होगा।

नियमावली में अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि मान्यता नवीनीकरण के लिए उन्हें खुद से यह घोषणा करनी होगी कि शिक्षण संस्थान में पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों में प्रत्येक वर्ष में गैर-अल्पसंख्यक समुदाय के 15 प्रतिशत से अधिक छात्र नामांकित नहीं थे।

इस शर्त से मदरसों को छोड़कर अल्पसंख्यक समुदाय के अन्य शिक्षण संस्थान बाहर होंगे।

उत्तराखंड में अचानक 'आग का गोला' बन रहे चलते वाहन

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में इन दिनों चारधाम यात्रा अपने चरम पर है. दूसरी तरफ, पर्यटन सीजन के कारण भी सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है. राज्य के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर पहाड़ी मार्गों तक हर दिन हजारों बसें, टैक्सियां, निजी वाहन और मालवाहक गाड़ियां आवाजाही कर रही हैं. लेकिन इसी बढ़ते ट्रैफिक के बीच एक नया खतरा भी तेजी से सामने आ रहा है. पिछले कुछ सप्ताह के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में चलती गाड़ियों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आई हैं. कई मामलों में वाहन कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर खाक भी हो गए. हालांकि, अधिकांश घटनाओं में जान का बड़ा नुकसान नहीं हुआ. लेकिन इन घटनाओं ने वाहन सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. लगातार सामने आ रहे आग लगने के मामले: उत्तराखंड में हाल के दिनों में बसों, टैक्सियों, पिकअप वाहनों और निजी कारों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं. हरिद्वार, देहरादून, विकासनगर और अन्य क्षेत्रों में चलती गाड़ियों में अचानक धुआं उठने और देखते ही देखते आग लगने की घटनाएं घटी हैं. कई घटनाओं में चालकों की सतर्कता और स्थानीय लोगों की मदद से यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ी

जनहानि टल गई. लेकिन यदि यही घटनाएं पहाड़ों के संकरे और संवेदनशील मार्गों पर होती हैं तो परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं. उत्तराखंड की सड़कों पर वाहनों की संख्या पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है. चारधाम यात्रा के दौरान तो स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है. कई वाहन लगातार लंबी दूरी तय करते हैं और उन्हें पर्याप्त आराम या तकनीकी निरीक्षण का समय नहीं मिल पाता. लगातार संचालन के कारण इंजन, ब्रेक सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है. जब किसी वाहन की समय पर सर्विसिंग नहीं होती या उसमें पहले से कोई तकनीकी खराबी मौजूद होती है तो ऐसे हालात आग लगने जैसी घटनाओं को जन्म दे सकते हैं. हमने ऐसे मामले देखे हैं, जहां इन लापरवाही से गाड़ियों में आग लगने की घटना हुई है. शॉर्ट सर्किट सबसे बड़ा कारण: ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट पारस के अनुसार, अधिकांश वाहन अग्निकांडों के पीछे इलेक्ट्रिकल सिस्टम की खराबी प्रमुख कारण होती है. पुरानी या क्षतिग्रस्त वायरिंग बैटरी टर्मिनल की समस्या अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की अनियमित फिटिंग और तारों का आपस में टकराना शॉर्ट सर्किट का कारण बनता है. जैसे ही शॉर्ट सर्किट होता है चिंगारी पैदा होती है और यदि आसपास ज्वलनशील पदार्थ मौजूद हों तो कुछ ही सेकंड में आग पूरे वाहन में फैल सकती है. कई बार वाहन मालिक लागत बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर गैर-मानक वायरिंग या फिटिंग करवा लेते हैं, जो बाद में बड़े हादसे का कारण बनती है. ईंधन रिसाव भी बढ़ रहा खतरा: वाहनों में आग लगने का दूसरा बड़ा कारण ईंधन प्रणाली में होने वाला रिसाव है. पेट्रोल और डीजल की पाइपलाइन में मामूली लीकेज भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है. इंजन की गर्मी और ईंधन के संपर्क में आने से आग लगने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है. खासतौर पर पुराने वाहनों में पाइपों का घिस जाना क्लैंप ढीले पड़ना या ईंधन टैंक से संबंधित खराबियां आग का कारण बन सकती हैं. वाहन में यदि पेट्रोल या डीजल की गंध महसूस हो तो उसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. उत्तराखंड के हरिद्वार से लेकर ऋषिकेश, नैनीताल और देहरादून में जिस तरह से जाम के हालात लगातार देखे जा रहे हैं, उससे खुद की गाड़ी तो गर्म होती है, साथ ही आसपास चलने वाले वाहन भी गर्मी ओर बढ़ा देते हैं. इसलिए सभी उपकरण बहतर होने जरूरी हैं. पहाड़ी इलाकों की परिस्थितियां भी जिम्मेदार: उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां भी वाहन अग्निकांड की घटनाओं को प्रभावित करती हैं. लगातार चढ़ाई वाले मार्गों पर इंजन को सामान्य से अधिक मेहनत करनी पड़ती है. गर्मियों के मौसम में इंजन का तापमान तेजी से बढ़ता है. यदि कूलिंग सिस्टम सही ढंग से काम न कर रहा हो तो इंजन ओवरहीट हो सकता है. इसके अलावा लंबे समय तक ब्रेक का इस्तेमाल करने से ब्रेक सिस्टम भी अत्यधिक गर्म हो जाता है. कई बार यही गर्मी आसपास मौजूद ज्वलनशील पदार्थों को आग पकड़ने के लिए पर्याप्त साबित होती है. आग लगने पर क्या करें यदि चलते वाहन से धुआं निकलता दिखाई दे या जलने जैसी गंध महसूस हो तो चालक को तुरंत वाहन रोक देना चाहिए. सबसे पहले इंजन बंद करना चाहिए और सभी यात्रियों को सुरक्षित दूरी पर ले जाना चाहिए. यदि वाहन में अग्निशामक यंत्र मौजूद है और आग शुरुआती स्तर पर है तो उसे नियंत्रित करने का प्रयास किया जा सकता है.

ईडी की रेड करा पंजाब के हिन्दू व्यापारियों को तंग कर रही ईडी पार्टी- केजरीवाल

● व्यापारी घबराएं नहीं, पंजाब सरकार आपके साथ है, हम सब मिलकर ईडी पार्टी का मुकाबला करेंगे- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब के हिन्दू व्यापारियों के यहां मंगलवार को एक बार फिर ईडी की रेड पड़ने पर आम आदमी पार्टी और उसकी पंजाब सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पंजाब सरकार ने व्यापारियों को पंजाब के विकास की रीढ़ की हड्डी बताते हुए उनके साथ खड़े होने की बात कही है। उधर, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ईडी पार्टी पंजाब के हिन्दू व्यापारियों पर ईडी की रेड कराकर उन्हें तंग कर रही है। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यापारी घबराए नहीं, पूरा पंजाब आपके साथ खड़ा है। हम सब मिलकर ईडी पार्टी का मुकाबला करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि ईडी पार्टी मंगलवार को एक बार फिर पंजाब के हिंदू व्यापारियों पर ईडी की रेड कर रही है। ईडी पार्टी पंजाब के छोटे-छोटे हिंदू व्यापारियों को तंग कर रही है। मेरी सभी व्यापारियों से अपील है कि घबराने की कोई बात नहीं है, पूरा पंजाब और पंजाब सरकार आपके साथ है। हम सब मिलकर ईडी पार्टी का मुकाबला करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर चल रही चर्चा पर कहा कि सुना है कि ईडी पार्टी पंजाब की बेअदबी पार्टी/चिट्टा पार्टी से गठबन्धन करने को बहुत बेचैन है, पर बेअदबी पार्टी/चिट्टा पार्टी उनको घास नहीं डाल रही है। उधर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ईडी की रेड पर कहा कि पंजाब के हिंदू व्यापारी हमारे राज्य के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी हैं और रंगला पंजाब बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। ईडी पार्टी सेंट्रल एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके हमारे व्यापारियों को परेशान करना चाहती है। ऐसा करके वे राजनीतिक दबाव डालकर उन्हें अपने साथ मिलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसको पंजाबी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम अपने व्यापारियों के साथ खड़े हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि व्यापारियों को ईडी रेड से बर्बाद कर दिया और युवाओं को परीक्षा घोटालों से, मोदी जी आप महान हैं। लेकिन देश को इनोवेशन इकोनॉमी चाहिए, ईडी इकोनॉमी नहीं। लच्छेदार भाषण और मीडिया मैनेजमेंट से अर्थव्यवस्था का सच ज्यादा दिन तक नहीं छिप सकता। मनीष सिसोदिया ने कहा कि 26 साल में पहली बार एमएससीआई इमर्जिंग मर्केट्स इंडेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से भारत की कंपनियां बाहर हो गई हैं। एमएससीआई इमरजिंग मार्केट्स इंडेक्स दुनिया के सबसे बड़े निवेश सूचकांकों में से एक है। दुनिया भर के सैकड़ों अरब डॉलर के फंड इसी इंडेक्स को देखकर निवेश करते हैं।

ओ-जोन की 92 कॉलोनियों को बड़ी राहत

● अंतिम निर्णय तक पुराने निर्माण पर नहीं होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की ओ-जोन श्रेणी में शामिल 92 कॉलोनियों और गांवों के निवासियों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन क्षेत्रों को ओ-जोन से बाहर करने पर अंतिम निर्णय होने तक पुराने निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की तोड़फोड़ अथवा दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस संबंध में दिल्ली भाजपा की प्रेसवार्ता में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और मनोज तिवारी ने विस्तृत जानकारी दी। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि वर्ष 2010 में दिल्ली और केंद्र में कांग्रेस की सरकार के दौरान 92 कॉलोनियों और कई गांवों को ओ-जोन में शामिल कर दिया गया था, जबकि वर्ष 2008 में इन्हें नियमित घोषित किया जा चुका था। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद सितंबर में तत्कालीन उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने इस निर्णय को वापस लेने का फैसला किया था, जिसे केंद्र सरकार की भी स्वीकृति प्राप्त हुई थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिसूचना भी जारी की गई थी, लेकिन बाद में एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण का दरवाजा खटखटाने के बाद मामला आगे बढ़ा। जनवरी में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने प्रधान समिति को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश दिया था। समिति की रिपोर्ट के बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण ने भी स्वीकार किया कि संबंधित कॉलोनियां और गांव वास्तविक रूप से ओ-जोन क्षेत्र में नहीं आते हैं। इसके बावजूद पूर्व में जारी अधिसूचना को लागू नहीं किया गया। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि इस विषय को लेकर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के समक्ष भी कई बार पक्ष रखा गया। मंगलवार को मुख्यमंत्री के साथ भाजपा सांसदों की बैठक में यह स्पष्ट कर दिया गया कि अंतिम निर्णय होने तक पुराने निर्माणों को नहीं गिराया जाएगा। हालांकि, यदि इस अवधि में कोई नया निर्माण किया जाता है तो उसके विरुद्ध दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि अंतिम निर्णय आने तक नए निर्माण कार्य से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा 1531 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का आदेश दिया जा चुका है। साथ ही, रेखा गुप्ता सरकार ने इन कॉलोनियों और गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए दो हजार करोड़ रुपये का कोष जारी किया है। उनका दावा था कि शीघ्र ही इन 92 कॉलोनियों और गांवों को भी ओ-जोन की श्रेणी से बाहर कर दिया जाएगा। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इन कॉलोनियों और गांवों पर त्रुटिपूर्ण तरीके से ओ-जोन लागू किया गया था, जिसे सुधारने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

पेट से निकला बालों का गुच्छा, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से मिली राहत

नई दिल्ली। पिछले दो-तीन महीने से पेट और सीने में दर्द से परेशान 24 साल के युवक का दिल्ली के एक निजी अस्पताल में सफल ऑपरेशन हुआ। जांच में पता चला कि उसके पेट में बालों का बड़ा गुच्छा जमा हो गया था। इसी वजह से उसे पेट दर्द और उल्टी जैसा लगता था। डॉक्टरों ने बताया कि यह ट्राइकोबेजोआर नाम की दुर्लभ बीमारी है। इसमें बाल निगलने से वे पेट में फंसकर गुच्छा बन जाते हैं। शरीर न इसे पचा पाता है न बाहर निकाल पाता है। पहले एंडोस्कोपी से बाल निकालने की कोशिश हुई पर गुच्छा 9x75 सेंटीमीटर का बहुत सख्त था इसलिए छोटे चीरे लगाकर लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई। खास बैग की मदद से पूरा गुच्छा बाहर निकाला गया। डॉ. अरुण भारद्वाज ने बताया कि सर्जरी के दो दिन बाद ही मरीज घर चला गया। उसे न कोई ट्यूब लगी न ड्रेन। अब वह ठीक है और सामान्य खाना खा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, यह बीमारी अक्सर बाल खींचने या बाल खाने की आदत से होती है। मरीज ने बचपन में किसी के कहने पर बाल खाना शुरू कर दिया था, जिससे उसे यह बीमारी हो गई।

गैंगस्टर कपिल सांगवान के खिलाफ दूसरा गैर-जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बालियान से जुड़े मकोका (मकोका) मामले में फरार गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के खिलाफ दूसरा गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। अदालत ने आरोपी को 9 जुलाई तक पेश करने का आदेश दिया है। यदि आरोपी पेश नहीं होता है तो अदालत 20 जुलाई से अनुपस्थिति में मुकदमे की सुनवाई (ट्रायल इन एब्सेंटिया) की प्रक्रिया के तहत चार्ज पर बहस शुरू करेगी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के अनुसार, कपिल सांगवान विदेश में बैठकर संगठित अपराध सिंडिकेट चला रहा है। वह कई आपराधिक मामलों में वांछित है। पूर्व विधायक नरेश बालियान को भी इसी गिरोह से जुड़े मामले में आरोपी बनाया गया है। बालियान नजफगढ़ क्षेत्र से हैं, जहां सांगवान भी सक्रिय रहा है। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) की अदालत ने आरोपी की अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए यह वारंट जारी किया है। इससे पहले भी सांगवान के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि सांगवान के सिंडिकेट से जुड़े कई मामले दर्ज हैं और जांच जारी है।

परिवहन मंत्री ने की डीटीसी बस संचालन की समीक्षा की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के क्षेत्रीय प्रबंधकों (आरएम) के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राजधानी दिल्ली में बसों के रोजाना के संचालन और यात्री सेवाओं की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान परिवहन मंत्री ने साफ निर्देश दिए कि सभी बसें अपने निर्धारित बस स्टॉप पर अनिवार्य रूप से रुकें और यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम तरीके से बसों में चढ़ने और उतरने की सुविधा सुनिश्चित करें। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि किसी भी हालात में किसी यात्री को कोई असुविधा न हो। विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। परिवहन मंत्री ने डीटीसी के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सभी ड्राइवरों और कंडक्टरों का यात्रा के दौरान यात्रियों के साथ विनम्र और सम्मानजनक व्यवहार को सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा कि यात्रियों, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार और लापरवाही का कोई भी मामला सामने आने पर बेहद सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने डीटीसी के सभी अधिकारियों को बस शेड्यूल, रूट ऑपरेशन और सर्विस के समय के बारे में डिटेल्ड रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

गतका प्रतियोगिता में नन्हे प्रतिभागियों ने दिखाया अदम्य साहस

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। गुरुद्वारा हरगोबिंद एन्क्लेव में माता साहिब कौर गतका अकादमी के तत्वावधान में एक भव्य गतका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसने क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण निर्मित कर दिया। इस आयोजन की अगुवाई अकादमी की प्रधान जस्मीत कौर ने की, जबकि श्री दशमेश नौजवान सभा के प्रधान इकबाल सिंह ने इसकी संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी की। आयोजन को सफल बनाने में दलबीर सिंह की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिनके समर्पण और सहयोग से कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका। गुरुद्वारा परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही, जिससे कार्यक्रम का उत्साह कई गुना बढ़ गया। प्रतियोगिता के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने जिस आत्मविश्वास और कौशल के साथ परंपरागत सिख युद्धकला गतका का प्रदर्शन किया, वह सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों के हाथों में लाठी और तलवार के दांव-पेंच, उनकी फुर्ती, अनुशासन और संयम ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे न केवल खेल के रूप में बल्कि अपनी विरासत के रूप में इस कला को आत्मसात कर रहे हैं। इतनी कम आयु में इस स्तर का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिलने पर नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को गर्व के साथ आगे बढ़ाने में सक्षम है। उपस्थित संगत ने बच्चों के प्रत्येक प्रदर्शन पर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। माता साहिब कौर गतका अकादमी की प्रधान जस्मीत कौर ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को न केवल गतका की तकनीक सिखाई, बल्कि उनमें आत्मबल, साहस और धार्मिक मूल्यों के प्रति आस्था भी विकसित की। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को ट्रॉफियाँ देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उनमें आगे बढ़ने की नई ऊर्जा का संचार हुआ।

एमसीडी ने अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ की कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। निगम ने 26 संपत्तियों को तोड़ने और 42 संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई की। भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन के खिलाफ राजधानी भर में चल रही इस बड़ी कार्रवाई के तहत एक से अब तक 123 संपत्तियों को ध्वस्त और 170 संपत्तियों को निगम ने सील किया है। यह अभियान दिल्ली पुलिस की मदद से निगम की टीमों दने चलाया। टीमों ने बुलडोजर और अपने कर्मचारियों की मदद से अनधिकृत ढांचों को तोड़ा और निर्धारित भवन नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों को सील किया। एमसीडी ने दक्षिण दिल्ली के कई इलाकों में ध्वस्तीकरण और सील करने का अभियान तेज कर दिया। आज एक बड़े अभियान के तहत अदचिनी, सैदुलाजाब, फ्रीडम फाइटर कॉलोनी, सावित्री नगर, खिड़की एक्सटेंशन और छतरपुर पहाड़ी में ध्वस्तीकरण और सील करने की नौ बड़ी कार्रवाई की गईं। इन कार्रवाइयों में उन अनधिकृत निमार्णों और अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को निशाना बनाया गया, जो भवन निर्माण नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे थे। इसके अलावा एक जून से अब तक सैदुलाजाब, हौज रानी, खिड़की एक्सटेंशन, सावित्री नगर, बेगमपुर, छतरपुर, सैनिक फार्म, खानपुर और गौतम नगर इलाकों में कुल 56 संपत्तियों को तोड़ने और सील करने की कार्रवाई की गई है। निगम ने एक जून से अपने सभी जोन में बिल्डिंग बाय-लॉज का उल्लंघन करने वाली प्रॉपर्टीज पर अनधिकृत निर्माण, सीलिंग और तोड़फोड़ के आदेशों के तहत 200 से ज्यादा नोटिस जारी किए हैं। स्थानीय निवासियों को प्रॉपर्टी के निर्माण और इस्तेमाल से जुड़े मौजूदा कानूनों और नियमों के महत्व और उनके पालन की जरूरत के बारे में समझाया गया।

सजग समाज और दूरदर्शी विधानमंडल ही विकसित भारत 2047 के दो सशक्त स्तंभ हैं– विजेन्द्र गुप्ता

● दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने सीपीए उत्तर क्षेत्र सम्मेलन के द्वितीय पूर्ण अधिवेशन को किया संबोधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। यदि नागरिक लोकतांत्रिक सतर्कता प्रदान करते हैं, तो जनप्रतिनिधियों का दायित्व लोकतांत्रिक दिशा प्रदान करना है। यदि समाज आकांक्षाएं उत्पन्न करता है, तो संस्थाओं का कर्तव्य उन्हें परिणामों में परिवर्तित करना है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आज प्रतिष्ठित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन झ सीपीए) भारत क्षेत्र, जोन-क्क (उत्तर क्षेत्र) सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित द्वितीय पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए कही। हरियाणा विधानसभा में आयोजित इस सत्र का विषय था भविष्य की चुनौतियों और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में जागरूक समाज एवं जनप्रतिनिधियों की भूमिका। अपने संबोधन में गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं है, बल्कि मजबूत संस्थाओं, जागरूक नागरिकों तथा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की साझा संस्कृति से है। गुप्ता ने कहा कि भारत आज अत्यंत आत्मविश्वास के साथ इस ऐतिहासिक यात्रा की ओर अग्रसर है और विश्व की सबसे तेजी से विकसित हो रही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा जनसेवा वितरण के क्षेत्रों में देश की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने इस बात की विशेष सराहना की कि भारत ने तीव्र सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी परिवर्तनों के बीच भी अपने लोकतांत्रिक संस्थानों की गरिमा, पवित्रता और मजबूती को अक्षुण्ण बनाए रखा है। आगामी दो दशकों की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने कहा कि 21वीं सदी के विधानमंडलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव, जलवायु परिवर्तन से कृषि एवं जल संसाधनों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव, साइबर सुरक्षा संबंधी बढ़ते खतरों तथा तीव्र शहरीकरण से उत्पन्न अवसंरचनात्मक दबावों के प्रति सजग और तैयार रहना होगा।

कृष्णा नगर जैन स्थानक में सेवा का महायज्ञ

● रक्तदान व निशुल्क नेत्र शिविर में उमड़ा जनसहभाग

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदराः कृष्णा नगर स्थित जैन स्थानक में, जहां इन दिनों स्थानकवासी जैन साधु राजऋषि श्री राजेंद्र मुनि जी महाराज, श्री नवीन मुनि जी महाराज एवं श्री रोहित मुनि जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है, वहां आयोजित रक्तदान एवं निशुल्क नेत्र जांच शिविर ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का अत्यंत प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। स्थानकवासी जैन समाज एवं एसएस जैन सभा के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में महिला, पुरुष एवं युवाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता देखने को मिली, जिससे पूरे परिसर में सेवा भावना, अनुशासन और सामूहिक सहयोग का प्रेरणादायक वातावरण बना रहा। सुबह से ही शिविर स्थल पर लोगों की आवाजाही बनी रही और हर वर्ग के लोग इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी निभाते नजर आए। संतों की प्रेरणा और आशीर्वाद से आयोजित इस सेवा कार्य में लगभग 150 के आसपास महिला, पुरुष एवं युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में विशेष रूप से जैन समाज की महिलाओं और युवाओं का उत्साह उल्लेखनीय रहा, जिन्होंने बढ़-चढ़कर इस मानव सेवा के कार्य में हिस्सा लिया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा प्रत्येक को शील्ड देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ और समाज में सेवा के प्रति सकारात्मक संदेश और अधिक सुदृढ़ हुआ। इसी क्रम में आयोजित नेत्र जांच शिविर में करीब 200 लोगों की ओपीडी के माध्यम से आंखों की जांच की गई, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सावधानीपूर्वक परीक्षण किया गया। जांच उपरांत सैकड़ों जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली। जिन मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई, उन्हें तिथि प्रदान की गई तथा उनका उपचार भी पूर्णतः निशुल्क किया जाएगा, जिससे यह शिविर जरूरतमंदों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। शिविर को सफल बनाने में नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल का विशेष योगदान रहा, जिनकी सक्रिय भागीदारी और सहयोग से पूरा आयोजन सुचारु रूप से सम्पन्न हो सका। समाज की ओर से आए सभी लोगों के लिए बैठने, भोजन एवं जलपान की समुचित एवं व्यवस्थित व्यवस्था की गई थी, जिससे पूरे आयोजन में अनुशासन और सेवा भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता रहा। यह शिविर न केवल एक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम रहा, बल्कि जैन समाज की एकजुटता, सेवा परंपरा और सामाजिक सरोकारों का जीवंत एवं प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया।

दिल्ली में कूड़े के नए पहाड़ रोकने की तैयारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में कूड़े के नए पहाड़ बनने से रोकने और लैंडफिल स्थलों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए महापौर प्रवेश वाही एवं स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने एमसीडी के पांच बड़ी कचरा प्रसंस्करण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। एमसीडी की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि भलस्वा, ओखला, सिंघोला, गाजीपुर और नरेला-बवाना में कुल 5900 टन प्रतिदिन क्षमता की आधुनिक प्रोसेसिंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन परियोजनाओं पर लगभग 596 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सत्या शर्मा ने कहा कि निगम पिछले कई वर्षों से राजधानी के तीन प्रमुख लैंडफिल स्थलों पर बायो-माइनिंग के जरिए पुराने कूड़े के पहाड़ खत्म करने का काम कर रहा है। इसके बावजूद प्रतिदिन हजारों टन ताजा कचरा इन स्थलों पर पहुंच रहा है, जिससे नए कूड़ा पहाड़ बनने का खतरा बना हुआ है। इसी चुनौती से निपटने के लिए यह दीर्घकालिक योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी परियोजना भलस्वा लैंडफिल साइट पर स्थापित की जाएगी। यहां 1800 टन प्रतिदिन क्षमता का एकीकृत कचरा प्रसंस्करण संयंत्र विकसित होगा। इस परियोजना की संशोधित लागत 214.50 करोड़ रुपये है। भलस्वा में वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 3500 टन ताजा कचरा पहुंच रहा है। नई सुविधा के शुरू होने के बाद इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्कृत किया जा सकेगा। ओखला लैंडफिल साइट पर 1400 टन प्रतिदिन क्षमता का आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जिसकी लागत 152.68 करोड़ रुपये होगी। सत्या शर्मा ने कहा कि ओखला में बायो-माइनिंग के साथ-साथ ताजा कचरे के निस्तारण की चुनौती भी बनी हुई है।

एमसीडी आयुक्त ने किया सिविल लाइन क्षेत्र का निरीक्षण

● अधिकारियों को दिल्ली को स्वच्छ एवं हरित बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

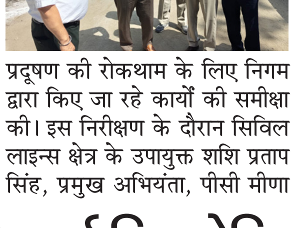

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने सिविल लाइन क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और स्वच्छता एवं प्रदूषण की रोकथाम के लिए निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस निरीक्षण के दौरान सिविल लाइन्स क्षेत्र के उपायुक्त शशि प्रताप सिंह, प्रमुख अभियंता, पीसी मीणा एवं निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त संजीव खिरवार ने जहांगीर पुरी स्थित 2000 टीपीडी क्षमता वाले सी एंड डी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया। आयुक्त ने धूल की रोकथाम के लिए सी एंड डी वेस्ट प्लांट के चारों तरफ शीट्स लगाने एवं वाटर स्प्रिंकलर लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सी एंड डी प्लांट के मुख्य मार्ग पर झाड़ियां लगाने के निर्देश दिए एवं संयंत्र का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री संजीव खिरवार ने प्लांट पर लगे निर्माण एवं विध्वंस कचरे के ढेर को कार्य योजना बनाकर जल्द से जल्द खत्म करने के निर्देश दिए। आयुक्त संजीव खिरवार ने मॉडल टाउन के प्रिंसेस रोड पर स्थित एफ सी टी एस का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे मॉडल एफसीटीएस के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि एफ सी टी एस के समीप स्थित निगम की भूमि को योजना बनाकर राजस्व संवर्धन के लिए उपयोग करने के निर्देश दिए।

दिल्ली सरकार के पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में अगस्त / सितम्बर से शुरू हो सकती है सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया

● महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी किया , सरकार के अन्य कॉलेजों का भी विज्ञापन जल्द ।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने अपने यहाँ सहायक प्रोफेसरों की स्थायी नियुक्ति करने संबंधी विज्ञापन जारी किया है । विज्ञापन के अनुसार स्थायी शिक्षकों के 06 पद निकाले गए हैं । इसमें सहायक प्रोफेसर अनरिजर्व --03 एससी --01, ओबीसी --01 , ईडब्ल्यूएस -- 01 पद हैं । इन पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 जून 2026 है । बता दे कि यहाँ पर बीएड कोर्स की कक्षाएं लगती हैं । महर्षि वाल्मीकि कॉलेज का विज्ञापन आने से दिल्ली सरकार के अन्य कॉलेजों के लिए भी स्थायी नियुक्ति का रास्ता खुल गया है जहाँ पिछले 12 साल से नियुक्तियां बंद थी । फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा स्थायी सहायक प्रोफेसर के पदों को भरने संबंधी विज्ञापन दिए जाने पर खुशी जताते हुए कॉलेज के इस कदम का स्वागत किया है और कहा है कि दिल्ली सरकार के अन्य 11 कॉलेजों में भी जल्द ही सहायक प्रोफेसर के पदों के विज्ञापन जारी होंगे । उन्होंने बताया है अन्य कॉलेजों के रोस्टर पास होने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के पास गए हुए हैं जैसे ही रोस्टर पास होकर आएंगे विज्ञापन जारी हो जायेंगे । संभावना जताई जा रही है कि अगस्त / सितम्बर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो जाएगी । उनका यह भी कहना है कि महर्षि वाल्मीकि कॉलेज में स्थायी सहायक प्रोफेसर के पदों का विज्ञापन आने से वहाँ के एडहॉक शिक्षकों में खुशी का माहौल है । बता दें कि इन कॉलेजों में पिछले 12 साल से सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति न होने से छात्रों की शिक्षा पर असर पड़ रहा है । फोरम के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेज है । इन कॉलेजों में पिछले 12 साल से स्थायी सहायक प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति नहीं हुई थीं । इन कॉलेजों में लगभग 1000 पदों पर स्थायी नियुक्ति की जानी है । बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले तीन साल से स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है जिसमें 60 से अधिक कॉलेजों ने अपने यहाँ स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली है । अब इन कॉलेजों में ओबीसी कोटे की सेकेंड ट्रांच के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है । अभी तक इन कॉलेजों व विभागों में 5400 पदों पर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है । महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ने अपने यहाँ सहायक प्रोफेसर के पदों को भरने की पहल की है वहाँ पढ़ा रहे कॉलेज के एडहॉक व स्थायी शिक्षकों में खुशी का माहौल है । उन्होंने अन्य 11 कॉलेजो के भी जल्द ही विज्ञापन आने की संभावना जताई है । प्रो. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में लगभग 1000 से अधिक शिक्षकों की आवश्यकता है । इन कॉलेजों में जहाँ दिल्ली सरकार व प्रबंध समिति (गवर्निंग बॉडी) ने 1512 पदों को स्वीकृत किया है लेकिन यहाँ स्थायी शिक्षकों की संख्या -- 528 है । सरकार के इन कॉलेजों में 984 पद खाली है । इसके अलावा पिछले दस वर्षों में शिक्षक सेवानिवृत्त व एडहॉक से स्थायी होकर दूसरे कॉलेजों / विश्वविद्यालयों में चले गए हैं । यहाँ सरकार के 12 कॉलेजों के आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

गैंगस्टर हाशिम बाबा गिरोह का शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गैंगस्टर हाशिम बाबा गिरोह के एक वांछित शूटर को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आमिर उर्फ सलीम के रूप में हुई है। आरोपी पिछले दो वर्षों से फरार चल रहा था और हत्या के एक सनसनीखेज मामले में वांछित था। डीसीपी क्राइम संजीव यादव के अनुसार क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में मेट्रो डिपो के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मान और इंस्पेक्टर सुन्दर गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। बीती रात करीब 10:48 बजे पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया. खुद को घिरा हुआ देखकर आरोपी ने अपनी पिस्टल निकाल ली और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल मनोज ने आत्मरक्षा के तहत आरोपी के पैर को निशाना बनाकर गोली चलाई। गोली लगने से आरोपी घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आमिर उर्फ सलीम गैंगस्टर हाशिम बाबा गिरोह से जुड़ा हुआ है और दो साल पहले दिवाली की रात हुई दोहरे हत्याकांड की वारदात में शामिल था। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर घर के बाहर दिवाली मना रहे चाचा-भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से वह फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों, हथियारों की सप्लाई और उससे जुड़े आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर दिल्ली भाजपा ने श्रद्धा सुमन किए अर्पित

नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्य तिथि पर दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के जनजाति मोर्चे द्वारा बसेरा पार्क में उनके प्रति पुण्य स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने भगवान बिरसा मुंडा के स्मृति स्थल पर दिल्ली भाजपा के एसटी मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा और अन्य कार्यकताओं की उपस्थिति में सर्वप्रथम पुष्पांजलि के रूप में श्रद्धासुमन अर्पित किये। हर्ष मल्होत्रा ने इस अवसर पर कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 126वीं पुण्यतिथि है। 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की आयु में रांची जेल में अंग्रेजों की क्रूरता ने इस महापुरुष को हमसे छीन लिया था। पर भगवान बिरसा मरे नहीं। वे हर आदिवासी के हृदय में, हर जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में आज भी जीवित हैं। भगवान बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे। वे एक क्रांतिकारी संत थे। 1895 में जब अंग्रेजों ने जमींदारी प्रथा और बेगार से आदिवासियों की जमीन छीननी शुरू की, तब 20 साल की उम्र में भगवान बिरसा मुंडा ने कहा था कि अबुआ दिशोम, अबुआ राज यानी हमारा देश, हमारा राज। उन्होंने उलगुलान यानी महाविद्रोह का बिगुल फूंका।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस जांच होगी अनिवार्य

नई दिल्ली। दिल्ली में पंजीकृत व्यावसायिक वाहनों के लिए अब राजधानी में ही फिटनेस जांच कराना अनिवार्य होगा। इसकेलिए नौ स्वचालित फिटनेस केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां बिना मानवीय हस्तक्षेप के वाहनों की जांच की जाएगी। राजधानी को इसी माह दो नए स्वचालित फिटनेस केंद्र मिलने जा रहे हैं। नंद नगरी और तेहखंड में इन केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है और इनके शीघ्र शुरू होने की संभावना है। प्रत्येक केंद्र में वर्षभर में लगभग 72 हजार वाहनों की फिटनेस जांच की जा सकेगी। इन केंद्रों पर ब्रेक, निलंबन प्रणाली, अग्रदीप समायोजन, निचले हिस्से की स्थिति और उत्सर्जन की पूरी तरह डिजिटल जांच की जाएगी। झुलझुली स्थित अर्ध-स्वचालित केंद्र को भी पूर्ण स्वचालित बनाया जाएगा, जबकि बुराड़ी में नए केंद्र का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा बवाना, गाजीपुर, सावदा घेवरा, जीटीके डिपो और दिचाऊं कलां में भी नए केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनके शुरू होने के बाद दिल्ली में पंजीकृत करीब सात लाख व्यावसायिक वाहनों को राजधानी में ही अनिवार्य रूप से फिटनेस जांच करानी होगी।

हौजरानी होटल अग्निकांड की न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली। हौजरानी स्थित फ्लोरिश होटल में लगी भीषण आग में 22 लोगों की मौत के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय से न्यायिक जांच कराने की मांग की गई है। इस हादसे में विदेशी नागरिकों की भी जान गई थी। अधिवक्ता भविष्य शाक्य ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को खुला पत्र लिखकर मामले का स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया है। उन्होंने घटना की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि इस हादसे ने राजधानी में सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन और नियामक निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही सुरक्षा नियमों के अनुपालन के लिए जिम्मेदार संबंधित एजेंसियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की गई है। अधिवक्ता का कहना है कि दोषियों की जवाबदेही तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए न्यायिक जांच आवश्यक है।

गांधी नगर मर्डर केस में आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले की गांधी नगर थाना पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले को एफआईआर दर्ज होने के मात्र आठ घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल खून से सनी कैंची और घटना के समय पहने गए खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 5 जून को डॉ. हेडगेवार अस्पताल से सूचना मिली थी कि कृष्ण कुमार नामक एक व्यक्ति को चाकू लगने से घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन घायल कृष्ण कुमार अपनी स्थिति के कारण घटना के बारे में कुछ भी बताने या हमलावर की पहचान करने में असमर्थ था। बाद में वह मेडिकल स्टाफ को बिना सूचना दिए अस्पताल से चला गया और पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने पर भी किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया।

डीयू प्रोफेसर हत्याकांड में चौंकाने वाले खुलास

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर देबोस्मिता पाल की हत्या के मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ ही मुख्य आरोपी रामप्रसाद दास के आपराधिक नेटवर्क से जुड़े कई सनसनीखेज खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि पश्चिम बंगाल निवासी रामप्रसाद दास न केवल हत्या का आरोपी है, बल्कि वह वर्षों से सुनियोजित तरीके से ठगी का कारोबार भी चला रहा था। उसके घर से फर्जी पहचान पत्र, नकली नोटों की गड्डियां, महंगी घड़ियां और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, रामप्रसाद दास अपनी पत्नी बनाश्री और बेटे के साथ लगभग 1400 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली पहुंचा था। जांच में सामने आया है कि उसने हत्या से पहले दो बार प्रोफेसर के घर की रेकी की थी और वारदात को अंजाम देने के लिए पूरी योजना तैयार की थी। घटना के बाद उसने पहचान छिपाने के लिए मास्क का इस्तेमाल किया और कपड़े भी बदल लिए थे, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली ने उसके बच निकलने के प्रयास को विफल कर दिया। पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार के अनुसार, सोसायटी के प्रवेश द्वार से प्राप्त निगरानी दृश्य में आरोपी मास्क लगाए हुए दिखाई दिए थे। जब यह दृश्य प्रोफेसर के स्वजन को दिखाया गया, तो वे आरोपियों की पहचान नहीं कर सके।

आप सरकार ने दिल्ली में लगाए थे 500 तिरंगे, भाजपा सरकार ने हटा दिए- सौरभ भारद्वाज

● आजादी के 75 साल पूरे होने पर अरविंद केजरीवाल ने देशभक्ति के प्रतिक के रूप में 150 फीट ऊंचे तिरंगे लगाए थे- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में 500 जगहों पर लगाए गए तिरंगे को हटाने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई नेताओं ने भाजपा सरकार के इस कदम को शर्मनाक बताया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर अरविंद केजरीवाल की सरकार ने देशभक्ति के प्रतिक के रूप में दिल्ली में जगह-जगह 150 फीट ऊंचे तिरंगे लगाए थे, लेकिन अब ये झंडे दिखाई नहीं दे रहे हैं। भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस ने अपने मुख्यालय पर आजादी के बाद 50 सालों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया था और अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है तो उसने सारे तिरंगे हटवा दिए हैं। मंगलवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि दिल्ली से 500 तिरंगे कहां गायब हो गए हैं? आम आदमी पार्टी की सरकार ने राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में पूरी दिल्ली में 500 ऊंचे तिरंगे लगाए थे, जो अब कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो साझा कर कहा कि आज मैंने देखा कि जगह-जगह से तिरंगा झंडा हट गया है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर दिल्ली में करीब 500 जगहों पर 150 फीट ऊंचे तिरंगे झंडे लगाए थे। भाजपा की सरकार ने इन झंडों को जगह-जगह से उतार दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह उसी भाजपा की सरकार है जिसकी मातृ संस्था आरएसएस ने आजादी के समय भारत के तिरंगे का हमेशा विरोध किया था। आरएसएस ने 50 सालों से अधिक समय तक अपने मुख्यालय पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। आज जब इनकी सरकार है, तो अरविंद केजरीवाल की सरकार द्वारा लगाए गए 150 फीट ऊंचे तिरंगे जगह-जगह से हटे हुए हैं। अब वहां सिर्फ खंभे बचे हैं और झंडे हट गए हैं। उधर, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि साल 2021-22 में अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में 500 जगह 100 फुट से भी ऊँचे विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगवाये थे जिन्हें देखकर हर कोई गौरवान्वित होता था। भाजपा सरकार ने ये तिरंगे पूरी दिल्ली से उतरवा दिए हैं। ये बहुत शर्मनाक हरकत है। वहीं, पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा देशद्रोहियों की पार्टी है, तिरंगे से नफरत भाजपा के डीएनए में है। आरएसएस ने अपने मुख्यालय में 52 साल तक तिरंगा नहीं फहराया और आज दिल्ली में लगे हुए तिरंगे भी हटा दिए।

कारोबारी से काला जठेड़ी गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की नॉर्थ-वेस्ट जिला इकाई ने काला जठेड़ी गैंग के नाम पर एक कारोबारी से रंगदारी मांगने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को कुख्यात गैंग का सदस्य बताकर व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकियां दे रहे थे और अंतरराष्ट्रीय नंबरों से पैसे की मांग कर रहे थे। यह मामला आदर्श नगर क्षेत्र के कारोबारी रोहित जैन से जुड़ा है, जो बवाना सेक्टर-5 में प्लास्टिक ग्लू टेप निर्माण का व्यवसाय करते हैं। बताया जा रहा है कि रोहित जैन का हरियाणा के यमुनानगर निवासी साहिल गर्ग के साथ करीब 2 करोड़ 95 लाख रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान उन्हें विदेशी नंबरों से व्हाट्सएप कॉल आने लगीं। कॉल करने वाले खुद को काला जठेड़ी गैंग का सदस्य बताते हुए पैसे की मांग कर रहे थे। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो कारोबारी की हत्या कर दी जाएगी। शिकायत मिलने के बाद आदर्श नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी आकांक्षा यादव के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी निगरानी और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी हरियाणा के करनाल, जगाधरी, यमुनानगर और चंडीगढ़ क्षेत्रों में लगातार घूम रहे थे। इसके बाद कई जगहों पर छापेमारी कर पुलिस ने पहले राजन कालरा को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर सह-आरोपी साहिल गर्ग को भी दबोच लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि उनका किसी भी गैंग से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने केवल काला जठेड़ी गैंग का नाम इस्तेमाल कर कारोबारी को डराने और दबाव बनाने की कोशिश की थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल धमकी भरे कॉल और रंगदारी मांगने के लिए किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में राजन कालरा यमुनानगर का कारोबारी है, जबकि साहिल गर्ग मेडिकल उपकरणों के कारोबार से जुड़ा हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस पूरे मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है या नहीं।

सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, एसी में लगी आग से बचीं कई जानें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-एक स्थित एक तीन मंजिला मकान की बाहरी वातानुकूलन इकाई में मंगलवार को आग लग गई। समय रहते सतर्कता बरतने के कारण सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए और बड़ा हादसा टल गया। दमकल विभाग के अनुसार सुबह लगभग 11:40 बजे घटना की सूचना मिलने पर पांच दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। आग पर काबू पा लिया गया और शीतलन का कार्य जारी रहा। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय निवासी यतीश चंद्र गुप्ता ने बताया कि उनके कक्ष में लगी वातानुकूलन यंत्र की भीतरी इकाई से चिंगारियां निकलने लगीं और धुआं उठने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तत्काल भवन की अन्य मंजिलों पर रहने वालों को सचेत किया और सभी को बाहर निकलने के लिए कहा। उनकी सूझबूझ और तत्परता के चलते भवन में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर आ गए। स्थानीय निवासी संघ के पदाधिकारियों ने भी पुष्टि की कि आग बुझा दी गई है और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

शराब के दौरान हुए विवाद में युवक की हत्या

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गांधीनगर क्षेत्र में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त खून से सनी कैंची और घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार कृष्ण कुमार को गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। जांच में पता चला कि वह गांधीनगर स्थित एक परिधान निर्माण इकाई में कार्यरत थे। पूछताछ में सामने आया कि चार जून की रात कुछ कर्मचारी एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोपी अरबाज ने पहले एक अन्य कर्मचारी पर हमला किया। इसके बाद उसने कृष्ण कुमार पर कैंची से कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, निगरानी चित्रों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

जहांगीर पुरी में उठी लाइब्रेरी की मांग, भास्कर ने सीएम से लगाई गुहार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी एससी/एसटी सेल के अध्यक्ष एम एल भास्कर ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर जहांगीर पुरी के आई एवं जे ब्लॉक क्षेत्र में एक आधुनिक सार्वजनिक लाइब्रेरी स्थापित करने की मांग की है। एम एल भास्कर ने अपने पत्र में कहा कि जहांगीर पुरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा एवं शिक्षा के प्रति रुचि रखने वाले नागरिक निवास करते हैं, लेकिन क्षेत्र में एक अच्छी सार्वजनिक लाइब्रेरी का अभाव है। इसके कारण विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है, जिससे उनका समय एवं आर्थिक संसाधन दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आई एवं जे ब्लॉक में एक आधुनिक लाइब्रेरी की स्थापना की जाती है, तो क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों और युवाओं को शांत वातावरण में अध्ययन करने, पुस्तकें पढ़ने तथा डिजिटल संसाधनों का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। इससे शिक्षा का स्तर बेहतर होगा और युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलेगी। एम एल भास्कर ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जहांगीर पुरी के आई एवं जे ब्लॉक में शीघ्र एक सुसज्जित लाइब्रेरी स्थापित की जाए, जिसमें अध्ययन कक्ष, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पुस्तकें, कंप्यूटर एवं डिजिटल लर्निंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं के हित में इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक विचार करेगी।

कापसहेड़ा इलाके की झुग्गियों में लगी आग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में झुग्गी बस्ती में मंगलवार को आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि, कापसहेड़ा के समालखा गाँव की झुग्गियों में आग लगी है, सूचना मिलते ही दमकल की 7 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की 7 फायर टेंडर्स मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड की टीमें आग बुझाने का काम तेजी से कर रही हैं। आग पर काबू पाने के लिए पानी की कई बौछारें की जा रही हैं। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब 1.30 बजे कापसहेड़ा में आम्बेडकर कॉलोनी के समालखा गांव की झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली।

दिल्ली यूनिवर्सिटी का छात्र ड्रग सप्लाई में गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां नॉर्थ-वेस्ट जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने एक छात्र को हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 20 लाख रुपए कीमत की प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि विजय नगर डबल स्टोरी इलाके में एक युवक हाइड्रोपोनिक गांजे की बिक्री कर रहा है।

सूचना के आधार पर एक विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई, इस दौरान 22 वर्षीय जसीम सियादुल फरसान को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 195 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 20 लाख रुपए बताई जा रही है।

जांच में सामने आया कि आरोपी दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में बीए अंतिम वर्ष (आठवें सेमेस्टर) का छात्र है।

पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह जल्दी पैसे कमाने के लालच में इस अवैध धंधे में शामिल हो गया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी न केवल खुद इस कारोबार में सक्रिय था, बल्कि कॉलेज के अन्य छात्रों को भी नशे की सप्लाई करता था। वह मांग के अनुसार ग्राहकों को ड्रग्स उपलब्ध कराता था। डीसीपी नॉर्थ-वेस्ट आकांक्षा यादव ने बताया कि हाइड्रोपोनिक गांजा, एक उच्च गुणवत्ता वाला प्रतिबंधित मादक पदार्थ है, जिसकी बाजार में भारी मांग रहती है।

थाना मॉडल टाउन में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अब उसके सप्लाई नेटवर्क, स्रोत और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि इस तरह की घटनाओं में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। फिलहाल आरोपी पुलिस की हिरासत में है और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

इग्नू ने शुरू किया जलवायु परिवर्तन में एमएससी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विशेषज्ञ मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एमएससी (क्लाइमेट चेंज) कार्यक्रम शुरू किया है। संस्थान का कहना है कि इसके साथ ही इग्नू भारत का पहला मुक्त विश्वविद्यालय बन गया है जिसने जलवायु परिवर्तन विषय में स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम आरंभ किया है। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार दो वर्षीय इस कार्यक्रम में जलवायु विज्ञान, जलवायु जोखिम, अनुकूलन एवं शमन रणनीतियां, पर्यावरणीय प्रशासन, सतत विकास, जल संसाधन, ऊर्जा प्रणालियां, कृषि, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जैव विविधता संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, चक्रीय अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन तथा पर्यावरण कानून जैसे विषय शामिल किए गए हैं। विद्यार्थियों को जलवायु आकलन उपकरणों और वास्तविक चुनौतियों के समाधान से भी परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वी. वेंकटरमणन और प्रो. शची शाह कर रही हैं इन दोनों प्राध्यापकों का इस क्षेत्र में व्यापक शैक्षणिक एवं शोध अनुभव है। इस पाठ्यक्रम में किसी भी विषय से स्नातक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। यह कोर्स 80 क्रेडिट का है। पहले वर्ष की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी करने वाले विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लाइमेट चेंज (पीजीडीसीसी) प्राप्त करने का विकल्प भी मिलेगा। इस कोर्स की फीस 8000 रुपए है इसमें नामांकन और डेवलेपमेंट फीस अतिरिक्त देना है। इस कोर्स की भाषा अंग्रेजी है। इग्नू ने विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों के स्नातकों, नीति निमार्ताओं, शिक्षकों, पेशेवरों और पर्यावरण के प्रति रुचि रखने वाले लोगों से इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने की अपील की है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी इग्नू के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है।

सीट-बेल्ट की अनदेखी पड़ रही भारी

● एम्स की रिपोर्ट में सामने आई कार सवारों की खतरनाक लापरवाही

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

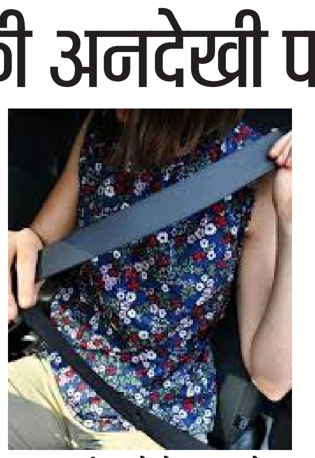

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद कार सवारों में सीट-बेल्ट न लगाने की प्रवृत्ति चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर की ताजा रिपोर्ट ने कार यात्रियों और चालकों की लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटनाओं में घायल होने वाले अधिकांश कार सवारों ने हादसे के समय सीट-बेल्ट नहीं लगाई हुई थी, जिससे गंभीर चोटों का जोखिम कई गुना बढ़ गया। ट्रॉमा सेंटर के वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में घायल होकर इलाज के लिए पहुंचे 69 प्रतिशत कार यात्रियों ने दुर्घटना के समय सीट-बेल्ट नहीं पहन रखी थी। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2024-25 के 46 प्रतिशत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ता है। स्थिति चालकों के मामले में भी चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, सीट-बेल्ट नहीं लगाने वाले चालकों का प्रतिशत एक वर्ष में 19 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रवृत्ति सड़क सुरक्षा के प्रति घटती गंभीरता का संकेत है और इसे रोकने के लिए सख्त जागरूकता और अनुपालन की आवश्यकता है। ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ. कमरान फारूकी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सीट-बेल्ट कार में उपलब्ध सबसे प्रभावी सुरक्षा उपायों में से एक है। दुर्घटना के समय सीट-बेल्ट नहीं पहनने वाले व्यक्ति के डैशबोर्ड, शीशों या वाहन के अन्य हिस्सों से टकराने की आशंका अधिक रहती है। कई मामलों में व्यक्ति वाहन से बाहर भी जा सकता है, जिससे सिर, छाती और रीढ़ की गंभीर चोटें लगने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने विशेष रूप से पिछली सीट पर बैठने वाले यात्रियों को भी सीट-बेल्ट लगाने की सलाह दी। उनका कहना था कि आमतौर पर पीछे बैठने वाले यात्री स्वयं को सुरक्षित मान लेते हैं, जबकि दुर्घटना की स्थिति में उनके लिए भी जोखिम उतना ही गंभीर होता है। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष

सीसीटीवी से दबोचे गए झपटमार, महिला की सोने की बाली बरामद

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के एमएस पार्क थाना पुलिस ने महिला की सोने की बाली झपटने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार कर मामले का पदार्फाश किया है। आरोपितों की पहचान मनीष गोयल और अश्विनी कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 29 मई को एक महिला किसी काम से जा रही थीं, तभी दो बाइक सवार बदमाशों ने उनकी करीब चार ग्राम वजनी सोने की बाली झपट ली थी। पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटनास्थल और आसपास लगे निगरानी कैमरों के चित्रों की मदद से पुलिस ने दोनों आरोपितों की पहचान की और उन्हें मानसरोवर पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर दुगार्पुरी चौक स्थित एक स्वर्ण क्रय-विक्रय केंद्र से छीनी गई सोने की बाली बरामद कर ली गई। पुलिस ने बताया कि बरामद आभूषण का वजन लगभग चार ग्राम है।

बैंकॉक से आ रहे यात्री के सामान से चार किलो से अधिक का गांजा बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क (कस्टम्स) अधिकारियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक प्रयास का भंडाफोड़ करते हुए 4.045 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.42 करोड़ रुपये आंकी गई है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, 8 जून को बैंकॉक से एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-2356 से दिल्ली पहुंचे एक यात्री को आईजीआई हवाई अड्डे पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। यात्री के सामान की एक्स-रे जांच के दौरान अधिकारियों को संदिग्ध छवियां दिखाई दीं, जिसके बाद उसके बैग की विस्तृत तलाशी ली गई। जांच के दौरान सामान से वैक्यूम-सील किए गए छह पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में हरे रंग का पदार्थ मिला, जिसके हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) होने का संदेह है। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन लगभग 4.045 किलोग्राम पाया गया। कस्टम्स ने मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि तस्करी का यह नेटवर्क किन लोगों से जुड़ा है और मादक पदार्थ को देश में किस उद्देश्य से लाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में आईजीआई हवाई अड्डे पर हाइड्रोपोनिक गांजे की तस्करी के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें तस्कर मादक पदार्थों को छिपाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

दिल्ली में ई-बस डिपो की तैयारी सुस्त, 3300 नई बसों के संचालन और पार्किंग को लेकर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में इलेक्ट्रिक बसों के बड़े बेड़े को शामिल करने की तैयारी चल रही है, लेकिन इन बसों के संचालन के लिए आवश्यक डिपो तैयार करने की रफ्तार ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवहन विभाग की धीमी प्रगति के कारण इस वर्ष के अंत तक प्रस्तावित नई इलेक्ट्रिक बसों की पार्किंग और संचालन व्यवस्था को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दिल्ली सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 3300 नई इलेक्ट्रिक बसों को सड़क पर उतारने की योजना बनाई है। इनमें प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत 2800 लो-फ्लोर बसें और 500 सात मीटर लंबाई वाली बसें शामिल हैं। हालांकि, इन बसों के लिए आवश्यक डिपो को इलेक्ट्रिक स्वरूप में परिवर्तित करने का कार्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। वर्तमान में जिन डिपो का उपयोग संपीड़ित प्राकृतिक गैस आधारित बसों के लिए किया जा रहा है, उन्हें चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक डिपो में बदला जा रहा है। सरकार की योजना लगभग 50 डिपो को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाने की है, लेकिन जानकारों का मानना है कि वर्ष के अंत तक सभी डिपो तैयार हो पाना मुश्किल दिखाई दे रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि निर्धारित समय तक डिपो तैयार नहीं होते हैं, तो नई इलेक्ट्रिक बसों को कहां खड़ा किया जाएगा और उनका संचालन किस प्रकार सुनिश्चित किया जाएगा। हालांकि, सरकार का दावा है कि बसों की आपूर्ति शुरू होने से पहले आवश्यकता के अनुरूप सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी। परिवहन विभाग के अनुसार, डिपो के विद्युतीकरण का कार्य केवल चार्जिंग स्टेशन लगाने तक सीमित नहीं है।

लाल टोपी छोड़ नए अंदाज में दिखे अखिलेश यादव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पारंपरिक सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल टोपी से अलग बिल्कुल नए रूप में नजर आए। हवाई अड्डे पर काली जींस, सफेद अर्धबाहु वस्त्र और काले जूतों में उनकी मौजूदगी ने सभी का ध्यान आकर्षित कर लिया। उनका यह बदला हुआ अंदाज सामाजिक माध्यमों पर तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। लोग उनके नए रूप की सराहना कर रहे हैं और इसे उनकी सार्वजनिक छवि में बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं। हवाई अड्डे पर अखिलेश यादव ने सुरक्षा कर्मियों और समर्थकों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की। उन्होंने मुस्कुराते हुए अभिवादन स्वीकार किया और आग्रह करने पर एक युवक के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। लंबे समय से लाल टोपी उनकी राजनीतिक पहचान का प्रतीक रही है। ऐसे में उनके इस नए रूप ने यह चर्चा भी छेड़ दी है कि क्या यह केवल एक अवसर विशेष का बदलाव है या फिर उनकी नई सार्वजनिक छवि की शुरूआत।

दिल्ली में तेजी से गिर रहा भूजल स्तर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार गिरते भूजल स्तर ने चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की ताजा रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हजारों वैध और लाखों अवैध ट्यूबवेल तथा बोरवेल के जरिए भूजल का लगातार दोहन किया जा रहा है, जिसके कारण राजधानी के कई हिस्सों में भूजल संकट गहराता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में भूजल का स्तर कई क्षेत्रों में लगभग 70 मीटर तक नीचे पहुंच चुका है। इसका प्रमुख कारण बढ़ती आबादी के अनुरूप जल आपूर्ति की व्यवस्था का पर्याप्त नहीं होना माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड मांग के अनुसार जलापूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते लोगों की निर्भरता ट्यूबवेल और बोरवेल पर लगातार बढ़ती जा रही है। भूजल स्तर में गिरावट को रोकने के लिए दिल्ली सरकार वर्षा जल संचयन व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। नए बोरवेल की अनुमति के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य बनाने जैसी नीतियां लागू की गई हैं। इसके साथ ही अवैध बोरवेलों को सील करने की कार्रवाई भी समय-समय पर की जाती रही है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इन उपायों का प्रभाव अभी अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा है और इनके क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता है।

गुरुग्राम: जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

- चार ब्लॉक्स के 48 प्रतिभागियों ने विभिन्न कैटेगरी में लिया हिस्सा
- नेहरू स्टेडियम में खिलाड़ियों ने योगासन के माध्यम से दिखाई प्रतिभा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन, आयुष विभाग एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू स्टेडियम में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल अधिकारी आरती उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में जिले के चारों ब्लॉक्स से कुल 48 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन प्रस्तुत कर अपनी क्षमता, संतुलन, लचीलेपन और एकाग्रता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। 10 से 18 वर्ष गर्ल्स कैटेगरी में जानवी ने प्रथम, आराध्या ने द्वितीय तथा मिस्टी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 10 से 18 वर्ष बॉयज कैटेगरी में महावीर प्रथम, दक्ष द्वितीय तथा अर्जुन तृतीय स्थान पर रहे। 18 से 55 वर्ष महिला वर्ग में भूमि ने प्रथम, अंजली ने द्वितीय तथा संजना ने तृतीय स्थान हासिल किया। 18 से 55 वर्ष पुरुष वर्ग में जीतू प्रथम, जीतन द्वितीय तथा स्वयम तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि आरती ने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की जीवनशैली है। नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत तथा भावनात्मक रूप से संतुलित रहता है। उन्होंने युवाओं से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं मूल्यांकन में आयुष विभाग के योग स्पेशलिस्ट डॉ. भूदेव, योग सहायक अजीत कुमार सोलंकी, योग सहायक जोगिंदर, ज्योति और अंजू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फरीदाबाद : रेणु भाटिया के बयान के विरोध में सरकारी अस्पताल की नर्सों ने दिया धरना

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के साथ कथित रूप से हुए दुर्व्यवहार और आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में फरीदाबाद के सिविल अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ ने मंगलवार को दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल कर अपना विरोध दर्ज कराया। कर्मचारियों ने हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया से अपने शब्द वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। सिविल अस्पताल की नर्सिंग स्टाफ प्रतिनिधि राजकुमारी ने बताया कि कुरुक्षेत्र में हुई घटना के दौरान रेणु भाटिया द्वारा नर्सिंग कर्मचारियों के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों से पूरे प्रदेश का नर्सिंग समुदाय आहत हुआ है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ दिन-रात मरीजों की सेवा में लगा रहता है और ऐसे कर्मचारियों के सम्मान को ठेस पहुंचाना उचित नहीं है। इसी कारण प्रदेशभर के अस्पतालों में नर्सिंग कर्मचारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, सिविल अस्पताल की नर्सिंग स्टाफ सदस्य सविता ने कहा कि रेणु भाटिया ने केवल नर्सिंग कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों के बारे में भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिन्हें किसी भी स्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी के परिवार के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करना गलत है और इससे कर्मचारियों की भावनाएं आहत हुई हैं। सविता ने कहा कि कुरुक्षेत्र में एक डॉक्टर द्वारा एक बच्ची के साथ रेप की घटना बेहद दुखद है और नर्सिंग स्टाफ भी इस घटना की कड़ी निंदा करता है। लेकिन यदि किसी मामले में कार्रवाई या जवाबदेही तय करनी थी तो संबंधित डॉक्टर, अस्पताल प्रशासन या सिविल सर्जन से सवाल किए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ का उस घटना से कोई लेना-देना नहीं था और वे केवल मरीजों की देखभाल तथा उपचार संबंधी कार्य करते हैं। नर्सिंग कर्मचारियों ने मांग की है कि रेणु भाटिया अपने बयान वापस लें और पूरे नर्सिंग समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उनका कहना है कि फिलहाल दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की गई है, लेकिन यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को बड़े स्तर पर ले जाया जाएगा। कर्मचारियों ने बताया कि नर्सिंग स्टाफ यूनियन की बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन और हड़ताल को और व्यापक रूप दिया जा सकता है। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर नर्सिंग कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

दिल्ली होटल अग्निकांड- गुरुग्राम के CA का पूरा परिवार खत्म

ICU में भर्ती पिता का भी निधन; बेटे-बहू समेत 8 लोग जिंदा जले थे

प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टे में हुए अग्निकांड में जान गंवाने वाले गुरुग्राम के विवेक अग्रवाल का पूरा परिवार खत्म हो गया। मंगलवार को दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती उनके पिता राधेश्याम अग्रवाल (80) ने भी दम तोड़ दिया। राधेश्याम कई दिनों से वेंटिलेटर पर थे। विवेक अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) थे। पिता के अस्पताल में भर्ती होने के कारण वह 3 जून को अपनी मां प्रेमलता अग्रवाल, पत्नी तर्जनी अग्रवाल और बेटियों जीविशा व वारिया के साथ होटल में ठहरे थे। राजस्थान से उनके मौसा-मौसी जवरी लाल और कमला तथा मामा अशोक पंसारी भी उनके साथ होटल में मौजूद थे। तड़के होटल में आग लगने से विवेक समेत सभी आठ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। पत्नी विवेक अग्रवाल गुरुग्राम के सेक्टर-46 में रहते थे। वह इंश्योरेंस देखो कंपनी में फाइनेंशियल हेड के पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी तर्जनी अग्रवाल पेशे से इवेंट मैनेजमेंट का काम संभालती थीं। इसके साथ ही वह वंचित बच्चों की मदद के लिए एक एनजीओ भी चलाती थीं। तर्जनी को मॉडलिंग का भी शौक था। अपनी प्रतिभा और खूबसूरती के दम पर उन्होंने वर्ष 2023 में हामिसेज इंडियाह्व का खिताब जीता था। बड़ी बेटी जीविशा अग्रवाल बेंगलुरु में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। वह सेकेंड सेमेस्टर की छात्रा थीं। वहीं छोटी बेटी वारिया अग्रवाल 11वीं कक्षा में पढ़ती थीं। परिवार में जीविशा और वारिया को प्यार से एंजल और पर्ल कहकर पुकारा जाता था। 2 जून को होटल में कमरे लिए थे विवेक ने अपने बीमार पिता राधेश्याम अग्रवाल को साकेत के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया था। बेंगलुरु में बीटेक कर रही उसकी बड़ी बेटी जीविशा को दादा के बीमार होने का पता चला तो वो फ्लाइट पकड़कर सीधे दिल्ली आ गई। 2 जून को पूरा परिवार अस्पताल के पास ही स्थित मालवीय नगर के एक होटल में रुके थे। इन्होंने दो कमरे बुक किए थे। राधेश्याम अग्रवाल की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही राजस्थान के अजमेर से विवेक के मौसा, रिटायर्ड बैंक अधिकारी जवरी लाल अग्रवाल (70), और मौसी कमला अग्रवाल (68) दिल्ली पहुंच गए। उनके साथ विवेक के मामा तथा किशनगढ़ की लक्ष्मीनारायण कॉलोनी निवासी मार्बल कारोबारी अशोक पंसारी भी आए थे। तीनों ने भी मालवीय नगर स्थित उसी होटल में कमरा बुक करा लिया, जहां विवेक और उनका परिवार ठहरा हुआ था।

फरीदाबाद : सीवरेज टैंक में गिरने से दो युवकों की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जीवन नगर पार्ट-1 स्थित नगर निगम के सरकारी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्लांट में काम करने गए दो युवकों की टैंक में गिरने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। प्लांट ऑपरेटर शिवम कुमार ने बताया कि मृतक आकाश और अमन काफी समय से इस संयंत्र में काम कर रहे थे। आकाश पिछले करीब तीन साल से और अमन करीब डेढ़ साल से यहां कार्यरत था। दोनों की उम्र लगभग 26 वर्ष थी और दोनों अविवाहित थे। शिवम के अनुसार, सुबह ठेकेदार की ओर से फोन आया था कि टैंक की सफाई के लिए एक चैन लगानी है। इसके बाद आकाश और अमन काम करने के लिए मौके पर पहुंचे। बताया गया कि आकाश सेफ्टी बेल्ट बांधकर टैंक के अंदर उतर रहा था। इसी दौरान टैंक से निकलने वाली जहरीली गैस के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। वह नीचे की ओर खिंचने लगा और उसकी सेफ्टी बेल्ट भी टूट गई, जिससे वह सीधे टैंक में जा गिरा। साथी को मुसीबत में देख अमन उसे बचाने के लिए तुरंत नीचे उतरा, लेकिन उसका भी पैर फिसल गया और वह भी टैंक में गिर गया। शिवम ने बताया कि हादसे के दौरान तीसरा कर्मचारी विपिन भी दोनों को बचाने के लिए सेफ्टी बेल्ट बांधकर नीचे उतरने लगा था। हालांकि टैंक से निकल रही गैस का असर उस पर भी होने लगा और वह भी गिरने की स्थिति में पहुंच गया। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने समय रहते उसे ऊपर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। मुजेसर थाने से एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि सुबह पुलिस को घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तुरंत मौके पर पहुंचे। टीम ने एक युवक के शव को बाहर निकाल लिया, जबकि दूसरे युवक को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा व्यवस्था में कोई लापरवाही हुई है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में सेफ्टी बेल्ट टूटने और टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

शिव विवाह उत्सव में झूमे श्रद्धालु

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हार्डवेयर चौक राजीव कॉलोनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। काशी से पधारे आचार्य सर्वेश पांडे महाराज ने भगवान शिव के विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। शिव विवाह के प्रसंग के दौरान मंदिर परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया और श्रद्धालु ने भजनों पर झूमते हुए भोलेनाथ के जयकारे लगाए। कथा स्थल पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक मंत्र जाप एवं मूल पाठ और शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। आचार्य सर्वेश पांडे ने कथा के दौरान भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों का वर्णन किया। उन्होंने वराह अवतार और कपिल अवतार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का मार्ग ही प्रभु कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने बताया कि पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत महापुराण का श्रवण करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर घनश्याम सिंह परिहार, राममोहन दीक्षित, सुधीर गुप्ता, राजेश अग्रवाल, अनिल गोयल और संगम सोनी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने आचार्य सर्वेश पांडे से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का पुण्य लाभ लिया।

जिला योग प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी राज्यस्तर पर दम दिखाएंगे

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। जिलास्तरीय योग प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। चयनित खिलाड़ी राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता में नूंह जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों और संस्थानों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंडर-18 बालक वर्ग में अमन, नवदीप, लक्ष्य, राम खिलाड़ी और अंकुर का चयन किया गया है। वहीं अंडर-18 बालिका वर्ग में रीतू, सरिता, सोयता, सिमरन और राधिका ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए चयन सूची में स्थान बनाया है। 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष वर्ग में प्रशांत, दीपक और देवेंद्र कुमार का चयन हुआ है। महिला वर्ग में बबीता रानी दहिया ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई है। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन, योग आसनों में दक्षता, संतुलन और तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन किया गया। जिला स्तर की प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से जिले में योग के प्रति बढ़ते रुझान की भी झलक देखने को मिली। विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभागियों ने अपनी तैयारी और कौशल का प्रदर्शन कर चयनकताओं का ध्यान आकर्षित किया।

गुरुग्राम: डीएलएफ फेज-1 में कार की टक्कर से रेपिडो बाइक सवार महिला की मौत

-पुलिस ने कार चालक के खिलाफ दर्ज किया मामला

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-1 क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से रेपिडो बाइक पर जा रही एक महिला की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि मृतका की सास की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार झारखंड के खूंटी जिले की रहने वाली मुक्ति बोदरा छह महीने पहले ही रोहित जोनसन होरो से शादी कर गुरुग्राम के गांव घाटा सेक्टर 55-56 में अपनी सास सरोज होरो के साथ रह रही थीं। पांच जून को वह नौकरी की तलाश में गांव से गुरुग्राम आई थीं। सात जून को मुक्ति बोदरा रेपिडो चालक उमेश कुमार के साथ घाटा से हौज खास दिल्ली जा रही थी। खुशबू चौक से आगे पहाड़ी वाले मंदिर के पास तेज रफ्तार सफेद रंग की कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मुक्ति बोदरा और बाइक चालक उमेश कुमार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक ने ही दोनों घायलों को उठाकर नारायणा हॉस्पिटल, डीएलएफ फेज-3 में भर्ती कराया और परिवार को सूचना दी। आठ जून को इलाज के दौरान मुक्ति बोदरा की मौत हो गई। बाइक चालक उमेश कुमार का इलाज अभी जारी है। मृतका की सास सरोज होरो ने थाना डीएलएफ फेज-1 में दी शिकायत में बताया कि कार चालक ने गाड़ी को लापरवाही और तेज रफ्तार से चलाकर हादसा किया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार की टीम ने नारायणा हॉस्पिटल पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज किए। बाइक चालक उमेश कुमार ने कहा कि वह परिवार से सलाह के बाद थाना आकर बयान देगा। आठ जून को डॉक्टरों ने मुक्ति बोदरा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है।

छात्रा को दाखिला न देने पर डीपीएस स्कूल पर पचास हजार का जुर्माना

-परमानेंट लोक अदालत ने शिक्षा का अधिकार के तहत छात्रा के दाखिले के आदेश दिए

फरीदाबाद। परमानेंट लोक अदालत ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत दाखिले से वंचित छात्रा कुलसुम के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। डीपीएस सेक्टर-19 प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर छात्रा को प्रवेश देने के आदेश दिए गए। अदालत ने शिक्षा विभाग के आदेशों की अनदेखी करने पर स्कूल पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। आदेश के अनुसार जुर्माने की राशि में से 40 हजार रुपये जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को और 10 हजार रुपये छात्रा को दिए जाएंगे। इस फैसले को आरटीई के तहत पात्र बच्चों के अधिकारों की दिशा में अहम माना जा रहा है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि छात्रा कुलसुम को शिक्षा विभाग द्वारा आरटीई कोटे के तहत डीपीएस-19 में सीट आवंटित की गई थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उसे दाखिला देने से इनकार कर दिया। इसके बाद छात्रा के अभिभावक ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी से शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं मिलने पर मंच के प्रदेश लीगल एडवाइजर एडवोकेट बी.एस. विरदी के माध्यम से परमानेंट लोक अदालत का दरवाजा खटखटाया। मामले की कई सुनवाई के बाद अदालत ने आठ जून को छात्रा के हित में फैसला सुनाया। एडवोकेट विरदी ने बताया कि इसी तरह के मामलों में नौ अन्य स्कूलों के खिलाफ भी मुकदमे दायर किए गए हैं, जिन पर निर्णय आना बाकी है। छात्रा के अभिभावक गुल्फान ने अदालत के फैसले पर खुशी जताते हुए हरियाणा अभिभावक एकता मंच और एडवोकेट बीएस विरदी का आभार व्यक्त किया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी शर्मा ने कहा कि आरटीई के पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश देने से इनकार करना सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी के अपने आदेश में स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा आवंटित पात्र छात्रों को निजी स्कूलों को अनिवार्य रूप से प्रवेश देना होगा और किसी भी आधार पर उनका दाखिला नहीं रोका जा सकता।

फरीदाबाद : मजदूर की बेटी ने रचा इतिहास, विश्व योगासन चैंपियनशिप में जीते दो गोल्ड

- -78 देशों के खिलाडियों के बीच चमकी फरीदाबाद की बेटी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 में फरीदाबाद की होनहार खिलाड़ी मनीषा गिरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मनीषा ने सीनियर वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए आर्टिस्टिक ग्रुप योगासन एवं आर्टिस्टिक पेयर योगासन स्पधाओं में भाग लिया और दोनों ही इवेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। विश्व के 78 से अधिक देशों और 500 से अधिक खिलाडियों की भागीदारी वाली इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, योग गुरु बाबा रामदेव, साध्वी देवप्रियाजी, अहमदाबाद के महापौर हितेश बरोट, सांसद दिनेश भाई मकवाना सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। फरीदाबाद के एनएचपीसी चौक के निकट राजीव नगर की रहने वाली मनीषा गिरी की सफलता संघर्ष, मेहनत और समर्पण की प्रेरणादायक कहानी है। एक साधारण परिवार से संबंध रखने वाली मनीषा के पिता नारायण गिरी एक निजी कंपनी में मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। विद्यालय स्तर से शुरू हुआ यह सफर निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ता गया। इसके बाद उन्होंने योगिराज कृष्ण अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ में अध्ययन के दौरान योगासन खेल में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। इसी दौरान मनीषा ने दो बार नेशनल गेम्स में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इन सफलताओं ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया। उल्लेखनीय है कि योगासन खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर मनीषा का चयन आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल) में स्पोर्ट्स कोटा के अंतर्गत कांस्टेबल पद पर हुआ। उन्होंने मार्च 2026 में अपनी ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी की और वर्तमान में उनकी पोस्टिंग पंचकूला, हरियाणा में हुई है। खेल और सेवा दोनों क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। फरीदाबाद योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव अंकुर एवं सचिव श्याम कुमार ने मनीषा गिरी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए बताया कि फरीदाबाद वापसी पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।कोच मनीष जी ने बताया कि मनीषा की मेहनत और लगन बाकी बच्चों से अलग शुरू से ही रही जिसकी कारण आज ये पदक भारत के नाम किया गया मनीषा की इस दोहरी स्वर्णिम सफलता पर खेल जगत, योगासन समुदाय, शिक्षकों, खिलाडियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह भविष्य में भी भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करती रहेंगी।

गुरुग्राम: विदेशी मुद्रा के नाम पर लाखों की ठगी

गुरुग्राम। विदेशी मुद्रा के नाम पर धोखाधड़ी कर लाखों रुपये हड़प लिए गए। इस ठगी के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-43 गुरुग्राम की पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अब तक इस मामले में तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार तीन फरवरी 2026 को सेक्टर-50 थाना क्षेत्र में एक विदेशी मुद्रा विनिमय का काम करने वाले व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि दो फरवरी को व्हाट्सएप पर कॉल कर एक व्यक्ति ने खुद को ग्राहक बताकर विदेशी मुद्रा खरीदने की बात कही और उसे यूनिटेक बिजनेस जोन सेक्टर-50 बुलाया। शिकायतकर्ता 20,000 यूएस डॉलर और 3,000 यूके पाउंड लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचा। वहां अभिषेक नाम बताने वाले व्यक्ति ने विदेशी मुद्रा ले ली और भुगतान लाने का बहाना बनाकर फरार हो गया। बाद में उसका मोबाइल भी बंद मिला। न तो विदेशी मुद्रा वापस मिली और न ही पैसे। इस शिकायत पर सेक्टर-50 थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीम ने पांच जून को हिसार के सेक्टर-4 से आरोपी विपिन 35 वर्ष निवासी हिसार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि वारदात में इस्तेमाल सिम कार्ड आरोपी राकेश के नाम पर था, जिसे उसने 1,000 रुपये में विपिन को दे दिया था। विपिन ने उस सिम को अपने फोन में चलाकर आए ओटीपी को दूसरे व्यक्ति को दे दिया, जिससे व्हाट्सएप लॉगिन कर शिकायतकर्ता से ठगी की गई। ओटीपी देने के बदले विपिन को 50,000 रुपये मिले थे। इसी मामले में पुलिस ने सात जून 2026 को बरवाला रोड हिसार से एक और आरोपी सचिन 28 वर्ष निवासी मॉडल टाउन हिसार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि सचिन खरड़, पंजाब में डिलीवरी बॉय का काम करता है। वहीं उसकी मुलाकात आरोपी विपिन और अन्य आरोपी से हुई थी। वह भी इस धोखाधड़ी में शामिल था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि अब तक इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुरुग्राम: दिल्ली-रेवाड़ी रेलवे ट्रैक पर युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। दिल्ली-रेवाड़ी रेलवे ट्रैक पर लक्ष्मण विहार के पास एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पंजाब के अमृतसर जिले के गांव भोमा निवासी जगजीत सिंह के रूप में हुई है। मंगलवार को जीआरपी थाना के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार जगजीत सिंह मानेसर स्थित एक निजी कंपनी में ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जगजीत सिंह कुछ दिनों की छुट्टी बिताने के बाद दो दिन पहले ही गुरुग्राम लौटा था। पुलिस के अनुसार, मृतक के साथियों और परिचितों से पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या के पीछे के संभावित कारणों का पता लगाया जा सके। जांच के दौरान युवक के हाथ पर ब्लेड से नस काटने के पुराने निशान भी मिले हैं। हालांकि ये निशान पूरी तरह भर चुके थे, लेकिन इससे यह आशंका जताई जा रही है कि वह पहले भी मानसिक तनाव या आत्महत्या जैसे विचारों से जूझ चुका हो सकता है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से शव को निकालने में भी जीआरपी को काफी मशक्कत करनी पड़ी। रेलवे ट्रैक के एक ओर 8 से 10 फीट ऊंची दीवार और दूसरी तरफ गंदा नाला होने के कारण शव तक पहुंचना और उसे बाहर लाना चुनौतीपूर्ण रहा। ऐसे में जीआरपी के जवानों ने स्ट्रेचर की मदद से शव को उठाकर गंदे नाले के रास्ते किसी तरह बाहर निकाला। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पलवल में नर्सों ने दो घंटे किया विरोध प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

पलवल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया के कथित व्यवहार और टिप्पणियों के विरोध में मंगलवार को पलवल के नर्सिंग स्टाफ ने दो घंटे की सांकेतिक पेन डाउन हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन किया। नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले जिला नागरिक अस्पताल के मुख्य गेट पर धरना दिया गया और महिला आयोग की अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की गई। नर्सिंग स्टाफ अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में एक डॉक्टर से जुड़े दुष्कर्म मामले की जांच के लिए पहुंची थीं। आरोप है कि जांच के दौरान उन्होंने वहां तैनात नर्सिंग अधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और महिला कर्मचारियों के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा नर्सिंग स्टाफ पर आरोपी डॉक्टर का साथ देने का आरोप पूरी तरह निराधार और बेबुनियाद है।

योग मैराथन का आयोजन 15 जून को होगा

प्रात: किरण संवाददाता

पलवल। पलवल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले गतिविधियों का सिलसिला शुरू हो गया है। 15 जून को योग मैराथन, 19 को संगोष्ठी और 20 को अंतिम रिहर्सल आयोजित होगी। जिला और ब्लॉक स्तर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों के जरिए हजारों लोगों को योग से जोड़ा जाएगा। पलवल में 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चरणबद्ध गतिविधियों का कैलेंडर तैयार किया है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रखी गई है, जिसके तहत विभिन्न वर्गों को योग के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जाएगा। उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने बताया कि 11 से 13 जून तक जिला और ब्लॉक स्तर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। इनमें प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस कर्मी, एनसीसी, स्काउट्स तथा आम नागरिक भाग लेंगे। योग विशेषज्ञ, खेल विभाग के प्रशिक्षक और आयुष विभाग के कर्मी सुबह और शाम योगाभ्यास कराएंगे। योग के प्रचार-प्रसार के लिए 15 जून को जिला स्तर पर भव्य योग मैराथन आयोजित की जाएगी। इसमें स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, पुलिस कर्मी, एनसीसी कैडेट, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य और अन्य नागरिक भाग लेंगे। प्रतिभागी योग से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां और बैनर लेकर जागरूकता का संदेश देंगे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सं. 46265212 के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक के द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार है:–

1	कार्य का नाम	Pantograph Complete (Type-WBL 22.03) suitable for 3-phase MEMU rakes with Mounting Hardware & Necessary Control Valve as per RDSO Drg No. 1-27410.14062 Alt Q or Latest without isolating cock including Interconnecting Bus Bar & associate Hardware. Make: Schunk
2	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 2,19,55,080/-
3	मात्रा	21 नग
4	निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समय	16.07.2026 (11:00 Hrs.)
5	निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	16.07.2026 (11:00 Hrs.)
6	वेबसाइट का विवरण, जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

टिप्पणी: (i) ई–निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई–प्राप्ण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है।

एनआईटी सं. 46265212, दिनांक: 08.06.2026 1970/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

विकास का इंजन, पर असुरक्षित मध्यम वर्ग

डॉ. प्रियंका सौरभ

मिसिंग मिडिल की चुनौती और आर्थिक सुरक्षा का प्रश्न भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, विशाल युवा आबादी, डिजिटल क्रांति और बढ़ते उपभोक्ता बाजार की चर्चा लगातार हो रही है। इस विकास यात्रा के केंद्र में यदि कोई सामाजिक-आर्थिक वर्ग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तो वह है भारत का मध्यम वर्ग। यही वर्ग देश में उपभोग बढ़ाता है, बचत करता है, निवेश करता है, कर देता है, शिक्षा और कौशल में निवेश करता है तथा आर्थिक गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करता है। किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग को विकास का इंजन माना जाता है क्योंकि उसकी आय और आकांक्षाएं उत्पादन तथा बाजार दोनों को संचालित करती हैं। भारत में भी मध्यम वर्ग को भविष्य के आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक मजबूती का आधार माना जाता है। इसके बावजूद एक विडंबना यह है कि भारतीय मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा स्वयं आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं है। वह गरीबी से ऊपर तो उठ चुका है, लेकिन स्थायी समृद्धि और सुरक्षा तक नहीं पहुंच पाया है। यही स्थिति अर्थशास्त्र में मिसिंग मिडिल अर्थात लुप्त या कमजोर मध्य वर्ग की परिघटना के रूप में पहचानी जाती है। मिसिंग मिडिल का आशय उस स्थिति से है जिसमें समाज में गरीबों और अमीरों के बीच स्थित मध्यम वर्ग पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं होता या उसकी आर्थिक स्थिति इतनी स्थिर नहीं होती कि वह किसी संकट का सामना कर सके। भारत में लाखों परिवार ऐसे हैं जो आय के आधार पर मध्यम वर्ग में गिने जाते हैं, लेकिन उनके पास पर्याप्त बचत, सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच या दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता नहीं होती। परिणामस्वरूप वे किसी बीमारी, नौकरी जाने, व्यवसाय में नुकसान या आर्थिक मंदी जैसी परिस्थितियों में तेजी से आर्थिक संकट में फंस सकते हैं। कोविड-19 महामारी ने इस वास्तविकता को बहुत स्पष्ट रूप से सामने ला दिया था। महामारी के दौरान लाखों ऐसे परिवार, जो स्वयं को मध्यम वर्ग का हिस्सा मानते थे, अचानक आय के स्रोत समाप्त होने, चिकित्सा खर्च बढ़ने और रोजगार अस्थिर होने के कारण आर्थिक कठिनाइयों में आ गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत का मध्यम वर्ग संख्या में बड़ा होने के बावजूद सुरक्षा के मामले में कमजोर है। भारतीय मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी शक्ति उसकी उपभोग क्षमता है। देश में घर, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं की मांग का बड़ा हिस्सा इसी वर्ग से आता है। जब मध्यम वर्ग की आय बढ़ती है तो वह अधिक वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करता है, जिससे उद्योगों का विस्तार होता है, निवेश बढ़ता है और नए रोजगार सृजित होते हैं। यही कारण है कि विकसित देशों की आर्थिक सफलता के पीछे मजबूत मध्यम वर्ग को एक प्रमुख कारक माना जाता है। भारत भी यदि विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है तो उसे अपने मध्यम वर्ग को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाना होगा। लेकिन वर्तमान में यह वर्ग कई प्रकार की चुनौतियों से घिरा हुआ है। सबसे पहली चुनौती रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता से जुड़ी है। भारत में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी असंगठित क्षेत्र में है। यहां कार्यरत लोगों को नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। शिक्षित युवाओं की बड़ी संख्या भी ऐसी नौकरियों में काम कर रही है जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं हैं। रोजगार के अवसर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन उनमें से कई अस्थायी, संविदा आधारित या कम वेतन वाले हैं। गिग अर्थव्यवस्था और प्लेटफॉर्म आधारित रोजगार ने नए अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन उनमें भी दीर्घकालिक सुरक्षा का अभाव है। ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए भविष्य की आर्थिक योजना बनाना कठिन हो जाता है। दूसरी बड़ी चुनौती स्वास्थ्य और शिक्षा के बढ़ते खर्च की है। भारत में गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं की सीमित उपलब्धता के कारण मध्यम वर्ग को निजी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है।

संपत्ति की जांच कब होगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

आलीशान कोठियों, बढ़ती संपत्तियों और जवाबदेही के सवाल देश में जब भी भ्रष्टाचार, काले धन और आय से अधिक संपत्ति की चर्चा होती है, तब आम नागरिक के मन में एक सवाल बार-बार उठता है—आखिर संपत्ति की व्यापक और निष्पक्ष जांच कब होगी? शहरों के सेक्टरों, पॉश कॉलोनियों और विकसित क्षेत्रों में खड़ी होती आलीशान कोठियां, महंगे फार्म हाउस, बहुमंजिला इमारतें और करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियां अक्सर लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि इन संपत्तियों का निर्माण किन आय स्रोतों से हुआ है और क्या इनकी कीमत संबंधित व्यक्तियों की घोषित आय के अनुरूप है। यह प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास तभी मजबूत रहता है जब उन्हें यह भरोसा हो कि कानून सबके लिए समान है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मेहनत, प्रतिभा, व्यवसाय, नौकरी या निवेश के माध्यम से संपन्न बनता है तो यह उसकी सफलता का प्रमाण है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन जब किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के बीच असामान्य अंतर दिखाई देता है, तब जांच की मांग भी स्वाभाविक हो जाती है। संपत्ति अर्जित करना अपराध नहीं है, लेकिन उसकी वैधता और स्रोत का स्पष्ट होना आवश्यक है। यही सुशासन और जवाबदेही का मूल आधार है। आज भारत के अधिकांश शहरों में ऐसे क्षेत्र विकसित हो चुके हैं जहां करोड़ों रुपये की कोठियां और भवन खड़े हैं। इनमें से अधिकांश संपत्तियां निश्चित रूप से वैध साधनों से अर्जित की गई होंगी। देश में लाखों ऐसे व्यवसायी, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक और उद्यमी हैं जिन्होंने वर्षों की मेहनत और संघर्ष से आर्थिक सफलता प्राप्त की है। उनके परिश्रम और उपलब्धियों पर संदेह करना न केवल अनुचित होगा बल्कि समाज में नकारात्मक संदेश भी देगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कुछ मामलों में संपत्ति का आकार और घोषित आय के बीच ऐसा अंतर दिखाई देता है जो सवाल पैदा करता है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था की आवश्यकता है। आम नागरिक की चिंता केवल संपत्ति को लेकर नहीं होती, बल्कि उस असमानता को लेकर भी होती है जो समाज में दिखाई देती है। एक ओर मध्यमवर्गीय परिवार जीवन भर की कमाई लगाकर एक घर बनाने के लिए संघर्ष करता है, बैंक ऋण लेता है और वर्षों तक उसकी किस्तें चुकाता है। दूसरी ओर कुछ लोग बहुत कम समय में अपार संपत्ति के मालिक बन जाते हैं। जब यह अंतर बहुत अधिक दिखाई देता है तो लोगों के मन में प्रश्न उठते हैं। यदि इन प्रश्नों का उत्तर पारदर्शी जांच और जवाबदेही के माध्यम से नहीं दिया जाता, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ने लगता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अधिक पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। सरकारी अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़े लोग जनता के विश्वास के संरक्षक होते हैं। इसलिए उनकी आय और संपत्ति का विवरण अधिक स्पष्ट और सार्वजनिक होना चाहिए। यदि कोई सार्वजनिक सेवक अपनी वैध आय के अनुरूप संपत्ति अर्जित करता है तो उसे किसी जांच से डरने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि ऐसी जांच उसकी ईमानदारी को प्रमाणित करने का माध्यम बन सकती है। लेकिन यदि कहीं अनियमितता है, तो उसे कानून के दायरे में लाना भी उतना ही आवश्यक है। समस्या केवल घोषित संपत्तियों तक सीमित नहीं है। बेनामी संपत्ति भी देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। अनेक बार वास्तविक मालिक अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार, कर्मचारी या परिचित के नाम पर दर्ज करा देता है। इससे वास्तविक स्वामित्व और धन के स्रोत का पता लगाना कठिन हो जाता है। सरकार ने बेनामी लेन-देन रोकने के लिए कानून बनाए हैं, लेकिन इनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। जब तक संपत्ति के वास्तविक लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक वित्तीय पारदर्शिता का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

नरेन्द्र मोदी का युग

इनमें से प्रत्येक युग को उनकी सीमाओं, पसंदगियों और महत्वाकांक्षाओं के आधार पर परिभाषित किया जाता है।नेहरू ने जहां एक नाजुक एवंनवगठित संप्रभु राष्ट्र की अगुवाई की, वहींमोदी ने वैश्विक झटकों से जूझते हुए एक विशाल, डिजिटल रूप से जुड़े एवंअति-प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र केशासन को संभाला है। दोनों नेताओं की नेतृत्व शैली मेंअंतर इस तथ्य को दशार्ता है कि भारत की शासन संबंधी जरूरतें किस कदर बढ़ी हैं - और क्यों मोदी का कार्यकाल राज्य की क्षमता, समावेशन, बुनियादी ढांचे, कूटनीति और कार्यान्वयन की दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावशाली रहा है। नेहरू का शासन संबंधी दर्शन ऊपर से नीचे की ओर संस्थाओं के निर्माण और राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था पर केन्द्रित था।विभाजन की विभीषिका के बाद खुद को सहेजकर फिर सेएकजुट होने वाले एक राष्ट्र की दृष्टि से यह तरीका सही था।फिर भी, इस तरीके ने एक ऐसे केन्द्रीकृत नियंत्रण को भी स्थापित किया जिसने अक्सर नागरिकों को भागीदार के बजाय प्राप्तकर्ता के रूप में रखा। मोदी का दृष्टिकोण उस तरीके को उलट देता है और शासन को गरिमा एवंकार्यान्वयन द्वारा संचालित एक जन आंदोलन -सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास - के रूप में स्थापित करता है।

सुहेल सेठ
लेखक

नरेन्द्र मोदी अनजाने में ही रॉबर्ट फ्रॉस्ट के इस कथनपर भरोसा करते नजर आते हैं कि- उन्होंने कम इस्तेमाल होने वाला रास्ता चुना और शायद इसी से सारा फर्क पड़ा। जवाहरलाल नेहरू और नरेन्द्र मोदी के रूप में भारत के प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व के दो अलग-अलग युगों काप्रतिनिधित्व होता है। इनमें से प्रत्येक युग को उनकी सीमाओं, पसंदगियों और महत्वाकांक्षाओं के आधार पर परिभाषित किया जाता है।नेहरू ने जहां एक नाजुक एवंनवगठित संप्रभु राष्ट्र की अगुवाई की, वहींमोदी ने वैश्विक झटकों से जूझते हुए एक विशाल, डिजिटल रूप से जुड़े एवंअति-प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र केशासन को संभाला है। दोनों नेताओं की नेतृत्व शैली मेंअंतर इस तथ्य को दशार्ता है कि भारत की शासन संबंधी जरूरतें किस कदर बढ़ी हैं - और क्यों मोदी का कार्यकाल राज्य की क्षमता, समावेशन, बुनियादी ढांचे, कूटनीति और कार्यान्वयन की दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावशाली रहा है। नेहरू का शासन संबंधी दर्शन ऊपर से नीचे की ओर संस्थाओं के निर्माण और राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था पर केन्द्रित था।विभाजन की विभीषिका के बाद खुद को सहेजकर फिर सेएकजुट होने वाले एक राष्ट्र की दृष्टि से यह तरीका सही था।फिर भी, इस तरीके ने एक ऐसे केन्द्रीकृत नियंत्रण को भी स्थापित किया जिसने अक्सर नागरिकों को भागीदार के बजाय प्राप्तकर्ता के रूप में रखा। मोदी का दृष्टिकोण उस तरीके को उलट देता है और शासन को गरिमा एवंकार्यान्वयन द्वारा संचालित एक जन आंदोलन -ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासह्व - के रूप में स्थापित करता है। बैंक खातों, डीबीटी, किफायती गैस कनेक्शन, आवास, शौचालय, तेज गति से सड़क निर्माण और डिजिटल कल्याणकारी योजनाओं जैसी नीचे से ऊपर की ओर जाने वाली यह लामबंदीराज्य से मिलने वाले फायदों को परिवार के स्तर पर दृश्यमान बनाती है, जिससे परिणामों के साथ-साथ भरोसा भी बढ़ता है। आकार ही दोनों नेताओं के कार्यकालों के बीच का मुख्य अंतर है।नेहरू ने जिस समय पदभार संभाला तब भारत की आबादी लगभग 34 करोड़ और दलीय प्रतिस्पर्धा नगण्य थी।मोदी के सत्ता संभालने के वक्त देश की आबादी 131 करोड़ से अधिक और एक ऐसी दलीय प्रणाली सामने थी जिसमें हजारों पंजीकृत संस्थाओं का अस्तित्व था और आम चुनाव के मतपत्रों में सैकड़ों संस्थाओं की मौजूदगी थी।भारत के पहले आम चुनाव में लगभग 17 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। जबकि,2014 में मतदाताओं की तादाद 83 करोड़ से अधिक हो गई थी तथा 2024 तक इसमें और भी बढ़ोतरी हुई। मोदी को बार-बार राष्ट्रीय जनादेश इस तीखे विखराव और चौबीसों घंटे सातों दिन डिजिटल निगरानी के बावजूद हासिल हुए हैं।पल-पल की डिजिटल निगरानी वाला मीडिया का यह माहौल नेहरू काल कीसंस्था-आधारित वप्रिंट-युग की राजनीति से बिल्कुल ही अलग है।निरंतर ऑनलाइन आलोचनाओं के बीच शासन चलाने से जवाबदेही और कथनात्मक प्रतिस्पर्धा की गति तेज हो जाती है।तीन लोकसभा चुनावों के दौरान मोदी का चुनावी रूप से केन्द्र में बने रहना - और कई परिवारों के तीन पीढ़ियों के जेहन मेंप्रासंगिक बने रहना - नेटवर्क के इस युग में उनकी असाधारण राजनीतिक स्थिरता को दशार्ता है। आर्थिक दृष्टि से, नेहरू के मॉडल ने आधारभूत उद्योगों और वैज्ञानिक संस्थानों को तराशा, लेकिन आखिरकार यह3 झ्र 4 प्रतिशत के आसपास की ह्लहिंदू विकास दरह्व के रूप में जानी जाने वाली दर पर स्थिर हो गया।मोदी की अगुवाई वाला भारत वैश्विक विकास के इंजन के रूप में काम कर रहा हैऔर कोविड-19, मुद्रास्फीति में उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में झटके तथा भू-राजनैतिक संघर्ष से ग्रस्त एक दशक के दौरान इसकी औसत वृद्धि दर लगभग 6.5-7 प्रतिशत की रही है। यह आर्थिक उन्नयन वास्तविक कनेक्टिविटी में भी दिखाई देता है: 2014 और 2024 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों में 54,000 किलोमीटर से अधिक का विस्तार हुआ।इससे लॉजिस्टिक्स एक बाधा से हटकर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में परिणत हो गई।बुनियादी ढांचे के विस्तार और डिजिटल सुविधाओं - यूपीआई भुगतान, आधार-आधारितआपूर्ति और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने योग्य (पोर्टेबल)कल्याणकारी योजनाओं - के संयोजन ने नीतिगत घोषणाओं और नागरिकों पर पड़ने वाले इनके प्रभाव के बीच के समय को कम कर दिया है।इससे पूर्व के दशकों में बाधा डालने वालीत्रुटियोंएवं नौकरशाही की अड़ंगेबाजियों में कमी आई है।

संस्थागत स्तर पर,नेहरू ने आईआईटी और एम्स जैसे संस्थानों की नींव रखी।इन संस्थानों ने भारत की ज्ञान अर्थव्यवस्था की आधारशिला तैयार की। मोदी के शासनकाल के एक दशक के दौरान व्यापक विस्तार पर जोर दिया गया है: आईआईटी की संख्या बढ़कर 23, आईआईएम की संख्या 21 और एम्स की संख्या 23 हो गई।इससे विशिष्ट उत्कृष्टता का विस्तार हुआ और पहुंच भी व्यापक हुई। प्रतिष्ठा और प्रसार का यह दोहरा दृष्टिकोण एक ऐसी राजनीति को दशार्ता है जो आकांक्षाओं को नीतिगत स्वरूप में देखती है। सामाजिक स्तर पर, मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की संरचना मेंअन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के प्रतिनिधित्व को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई हैऔर महिलाओं का प्रतिनिधित्व 1950 के दशक में निम्न इकाई अंकों से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए बढ़कर एक तिहाई आरक्षण के विधायी मार्ग तक पहुंच गया है।यह सांकेतिक समावेशन से आगे बढ़कर संरचनात्मक गारंटी की दिशा मेंहोने वाले बदलाव को इंगित करता है।

विदेश नीति में शैलीगत और रणनीतिक अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। नेहरू की गुटनिरपेक्षता सैद्धांतिक थी, लेकिन यहद्विध्रुवीय विश्व में अक्सर

ममता-केजरीवाल मुलाकात - विपक्षी राजनीति की नई दिशा या 2029 की तैयारी?

दोनों नेताओं के बीच विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि इस मुलाकात के बाद कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। भारतीय राजनीति में जब भी दो प्रमुख विपक्षी नेता एक साथ बैठते हैं, तो उसका महत्व केवल शिष्टाचार मुलाकात तक सीमित नहीं रहता। ऐसे समय में जब देश की राजनीति लगातार नए समीकरणों की ओर बढ़ रही है, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की यह भेंट विपक्षी एकता, क्षेत्रीय दलों की भूमिका और भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल दोनों ही ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने-अपने राज्यों में मजबूत जनाधार बनाया है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के तीन दशक लंबे दौर का अंत करके अपनी राजनीतिक क्षमता का परिचय दिया। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से राजनीति में प्रवेश कर दिल्ली की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। दोनों नेताओं की राजनीति में कई समानताएं दिखाई देती हैं। दोनों स्वयं को आम जनता की आवाज बताने का प्रयास करते हैं। दोनों केंद्र सरकार की नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं और दोनों ने अपने राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक आधार मजबूत किया है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

नई दिल्ली में रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी तथा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में नई चचाओं को जन्म दे दिया है। दोनों नेताओं के बीच विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि इस मुलाकात के बाद कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। भारतीय राजनीति में जब भी दो प्रमुख विपक्षी नेता एक साथ बैठते हैं, तो उसका महत्व केवल शिष्टाचार मुलाकात तक सीमित नहीं रहता। ऐसे समय में जब देश की राजनीति लगातार नए समीकरणों की ओर बढ़ रही है, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की यह भेंट विपक्षी एकता, क्षेत्रीय दलों की भूमिका और भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल दोनों ही ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने-अपने राज्यों में मजबूत जनाधार बनाया है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के तीन दशक लंबे दौर का अंत करके अपनी राजनीतिक क्षमता का परिचय दिया। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से राजनीति में प्रवेश कर दिल्ली की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। दोनों नेताओं की राजनीति में कई समानताएं दिखाई देती हैं। दोनों स्वयं को आम जनता की आवाज बताने का प्रयास करते हैं। दोनों केंद्र सरकार की नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं और दोनों ने अपने राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक आधार मजबूत किया है। यही कारण है कि जब ये दोनों नेता एक मंच पर दिखाई देते हैं तो राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे केवल सामान्य मुलाकात नहीं मानते। देश की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान विपक्षी दलों के बीच एकता और बिखराव दोनों के उदाहरण देखने को मिले हैं। लोकसभा चुनावों से पहले कई दलों ने एकजुट होने का प्रयास किया था, लेकिन विभिन्न राज्यों में आपसी प्रतिस्पर्धा और नेतृत्व संबंधी मतभेदों ने विपक्षी गठबंधन की संभावनाओं को प्रभावित किया। ऐसे माहौल में ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की मुलाकात यह संकेत दे सकती है कि विपक्षी दल भविष्य की रणनीति को लेकर नए सिरे से विचार कर रहे हैं। दोनों नेताओं की राजनीतिक ताकत भले ही अलग-अलग राज्यों में केंद्रित हो, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका लगातार बढ़ती रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि क्षेत्रीय दल अब केवल अपने राज्यों तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे राष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। इस दृष्टि से यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल दोनों ही समय-समय पर केंद्र और राज्यों के संबंधों को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त करते रहे हैं। दोनों नेताओं ने कई अवसरों पर संघीय ढांचे को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच अधिकारों को लेकर लंबे समय तक विवाद चलता रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र के बीच भी विभिन्न प्रशासनिक तथा वित्तीय मुद्दों पर मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में संभव है कि दोनों नेताओं की चर्चा में संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे विषय प्रमुखता से शामिल रहे हों। भारतीय लोकतंत्र में संघवाद एक महत्वपूर्ण आधार है और इस विषय पर विपक्षी दल अक्सर साझा दृष्टिकोण रखते हैं। भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का महत्व लगातार बढ़ा है। एक समय था जब राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व अधिक स्पष्ट दिखाई देता था, लेकिन अब कई राज्यों में क्षेत्रीय दल निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में टीएमसी और दिल्ली तथा पंजाब में आम आदमी पार्टी की सफलता इस बदलाव का उदाहरण है। क्षेत्रीय दल स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाने में सक्षम माने जाते हैं और इसी कारण उन्हें जनता का समर्थन भी मिलता है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की मुलाकात को क्षेत्रीय दलों के बीच बढ़ते संवाद के रूप में भी देखा जा सकता है। यह संकेत हो सकता है कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय दल और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक चचाओं में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह मुलाकात किसी नए राजनीतिक मोर्चे की संभावना का संकेत है। हालांकि अभी तक ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है, लेकिन राजनीति में संभावनाओं को कभी नकारा नहीं जा सकता। भारत में गठबंधन राजनीति का लंबा इतिहास रहा है। कई बार ऐसे राजनीतिक गठबंधन बने हैं जिनकी शुरूआत अनौपचारिक बैठकों और संवाद से हुई थी। इसलिए राजनीतिक विश्लेषक इस मुलाकात को भी भविष्य की संभावनाओं के संदर्भ में देख रहे हैं। हालांकि यह भी सच है कि विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के अपने-अपने हित और प्राथमिकताएं होती हैं। ऐसे में किसी व्यापक राजनीतिक गठबंधन को आकार देना आसान नहीं होता। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे आज देश की राजनीति के केंद्र में हैं। विपक्षी दल इन विषयों पर सरकार को

सत्या नारायण पोद्दार

सेवा, संकल्प, विरासत और विकास का स्वर्णिम युग

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ नेतृत्व ऐसे होते हैं जो केवल शासन नहीं करते, बल्कि राष्ट्र की चेतना, दिशा और भविष्य को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का 12 वर्षों से अधिक का निरंतर, प्रभावशाली और जनसमर्थन प्राप्त शासनकाल इसी सत्य का सशक्त उदाहरण है। यह कालखंड केवल राजनीतिक सफलता की कहानी नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और समावेशी विकास के अद्वितीय समन्वय का स्वर्णिम अध्याय है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शासन का मूल उद्देश्य रहा है – अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना। इसी दृष्टि से 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क राशन, करोड़ों परिवारों को आवास, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा का अभूतपूर्व विस्तार किया गया। गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर संचालित योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का संचार किया है। नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण की धुरी मानते हुए महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए। जन-धन खातों से लेकर स्वयं सहायता समूहों, लखपति दीदी अभियान तथा सेना में स्थायी कमीशन तक, महिलाओं को विकास यात्रा का नेतृत्वकारी भागीदार बनाया गया है। युवा शक्ति को अवसर, नवाचार और आत्मनिर्भरता से जोड़ते हुए कौशल विकास, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना और जैसी पहलों ने भारत को विश्व के अग्रणी नवाचार केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला भारत का नया निमार्ता बन रहा है। स्वास्थ्य और किसान कल्याण के क्षेत्र में भी परिवर्तनकारी योजनाओं ने नई मिसाल स्थापित की है। आयुष्मान भारत, जन-औषधि केंद्र, पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने करोड़ों परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक स्थिरता प्रदान की है। राष्ट्र निर्माण : आधुनिक भारत की नई आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है अभूतपूर्व आधारभूत संरचना का निर्माण। देश के 26 से अधिक शहरों में विस्तारित मेट्रो नेटवर्क, 164 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन, आधुनिक एक्सप्रेस वे, आर्थिक गलियारे और हवाई संपर्क का तीव्र विस्तार भारत की नई विकास गति के प्रतीक बन चुके हैं। चिनाब रेल ब्रिज, अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, बोगीबील ब्रिज और नए पंबन समुद्री पुल जैसी परियोजनाएँ केवल इंजीनियरिंग उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि नए भारत की क्षमता, संकल्प और आत्मविश्वास की भव्य अभिव्यक्तियाँ हैं। एयरपोर्टों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि तथा उड़ान (UDYANX) योजना ने छोटे शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों को भी राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। राष्ट्र प्रथम : सुरक्षा, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का नया युग प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन की मूल भावना बनकर उभरा है। राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आतंकवाद और नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की गई, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा को नई मजबूती मिली है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए भारत ने रिकॉर्ड रक्षा निर्यात का नया इतिहास रचा है। आज भारत केवल रक्षा उपकरणों का आयातक नहीं, बल्कि वैश्विक रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस सोच का परिणाम है, जिसमें राष्ट्रीय गौरव और सामरिक सशक्तिकरण को सर्वोपरि माना गया है। साथ ही, औपनिवेशिक मानसिकता के प्रतीकों से मुक्ति दिलाते हुए राजपथ का कर्तव्य पथ में रूपांतरण तथा भारतीय परंपराओं से प्रेरित नौसेना ध्वज का अंगीकरण राष्ट्रीय अस्मिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान के सशक्त प्रतीक बनकर उभरे हैं। विरासत और विकास : संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सबसे विशिष्ट पहचान यह रही है कि उन्होंने विकास और विरासत को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक शक्तियों के रूप में स्थापित किया।

जिनके मन में देश के प्रति आस्था व निष्ठा नहीं, उनके लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकतीः मुख्यमंत्री

- 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ
- राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान : गोरक्षपीठाधीश्वर

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है। मयार्दा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। सीएम ने कहा कि 491 वर्ष तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलता रहा। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की फुल बेंच के न्यायमूर्तियों ने अपने फैसले में कहा कि जहां रामलला विराजमान हैं, वहीं रामजन्मभूमि है।

योग और आयुर्वेद अपनाएं, खुद भी स्वस्थ रहें और समाज को भी रखें निरोग : गीता विश्वकर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। आरोग्य भारती देवरिया एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्री मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर, देवरिया खास सीसी रोड पर मंगलवार को निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 250 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने कहा कि योग और आयुर्वेद को अपनाकर व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रह सकता है और समाज को भी निरोग बनाने में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आरोग्य भारती द्वारा किए जा रहे जनजागरूकता अभियानों की सराहना की। जिला प्रचारक आकाश ने कहा कि आरोग्य ही सबसे बड़ा धन है। स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज और स्वस्थ समाज से स्वस्थ राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करना आरोग्य भारती का मुख्य उद्देश्य है। आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. अजीत नारायण मिश्र ने कहा कि संस्था निरंतर स्वास्थ्य जागरूकता और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रही है। शिविर में लोगों को योग, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या तथा आयुर्वेदिक जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आस्था हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज देवरिया एवं आयुर्वेद विभाग के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। अंत में मंदिर के महंत के उत्तराधिकारी राजेश नारायण ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गरिमा त्रिपाठी, पुष्पराज तिवारी, नीरज, सुरेश गुप्ता, मीनू राय, आयुष सिंह, अनुपम कुमार शर्मा, डॉ. श्वेता त्रिपाठी, डॉ. उपेन्द्र गिरी, डॉ. मयंका, डॉ. हेमंत कुमार यादव, डॉ. संजीव कुमार अग्रवाल, डॉ. स्वरूपा रानी, शिव कुमार मिश्रा, नेहा पाण्डेय, रतन वर्मा, प्रशांत कुमार, विकास कुमार, डॉ. शन्नो राय, अनंत प्रकाश वर्मा, अमित कुमार शुक्ला, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, यशवंत शाही सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा स्थापित

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में नरोना चौराहे पर स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा मंगलवार को स्थापित की गई। आर्यनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेयी ने अपने समर्थकों के साथ प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभागों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय से आश्वासन मिलने के बावजूद प्रतिमा की स्थापना नहीं कराई गई, जिसके बाद उन्हें स्वयं पहल करनी पड़ी। मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा को उसके मूल स्थान से हटाया गया था। विधायक अमिताभ बाजपेयी लगातार मांग करते रहे कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद प्रतिमा को दोबारा उसी स्थान पर स्थापित किया जाए। उन्होंने इस संबंध में कई बार मेट्रो प्रशासन और जिला प्रशासन को पत्र लिखकर प्रतिमा पुनर्स्थापित कराने की मांग उठाई थी। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद प्रशासन की ओर से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। विधायक का कहना है कि बाद में उन्हें नवंबर तक प्रतिमा स्थापित किए जाने की जानकारी दी गई, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया। इसके विरोध में उन्होंने 17 मई को प्रतिमा स्थल पर धरना देते हुए अपने खून से जिलाधिकारी को पत्र लिखा था और शीघ्र प्रतिमा लगवाने की मांग की थी। आरोप है कि पहले यहां लगी प्रतिमा चोरी हो गई थी, लेकिन घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। विधायक ने कहा कि बार-बार अनुरोध और आश्वासनों के बावजूद जब प्रतिमा नहीं लगाई गई तो उन्होंने स्वयं संगमरमर की नई प्रतिमा तैयार करवाई और उसे स्थापित कराया। प्रतिमा स्थापना के दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और पत्रकारिता की निर्भीक परंपरा के प्रतीक हैं। उन्होंने प्रतिमा चोरी प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी दोहराई।

नाविकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रशासन सक्रिय

मीरजापुर। उत्तर-प्रदेश के मीरजापुर में नाव संचालन को सुरक्षित बनाने और नाविकों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। प्रदेश सरकार की ह्यनाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति-2020 के तहत जनपद में जिला स्तरीय नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण समिति का गठन किया गया है। इस समिति की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। समिति का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित नौकाओं की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, नाव दुर्घटनाओं की रोकथाम, आपदा प्रबंधन तथा नाविकों और गोताखोरों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना है। समिति में पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन, सिंचाई, पंचायत राज, नगर विकास, समाज कल्याण, श्रम एवं एमएसएमई विभाग के अधिकारियों के साथ नाविक एवं मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कहा कि नाविकों और उनके परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। एमएसएमई विभाग की योजनाओं, वित्तीय सहायता, ऋण परियोजनाओं तथा कौशल विकास कार्यक्रमों का लाभ प्राथमिकता के आधार पर नाविकों और गोताखोरों को दिलाया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन नाविकों की इच्छा अपनी नौकाओं के सुदृढ़ीकरण या आधुनिकीकरण की है, उन्हें बैंक ऋण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन और बैंकिंग संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही नाविकों और गोताखोरों को प्रशिक्षित कर उन्हें अधिक कुशल बनाया जाएगा। नौका सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सभी नौकाओं में लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, रस्सी, पतवार, लंबा बांस, टॉर्च और प्राथमिक उपचार सामग्री जैसी सुरक्षा किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। साथ ही नाविकों को यात्रियों को जल सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी देने और जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए जनपद के सभी नाविकों का व्हाट्सएप समूह भी बनाया जाएगा, जिससे किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन का मानना है कि इन प्रयासों से नाव संचालन अधिक सुरक्षित होगा और नाविक समुदाय के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

घाटमपुर में ओवरलोडिंग माफिया पर त्रशूल प्रहार

- -आरटीओ, पुलिस और खनन विभाग का संयुक्त अभियान
- -3 वाहन सीज, 45 का चालान व 2.86 लाख का वसूला जुमार्ना

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। सूबे में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ योगी सरकार के जीरो टॉलरेंस के निर्देश का असर कानपुर के घाटमपुर में साफ देखने को मिल रहा है। सोमवार देर रात जिला प्रशासन, आरटीओ प्रवर्तन, पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने घाटमपुर की सड़कों पर उतरकर बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। इस औचक कार्रवाई से ओवरलोड वाहन चालकों और माफियाओं में हड़कंप मच गया। इस संयुक्त अभियान में टीम ने 3 ओवरलोड वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया, जबकि 45 वाहनों का तगड़ा चालान काटा गया। इस पूरी कार्रवाई के तहत कुल 2.86 लाख रुपये का जुमार्ना ठोंका गया है। मंडल आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में सोमवार की रात घाटमपुर की सड़कों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। टीम में पीटीओ अनिल कुमार के साथ खनन विभाग और भारी पुलिस बल मौजूद था। अफसरों को देखते ही कई वाहन चालक गाड़ियां छोड़कर भागने की फिराक में दिखे, लेकिन नाकेबंदी के कारण बच नहीं सके। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग के इस कड़े रुख के कारण क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के संचालन में भारी कमी देखने को मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। घाटमपुर में आरटीओ का यह हंटर पहली बार नहीं चला है। इससे ठीक पहले बीते शनिवार को भी एआरटीओ प्रवर्तन दल (तृतीय) सोमलता यादव और पीटीओ दीपक सिंह की टीम ने मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया था। उस कार्रवाई में केवल ओवरलोडिंग ही नहीं, बल्कि निम्नलिखित कमियों पर भी एक्शन लिया गया था। बिना वैध अभिलेख, फिटनेस और परमिट के दौड़ रहे वाहन। धुंधली, फर्जी या जानबूझकर ग्रीस/मिट्टी लगी नंबर प्लेट वाले वाहन। बिना एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) या टेम्पर्ड प्लेट वाले वाहन।

मन की बात करने वाले जनता की बात की कर रहे अनदेखी :

प्रात : किरण संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला से मिलने पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मन की बात करने वाले जनता की बात की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने उक्त बातें पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कही। उन्होंने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ओम प्रकाश राजभर पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में केवल परिवार की पांच सीटें जीत की बात कही जा रही थीं, फिर सपा की 37 और कांग्रेस की पांच सीटें इंडिया गठबंधन कैसे जीत गया। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा को सैफई भेजने की बात कहने वाले 2027 में विधानसभा जाने लायक नहीं रहेंगे। सपा को सत्ता से दूर करने का सपना देखने वालों को जनता घर भेज देगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विपक्ष को खत्म करना चाहती है। विपक्ष में बैठे जनता के द्वारा चुने गये सांसद, विधायकों को इनकम टैक्स, सीबीआई का डर दिखाकर चुप करना चाहती है। लोकतंत्र में आजतक ऐसा कभी नहीं हुआ है।

जनसमस्याओं को लेकर सपाइयों का तहसील पर प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जनपद मीरजापुर में चुनार तहसील मुख्यालय पर विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदेश सचिव रामराज सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं तथा क्षेत्र की बदहाल सड़कों समेत कई मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और किसान खेती-किसानी से जुड़ी अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों की लगातार उपेक्षा की जा रही है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। सपाइयों ने चुनार क्षेत्र में जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने तथा लंबे समय से बंद पड़े पोस्टमार्टम हाउस को पुनः संचालित करने की भी मांग उठाई।

बागपत को निवेश और रोजगार का नया केंद्र बनाने की तैयारी, डीएम अस्मिता लाल ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

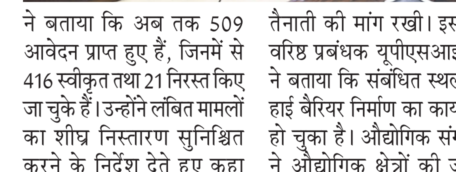

बागपत। जनपद में औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि उद्योगों और उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा निवेशकों को पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक 509 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 416 स्वीकृत तथा 21 निरस्त किए जा चुके हैं। उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि निवेशकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना चाहिए। बैठक में उद्यमियों ने यूपीएसआईडीए गेट पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चौबीसों घंटे ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग रखी। इस पर वरिष्ठ प्रबंधक यूपीएसआईडीए ने बताया कि संबंधित स्थल पर हाई बैरियर निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। औद्योगिक संगठनों ने औद्योगिक क्षेत्रों की जर्जर सड़कों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि दिल्ली-सहारनपुर मार्ग से सराय रोड स्थित खालिद फैक्ट्री तक सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने औद्योगिक इकाइयों में फैमिली आईडी पंजीकरण अभियान चलाने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक टीमें सीधे उद्योगों में पहुंचकर पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण सुनिश्चित करेंगी। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित किया गया। साथ ही सभी उद्योग संचालकों को भवन मानचित्रों की विधिवत स्वीकृति तथा अग्निशमन विभाग से एनओसी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में औपचारिकताएं पूरी न करने वाली इकाइयां स्वयं कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगी। मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने प्रत्येक विकास खंड में विशेष अभियान चलाकर हर गांव में कम से कम 10 सोलर पैनल स्थापित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा के दौरान यूनियन बैंक और केनरा बैंक की धीमी कार्यप्रणाली पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित बैंकों के खिलाफ पत्राचार करने और जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

मायावती ने की एसडीएम पर जानलेवा हमले की निंदा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को जिला हरदोई में एसडीएम के ऊपर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है, ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना जरूरी है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी की राजधानी लखनऊ के पड़ोसी ज़िला हरदोई में एक सरकारी अधिकारी शाहाबाद के एसडीएम सुशील मिश्रा पर निरीक्षण के दौरान दबंगों ने ईंट व पत्थर आदि से हमला कर दिया, इसमें वह घायल हो गए। उनको इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। ऐसी खबर दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं बल्कि अति-चिन्ताजनक भी है। ऐसी घटनाओं की रोकथाम जरूरी है ताकि सरकारी कार्यों में कथित भ्रष्टाचार के साथ-साथ प्रदेश को अराजक तत्वों से बचाया जा सके।

बेरोजगार युवक ने मानसिक तनाव में गोली मारकर की आत्महत्या

प्रात : किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। जनपद के थाना टूंडला क्षेत्र मे सोमवार की रात में एक द्वारा कमरे में बंद होकर गोली मारकर आत्महत्या कर ली गई। युवक नौकरी के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में नाकाम होने के बाद मानसिक तनाव में था। मंगलवार को पुलिस ने शब का पोस्टमार्टम कराया है। थाना टूंडला क्षेत्र के गांव खेड़ा निवासी राजेश यादव का पुत्र आकाश यादव 28 वर्ष जो सरकारी सेवा के लिए पुलिस भर्ती परीक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाएं भी दे चुका था। किंतु परीक्षाओं में नाकाम होने के कारण वह मानसिक तनाव में आ गया था परिजनो के अनुसार मानसिक तनाव के चलते उसने शराब पीना भी शुरू कर दिया था। सोमवार रात को खाना खाने के बाद कमरे में सोने चला गया था् रात में अचानक गोली की आवाज होने पर अन्य परिवार के लोग भी जाग गए किसी अनहोनी की आशंका से आकाश के कमरे की तरफ दौड़े कमरे के किवाड़ अंदर से बंद थे। किवाड़ को तोड़कर अंदर देखा तो आकाश लहु लुहान हालत में पड़ा हुआ था। सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंची मृतक को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया इकलौता पुत्र होने के कारण परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया की नौकरी नहीं लगने के कारण मानसिकता तनाब में था उसी के चलते उसके द्वारा आत्मघाती कदम उठाया गया है मौके पर पुलिस को कारतूस का खाली खोका और अवैध तमंचा मिला है।

डीएम की अपील खरीफ फसल के दौरान उर्वरक वितरण हेतु नई एप आधारित व्यवस्था का लाभ उठाएं

प्रात : किरण संवाददाता

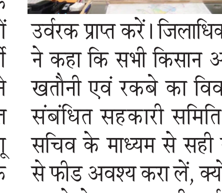

बलरामपुर। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त कृषक बंधुओं से अपील करते हुए कहा है कि खरीफ फसल के दौरान किसानों को सुगमतापूर्वक एवं पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु जनपद में एप आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों के सदस्य कृषकों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर मैसेज के माध्यम से उर्वरक वितरण की सूचना भेजी जा रही है। कृषक बंधु अपने मोबाइल पर प्राप्त होने वाले मैसेज को नियमित रूप से अवश्य देखें तथा उसी के अनुसार सहकारी समितियों से उर्वरक प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी किसान अपने खतौनी एवं रकबे का विवरण संबंधित सहकारी समिति के सचिव के माध्यम से सही रूप से फीड अवश्य करा लें, क्योंकि रकबे के अनुसार ही उर्वरक प्राप्त करने हेतु मैसेज भेजा जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु समय रहते अपने अभिलेखों का सत्यापन करा लें तथा प्रशासन द्वारा लागू की गई इस नई व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें।

लखनऊः सड़क हादसे में नर्सिंग कर्मी की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक सड़क हादसे में नर्सिंग कर्मी की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि उन्नाव जिले की रहने वाली साधना (26) लखनऊ के विकल्प अस्पताल में नर्सिंग विभाग में कार्यरत थीं। मंगलवार को शिफ्ट परिवर्तन के उपरांत वह पैदल अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान जॉगर्स चौराहे पर सड़क पार करते समय मौरंग लदी बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली (यूपी 32 एलपी 1910) पलट गई, जिससे नर्सिंग कर्मी के सिर एवं पैरों में गंभीर चोटें आ गईं। स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें तत्काल बाहर निकालकर उपचार के लिए विकल्प अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका का शव अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है।

वृंदावन की ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त, दिन-रात काम करेंगी विशेष टीमें

प्रात : किरण संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में वृंदावन नगर की चरमराती यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और अतिक्रमण की गंभीर समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। इस संबंध में मंगलवार को पर्यटन थाना परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न विभागों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, एसडीएम राजकुमार चौधरी, सीओ सदर पीपी सिंह और एआरटीओ सहित कई आलाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा सिविल सोसाइटी और जिला प्रशासन द्वारा इस कार्य के लिए गठित की गईं चार टीमों के कोऑर्डिनेटर भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक के दौरान वृंदावन की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था, अवैध पार्किंग और लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर गहन मंथन किया गया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों और तीर्थ पुरोहित महासभा के पदाधिकारियों ने भी प्रशासन के सामने अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में अवैध पार्किंग को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अवैध रूप से खड़े होने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे वाहनों को क्रेन या टोइंग मशीन के जरिए उठाकर सीधे निर्धारित यार्ड में ले जाया जाएगा। वाहन स्वामियों को भारी जुमार्ना जमा करने के बाद ही अपनी गाड़ी वापस मिल सकेगी। पत्रकारों से सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा ने कहा कि वृंदावन धाम में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को सुगम यातायात व्यवस्था देने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सड़कों और फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए हमारी विशेष टीमें अब दिन और रात, दोनों शिफ्टों में मुस्तैदी से काम करेंगी। जो लोग सड़कों पर लापरवाही से या अवैध रूप से वाहन पार्क कर जाम का कारण बन रहे हैं, उनके वाहनों को क्रेन से उठाकर सीधे जब्त किया जाएगा और सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। हमारा लक्ष्य वृंदावन को जाम और अतिक्रमण से मुक्त कराकर एक व्यवस्थित और सुगम माहौल देना है।मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा ने वीडियो बयान जारी कर साफ कहा कि वृंदावन की महत्ता को देखते हुए यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को जाम की समस्या से बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

योगी सरकार का मिशन शक्ति मॉडल : बदली बेटियों की तस्वीर, बढ़ा सुरक्षा और स्वाभिमान का दायरा

-लाखों बालिकाओं को आत्मरक्षा संबंधी प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास और डिजिटल साक्षरता से जोड़ा गया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित मिशन शक्ति अभियान ने उत्तर प्रदेश में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा दी है। आज मिशन शक्ति अभियान सामाजिक परिवर्तन और महिला सशक्तीकरण का प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। राज्य सरकार ने महिला सशक्तीकरण की अवधारणा को नई दिशा देते हुए सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व विकास को एक सूत्र में पिरोया। मिशन शक्ति के माध्यम से प्रदेश की लाखों बेटियों को न केवल सुरक्षित वातावरण मिला, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने, नेतृत्व करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग होने के अवसर भी प्राप्त हुए। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां आत्मविश्वास, स्वाभिमान और सामर्थ्य के साथ नए आयाम स्थापित कर रही हैं तथा मिशन शक्ति महिला सशक्तीकरण के प्रभावी मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रदेश के विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में व्यापक स्तर पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। 10 लाख से अधिक बालिकाओं को जूडो-कराटे एवं सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रयासों ने छात्राओं को शारीरिक रूप से सक्षम बनाया। उनमें आत्मविश्वास और सुरक्षा बोध भी विकसित किया। महिला सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों ने हेल्पलाइन सेवाओं, साइबर सुरक्षा, महिला अधिकारों और कानूनी संरक्षण संबंधी जानकारी को जन-जन तक पहुंचाया। इससे महिलाओं और बालिकाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। नेतृत्व क्षमता को मिला नया आयामउन्होंने बताया कि योगी सरकार ने बालिकाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की। ह्यएक दिन की अधिकारीह्न कार्यक्रम के माध्यम से 89 हजार से अधिक बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव कराया गया। विद्यालय, ब्लॉक, तहसील और जिला स्तर पर अधिकारियों की भूमिका निभाकर छात्राओं ने शासन-प्रशासन की कार्य-प्रणाली को समझा और नेतृत्व कौशल विकसित किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम एवं एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

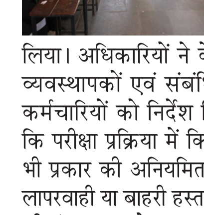

बागपत। उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की ऑफलाइन लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अस्मिता लाल एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने मंगलवार को डीएवी कॉलेज टटीरी स्थित परीक्षा केंद्र का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा परीक्षा संचालन से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही या बाहरी हस्तक्षेप की संभावना न रहे तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापन प्रक्रिया पूरी सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता और शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को परीक्षा केंद्र के भीतर एवं बाहर सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा केंद्र के आसपास अनावश्यक भीड़ एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की भी जांच की तथा कंट्रोल रूम से निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित किया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप संपन्न हो। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी गई हैं।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं पुरातत्त्व-संग्रहालय विज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में सत्र 2026-28 के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा संचालित पत्रकारिता एवं जनसंचार विज्ञान स्नातकोत्तर (एमजेएमसी) तथा पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 निर्धारित की गई है। यह जानकारी सामाजिक विज्ञान विभाग के वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेश कुमार मिश्र ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा और आधुनिक व्यावसायिक शिक्षा के समन्वय के लिए निरंतर प्रतिबद्ध विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो भारतीय ज्ञान-परम्परा के मूल्यों से अनुप्राणित हो और समकालीन चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हों। प्रो. मिश्र के अनुसार, रोजगारपरक पाठ्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण का आधार बनेंगे, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक एवं बौद्धिक संपदा के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उच्च शिक्षा का लक्ष्य केवल प्रमाणपत्र प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं रोजगारपरक दक्षताओं से सुसज्जित करना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एवं जनसंचार का क्षेत्र लोकतंत्र की चेतना और सामाजिक संवाद का सशक्त माध्यम है, जबकि पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विज्ञान भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं वैज्ञानिक अध्ययन का महत्वपूर्ण आधार है। प्रो. मिश्र के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप इन पाठ्यक्रमों में अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोधाभिमुख अध्ययन तथा रोजगारोन्मुख कौशल विकास पर विशेष बल दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

16 जिलों में हीटवेव का अलर्ट आंधी-पानी की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दो दिन पहले चंद फुहारों के बाद भीषण गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को सुबह से ही सूरज की तपिश लोगों को बेहाल किए हुए है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 16 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी करते हुए सावधान किया है। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके अलावा 12 जून को भी प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी–पानी का अलर्ट जारी किया है। 14 जून तक प्रदेश में मौसम का ऐसा ही रुख रहने का अनुमान है। केरल में मानसून के दस्तक देने के बावजूद मौसम में तपिश बढ़ गयी है। तापमान में वृद्धि दर्ज की गयी है। हालात यह है कि प्रदेश में कहीं तेज धूप से लोग परेशान हो रहे हैं तो कहीं हीटवेव झुलसा रही है। आसमान में बादल भी जब तब चक्कर लगा रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जतायी है। सुबह से ही दिन चढ़ने के साथ धूप की तपिश बढ़ती जा रही है। कहीं-कहीं उष्ण लहर यानी लू चलने की भी संभावना जताई गई है। इससे तापमान में भी एक से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। राजधानी लखनऊ में भी मंगलवार को सुबह से ही तेज धूप है। हालांकि आज जेठ माह का बड़ा मंगल होने के कारण शहर में जगह–जगह जल प्याऊ और भंडारों का आयोजन किया गया है। इससे लोगों को थोड़ी राहत है ओर वे प्यासे होने पर जल, मीठा जल और प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के डेढ़ दर्जन जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इनमें मुख्य रूप से बुंदेलखंड और आसपास के क्षेत्र अधिक हैं। इन जिलों में प्रमुख रूप से झांसी, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, कानपुर, कौशांबी प्रयागराज, चित्रकूट, वाराणसी, संतरविदास नगर, सोनभद्र और चंदौली व आसपास के जिलों में लू का यलो अलर्ट दिया गया है। इतना ही नहीं 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। मंगलवार को 16 जिलों के लिए हीटवेव अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में झांसी, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, कानपुर, कौशांबी, प्रयागराज, चित्रकूट, वाराणसी, संत रविदास नगर, सोनभद्र और चंदौली व आसपास के जिले शामिल हैं। इन जिलों में 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से गर्म हवाएं चलेंगी।।/

पत्नी को पुलिस परीक्षा दिलाने आए पति की हत्या

सहारनपुर। में 24 साल के युवक की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसके साले ने अपने मामा के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। युवक ने चार महीने पहले अपने गांव की लड़की से लव मैरिज की थी। इससे लड़की के परिवार वाले नाराज थे। युवक पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के लिए शामली से सहारनपुर आया था। पुलिस के मुताबिक, परीक्षा खत्म होने के बाद युवक पत्नी के साथ कार से घर जाने लगा। इसी दौरान उसका साला पहुंच गया और कार रुकवा ली। बहन से घर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर युवक और साले के बीच कहासुनी होने लगी। इसी बीच साले ने कमर से तमंचा निकाला और युवक की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही युवक घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोपी इसी दौरान मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रामपुर मनिहारान क्षेत्र की है। पुलिस ने मृतक की पहचान शामली के खेड़ी बैरागी के रहने वाले शिव कुमार के रूप में की। उसने एमएससी-एलएलबी की पढ़ाई की थी। 3 मार्च को एसएसएफ में नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला था। हालांकि, अब तक ज्वॉइनिंग नहीं की थी। पत्नी आकांक्षा ने बताया- शादी के बाद से मेरे परिवार के लोग शिवकुमार को लगातार धमकियां दे रहे थे। मैंने इअ तक की पढ़ाई की है। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही हूं। आज सहारनपुर के रामपुर मनिहारान के गोचर इंटर कॉलेज में परीक्षा थी।

अमरोहा पुलिस और श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय तैयार करेंगे 850 साइबर योद्धा

- अमरोहा पुलिस और श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय तैयार करेंगे 850 साइबर योद्धा

देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से आए करीब 10 हजार आवेदनों में से 850 अभ्यर्थियों का चयन, दो सप्ताह तक देश के नामचीन साइबर विशेषज्ञ देंगे प्रशिक्षण; सफल प्रतिभागियों को मिलेगा प्रमाण–पत्र और तीन अकादमिक क्रेडिट।

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश पुलिस अमरोहा एवं श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 11 जून, गुरुवार से दो सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रीय साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप प्रोग्राम-2026 (एपीसीएसआईपी-2026) का भव्य शुभारंभ श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में होगा। इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से देशभर से चयनित 850 अभ्यर्थियों को साइबर अपराधों की रोकथाम और साइबर सुरक्षा का विशेष प्रशिक्षण देकर ह्लराष्ट्रीय साइबर योद्धाह्व के रूप में तैयार किया जाएगा।विश्वविद्यालय परिसर स्थित अब्दुल कलाम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी एवं समूह अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी ने बताया कि विगत चार वर्षों से संचालित इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में इस बार देश के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 10 हजार प्रतिभागियों ने आवेदन किया था। ऑनलाइन स्क्रीनिंग के बाद 850 अभ्यर्थियों का चयन प्रशिक्षण के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़ और गुरुग्राम सहित देशभर के दो दर्जन से अधिक साइबर विशेषज्ञ प्रतिभागियों को साइबर अपराधों से निपटने की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे। साथ ही विभिन्न राज्यों से आए साइबर विशेषज्ञ पुलिस अधिकारी भी अपने अनुभव साझा करेंगे, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी। कार्यक्रम की ओपनिंग सेरेमनी 11 जून को आयोजित होगी, जिसमें संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, एडीजी बरेली जोन, आईजी, डीआईजी, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक समेत एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देशभर से आए प्रतिभागियों से संवाद करेंगे और उन्हें साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे। अमरोहा पुलिस की ओर से पुलिस अधीक्षक आईपीएस श्री लाखन सिंह यादव के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा, जबकि पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती अंजलि कटारिया इसकी मुख्य समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) होंगी। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश पुलिस एवं श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण-पत्र और तीन अकादमिक क्रेडिट प्रदान किए जाएंगे, जो उनकी साइबर विशेषज्ञता का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाण होंगे। प्रेसवार्ता को कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे, वित्त निदेशक सीए युवराज सिंह तथा कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पांडेय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. नीतू पंवार, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. आयशा वाहिद, डॉ. अंजलि भारद्वाज, डॉ. शिल्पा रैना, विशाल शर्मा, राजीव सिंह, डॉ. राजवर्द्धन, डॉ. मनीष शर्मा, एस.एस. बघेल, डॉ. अरुण गोस्वामी, एपीओ कृष्णवीर, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. पंकज सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिसिया तानाशाही के खिलाफ पत्रकारों का अनिश्चितकालीन धरना

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी/गाजियाबाद। निष्पक्ष पत्रकारों के उत्पीड़न, भ्रष्टाचार और अपराधियों को पुलिसिया संरक्षण दिए जाने के खिलाफ सोमवार से पत्रकारों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। विजयनगर पुलिस की कार्यप्रणाली और उच्चाधिकारियों की वादा खिलाफी से नाराज पीड़ित पत्रकार और न्यायप्रिय नागरिक सुबह से जिला मुख्यालय के सामने बेमियादी धरने पर बैठ गए हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रही वरिष्ठ महिला पत्रकार अपूर्वा चौधरी ने गाजियाबाद पुलिस प्रशासन पर बेहद गंभीर और आरोप लगाए हैं। उनका कहना है लगभग 10 बार गुहार लगाने के बावजूद न्याय नहीं मिला जबकि साक्ष्य उनकी टेबल पर है। अपूर्व चौधरी ने विपक्षी पक्ष के साथ पुलिस साठ गांठ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारी महिला पत्रकार साथी सुमन मिश्रा के साथ 11 मई को सरेआम छेड़छाड़ और बदतमीजी की गई। रसूखदार आरोपी कैलाश चंद शर्मा के खिलाफ 112 नंबर और लिखित शिकायत देने के बाद भी पुलिस हफ्ते भर सोती रही। जब हम न्याय के लिए पुलिस चौकी पहुंचे, तो पुलिस ने उल्टे हमारे साथ ही अपराधियों जैसा व्यवहार किया। यही नहीं पुलिस कमिश्नर के आदेशानुसार अब तक 10 से ज्यादा बार एडिशनल कमिश्नर महोदय से मिलकर न्याय की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन और टालमटोल मिली जिम्मेदार अधिकारियों के पास न्याय की फाइल पर दस्तखत करने का समय नहीं है। मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए अपूर्व चौधरी ने बताया कि 20 मई को सिद्धार्थ विहार की जल निगम चौकीह्व पर तैनात सब-इंस्पेक्टर आयुष कुमार ने दैनिक समाचार पत्र भारत का बदलता शासनह्व के संपादक ललित चौधरी को सरेआम गालियां दीं और जबरन जीप में डालकर उनके साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट की।

मीडिया परिवार से जुड़े लोग चौथे स्तंभ के प्रति कितने संवेदनशील

प्रातः किरण सुशील शर्मा

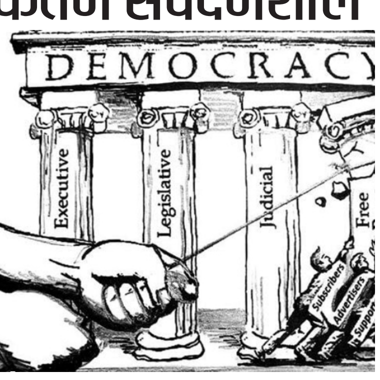

लोनी। चौथे स्तंभ से जुड़े लोगों ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष में अपने-अपने तरीके से कार्यक्रम आयोजित किये व एक दूसरे को बधाई भी दी है. जो एक गर्व की बात है। लेकिन क्या हमने कभी अपने जहन में इस बात को टटोलने का प्रयास किया है कि हमेशा सरकार की उपेक्षा का शिकार रहे देश का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले इस मीडिया जगत के प्रति हम खुद कितने संवेदनशील है. शायद अपेक्षाकृत इस मामले में हम कहीं भी टिक नहीं पाएंगे। नतीजन नेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी या अन्य कोई और, किसी को भी आसमान छू लेने जैसी शोहरत दिलाने वाले और अपनी लेखनी के दम पर बड़े-बड़े आंदोलन खड़े कर देने वाले मीडिया जगत के साथ सरकार द्वारा जो नकारात्मक रवैया अपनाया जा रह है वह जगजाहिर है जो एक गंभीर सोच का विषय भी है। माना कि देश का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले इस क्षेत्र से जुड़े विभिन्न लोगों की करतूत के चलते कोई भी इस पर उंगली उठाने का मौका ढूंढ लेता है. मगर ऐसे कुछ लोगों के कारण हमें अपने हितों की लड़ाई में कमजोर नहीं पाडना है। मेरा अपने सभी साथियों, बुद्धिजीवी श्रेणी में आने वाले मीडिया जगत के समस्त संगठनों, शुभ चिंतकों से निवेदन है कि वह एकजुटता का परिचय देते हुए आगे आए और अपने इस परिवार की भलाई में एक रणनीति के तहत आवाज बुलंद करें। गौरतलब हो कि एक समय था जब बड़े-बड़े अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि पत्रकारों से मिलने के लिए समय लेते थे. मगर आज इस क्षेत्र से जुड़े बहुत से लोग स्वयं ही उनके आगे-पीछे घूमते हुए देखे जा सकते हैं। जिनकी ऐसी मानसिकता के कारण इस स्तंभ का सम्मान अपेक्षा से कोसों दूर है। आज कुछ पत्रकारों की एक संख्या ऐसी है जो पत्रकार होने के नाम पर नेताओं तथा पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के पास डेरा डालें उनकी चापलूसी व दलाली करते दिखाई दे जाते हैं. जिसके लिए उनका जमीर कोई मायने नहीं रखता है। अफसोस और हास्यपद बात तो यह है कि ऐसे कथित पत्रकार लिखने के मामले में चाहे जितने कमजोर क्यों ना हो, बावजूद वह अपने को बड़ा पत्रकार साबित कर लेते हैं। आखिर कहां गई वह कलम की ताकत जिसमें सत्यता, निर्भीकता जैसी कर्तव्य निष्ठा के साथ पत्रकारों की खुद्दारी झलकती थी। मगर आज इस सम्मानित और पवित्र पेशे से जुड़े अपने को पत्रकार कहलाने वाले ऐसे लोग बड़े आराम से देखने को मिल जाएंगे जिन्हें पत्रकारिता से कहीं अधिक अधिकारियों की जी-हजूरी करना आता है। सच तो यह है कि अधिकांश अधिकारियों को भी कुछ ऐसे ही पत्रकारों की जरूरत होती है जो उनकी इस कमजोरी का लाभ उठाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। यही कारण है कि ऐसी घटिया मानसिकता व कार्य प्रणाली के चलते अन्य पूरे मीडिया जगत को अपेक्षाकृत सम्मान नहीं मिल पाता। वहीं सरकार भी उनके हितों के प्रति संवेदनशील दिखाई नहीं पड़ रही है जो मीडिया संगठनों द्वारा अनेक बार विभिन मांगे करने के बावजूद उनके प्रति गंभीर नजर नहीं आती है। इसलिए मीडिया जगत से जुड़े तमाम शुभचिंतकों से आग्रह है कि वह एक जुटता के साथ आगे आए और अपने अधिकारों की मांग के लिए आवाज बुलंद करें।

21 जून तक चलेगा सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान अभियान

- केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचाने की तैयारी

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में 05 जून से 21 जून 2026 तक ह्लसेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मानह्व नामक जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सादगी, अनुशासन, ईमानदारी, बचत, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। 08 जून से 14 जून तक जिले में विशेष जन-संपर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रहेगी। अभियान के सफल संचालन के लिए धनौरा, हसनपुर, अमरोहा और नौगावां सादात तहसीलों में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। इनमें उपनिदेशक कृषि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी, विकास खंड अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, युवा कल्याण अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी तथा उद्योग केंद्र के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल किए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम पंचायतों में उपस्थित होकर जनप्रतिनिधियों के साथ योजनाओं की जानकारी देंगे और पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई करेंगे। विभिन्न योजनाओं के आवेदन-पत्र मौके पर ही प्राप्त किए जाएंगे तथा जहां संभव होगा, उनकी तत्काल जांच एवं स्वीकृति की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।अभियान के दौरान प्राप्त जनसमस्याओं, शिकायतों और सुझावों का संकलन कर उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थलों पर विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री, आवेदन-पत्र और पात्रता संबंधी विवरण उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियों, शिक्षकों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लिया जाएगा। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया जाएगा, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। अभियान की संपूर्ण निगरानी एवं पर्यवेक्षण मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए पूर्ण रूप से जनोपयोगी और परिणामपरक बनाया जाए।

वृंदावन- बांके बिहारी मंदिर के पास मकान का छज्जा गिरा 9 घायल, 4 की हालत गंभीर

प्रातः किरण संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में मंगलवार शाम बांके बिहारी मंदिर के पास गली नंबर-5 में एक मकान का जर्जर छज्जा अचानक गिर गया। हादसे के समय वहां श्रद्धालुओं की भीड़ थी। छज्जा गिरने से 9 लोग घायल हो गए, जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुधीर गोस्वामी के मकान में हुआ। पड़ोसी शिवकुमार का कहना है कि छज्जे पर पहले से दरार थी। बंदर के कूदने से यह गिर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के समय तेज आंधी चल रही थी। इसी दौरान छज्जा टूटकर नीचे गिर गया। छज्जे का मलबा गली में फैल गया, जिसकी चपेट में आकर श्रद्धालु घायल हो गए। छज्जा गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम भी पहुंच गई। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने आसपास के पुराने और जर्जर भवनों की जांच शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। घटना के बाद मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है।

पीडीए आरक्षण के 11 हजार से अधिक पदों की हुई लूट, सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रहेगी: हनी फैसल

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, बिजनौर में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश की विभिन्न सरकारी भर्तियों में पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) वर्ग के आरक्षण के साथ कथित तौर पर हुए अन्याय का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया। जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा कराए गए ह्लपीडीए आरक्षण ऑडिटह्व में आरक्षण नियमों के उल्लंघन के गंभीर तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर किए गए ऑडिट के अनुसार उत्तर प्रदेश की 22 प्रमुख सरकारी भर्तियों में पीडीए वर्ग के लिए आरक्षित 11,514 से अधिक पदों का नुकसान हुआ है। इससे लाखों युवाओं के रोजगार और संवैधानिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। हनी फैसल ने आरोप लगाया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न विभागों की भर्तियों में आरक्षण व्यवस्था का समुचित पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान प्रदत्त आरक्षण अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है और पीडीए समाज के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ती रहेगी। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का संदेश भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि यह केवल नौकरियों का मुद्दा नहीं, बल्कि संविधान, सामाजिक न्याय और समान अवसरों की रक्षा का आंदोलन है। पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया गया कि वे पीडीए आरक्षण ऑडिट की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं तथा आरक्षण विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा पीडीए समाज के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रेस वार्ता के अंत में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय और संविधान बचाने की इस मुहिम को गांव-गांव तथा बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। ह्लसंविधान बचाओ, आरक्षण बचाओह्व के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रेस वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष राशिद हुसैन, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी दीपक सैनी, जिला महासचिव धनंजय यादव, प्रवक्ता अखलाक पप्पू, सत्यपाल सिंह, अनुज मलिक, बी.के. कश्यप, प्रभा चौधरी, डॉ. योगेंद्र चौधरी, राहुल सिंह, महमूद कस्सार, नमन कुमार, पंकज अग्रवाल, सिराज जैदी, सुरेंद्र वाल्मीकि, अब्दुल वहाब, महताबुद्दीन सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त गांवों के लिए चलेगा विशेष अभियान, बारिश से पहले नालों-तालाबों की होगी सफाई

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के गांवों को चरणबद्ध तरीके से प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने, जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा प्लास्टिक कचरे के संग्रहण और निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले गांवों का सत्यापन कर उन्हें ह्लप्लास्टिक मुक्त ग्रामह्व घोषित किया जाएगा तथा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही गांवों के सार्वजनिक स्थलों पर प्लास्टिक के दुष्प्रभावों और उसके विकल्पों से संबंधित स्लोगन एवं वॉल पेंटिंग कराए जाने के निर्देश भी दिए गए। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने तालाबों, नदियों, नालों और अन्य जल निकासी स्रोतों की समयबद्ध सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से बचने के लिए सभी नालों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई समय रहते पूरी कर ली जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने चयनित ग्राम पंचायतों में स्वच्छता संबंधी सभी मानकों को पूरा करने तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता और जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। ओडीएफ सस्टेनेबिलिटी रेटिंग (ओएसआर) की समीक्षा के दौरान विकासखंड अफजलगढ़, स्योहारा और हल्दौर की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता संबंधी मानकों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी और जनसहभागिता बढ़ाई जाए।

वाराणसी में ऐसा कोई दिन नहीं जब शिलान्यास और लोकार्पण ना हो : विधायक सौरभ

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में कैंट विधानसभा के विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने मंगलवार को यहां इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कहा कि वाराणसी में प्रतिदिन विकास कार्य हो रहे हैं, कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब किसी नए विकास कार्य की शुरूआत, शिलान्यास अथवा लोकार्पण ना हो रहा हो। आज भी उनके विधानसभा क्षेत्र में शंकर नगर कॉलोनी में डॉ. संजीव गुप्ता के आवास से अशोक जायसवाल के आवास तक निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण संपन्न हुआ है। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि इंटरलॉकिंग सड़क के लोकार्पण के अवसर पर क्षेत्र के नागरिक गोविंद मौर्य ने नारियल फोड़ा तथा शिलापट्ट का अनावरण संतोष द्विवेदी और सृजन श्रीवास्तव ने किया है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। कैंट विधानसभा के विकास कार्यों को लेकर विधायक सौरभ ने कहा कि वाराणसी को धर्म नगरी के रूप में जाना जाता है और यहां प्रतिदिन बाहर से आने वाले लोगों की भा संख्या देखी जा रही है। विश्वनाथ मंदिर से पहले गिरजाघर चौराहा के एक छोर से कैंट विधानसभा की शुरूआत होती है, जहां इस वक्त बनारस का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट रोपवे का कार्य चल रहा है। जिसे भी शीघ्रता से पूरा कर लिया जाएगा। रोप वे के शुरू होने से लक्सा, गोदौलिया, नई सड़क, रथयात्रा क्षेत्र में जाम का दबाव कम हो जाएगा और दुकानदारों को राहत मिलेगी।

देवरिया में आईजीआरएस प्रकरणों में लापरवाही पर दो अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि, तीन को कारण बताओ नोटिस

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में लापरवाही एवं त्रुटिपूर्ण आख्या लगाए जाने को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को दो अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस प्रकरणों का वास्तविक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शासन की मंशा के अनुरूप आख्या दर्ज करना अनिवार्य है। इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही अथवा त्रुटिपूर्ण निस्तारण के कारण जनपद की रैंकिंग प्रभावित होती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित अधिकारी की होगी। जिला प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आईजीआरएस फीडबैक एवं आख्या की समीक्षा में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.वी. यादव तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गौरीबाजार का निस्तारण संतोषजनक न पाए जाने पर उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

राशन कार्डों का होगा सत्यापन, अपात्रों पर होगी कार्रवाई: डीएम

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए राशन कार्ड धारकों का व्यापक सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन के दौरान अपात्र पाए जाने वाले व्यक्तियों के राशन कार्ड निरस्त किए जाएंगे, जबकि पात्र लाभार्थियों को ही योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। यह निर्देश जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक में दिए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित सभी राशन कार्डों का नियमित सत्यापन कराया जाए तथा शेष बचे राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से लाभार्थियों को जागरूक कर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरतने और शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने अधिकारियों को गोदामों से समय पर राशन उठान सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक माह निर्धारित तिथियों के भीतर सभी पात्र लाभार्थियों तक खाद्यान्न पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा का सीधा संबंध लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से है। इसलिए योजनाबद्ध तरीके से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाए और मिलावट करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा संबंधी नियमों और प्रावधानों की जानकारी देने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, जिला पूर्ति अधिकारी अभय प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, शुचिता से परीक्षा संपन्न कराने के दिए निर्देश

- द्वितीय दिवस की दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को पूरी शुचिता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने मंगलवार को जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का गहन निरीक्षण किया। परीक्षा के दूसरे दिन दोनों पालियों की परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने एकेके इंटर कॉलेज, भगवत सरन इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, आई.एम. इंटर कॉलेज, जे.एस.एच. इंटर कॉलेज, जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा के ब्लॉक-ए एवं ब्लॉक-बी तथा सिख इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वारों पर अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, कंट्रोल रूम से निगरानी व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा परीक्षा कक्षों की निगरानी का निरीक्षण किया। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून-व्यवस्था की स्थिति का भी आकलन किया गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, नकल अथवा व्यवधान उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री प्रवेश न करने पाए और संदिग्ध व्यक्तियों की विशेष निगरानी एवं जांच सुनिश्चित की जाए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बनाए रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखा जाए। अभ्यर्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं कक्ष निरीक्षक भी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के पालन को लेकर बिजनौर प्रशासन सख्त

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकायों और संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों, प्रतिष्ठानों और अन्य इकाइयों को चिन्हित कर उनका निर्धारित पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाए। ऐसे संस्थानों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में शामिल कर नियमों के अनुरूप अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। उन्होंने सभी निकायों को अपने क्षेत्र के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। कार्ययोजना में कूड़ा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण, परिवहन, निस्तारण, जनजागरूकता अभियान और बल्क वेस्ट जनरेटरों के पंजीकरण सहित सभी आवश्यक बिंदुओं को शामिल करने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण करने तथा खुले में कूड़ा फेंकने और अवैध डंपिंग करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में उन्होंने घरों, संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले, सूखे, सैनिटरी एवं विशेष श्रेणी के कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

अब अफसरों के फोन का बिल नहीं भरेगी सरकार

राजस्थान में निजी फोन का बिल सरकार के नाम पर फाड़ने वाले सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों पर सरकार ने सख्ती की है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गाइडलाइन जारी कर निजी फोन के बिलों के भुगतान पर रोक लगा दी है। अब बिना अनुमति बिल का भुगतान किया तो कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, राज्य में सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ऑफिशियली फोन (लैंडलाइन और मोबाइल) के अलावा निजी फोन (घर पर लगे लैंडलाइन और प्राइवेट मोबाइल नंबर) का बिल भी सरकार के नाम पर फाड़ रहे हैं। इसको लेकर विभाग ने दिशा निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने वित्तीय अनियमितताओं पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठाया है। विभाग ने साफ किया है कि जिस पद और स्थान के लिए टेलीफोन स्वीकृत हुआ है, उसका उपयोग केवल वही अधिकारी करेगा जो उस पद पर कार्यरत है। ट्रांसफर, पदोन्नति या सेवानिवृत्ति की स्थिति में टेलीफोन को विभागीय नियंत्रण में वापस लेना होगा।

अलवर में रेत का बवंडर, अंधड़ से एक मौत

राजस्थान के अलवर में मंगलवार शाम मौसम बदल गया। रेत के बवंडर से अंधेरा छा गया। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने 7 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना जताई है। वहीं, अलवर में सोमवार शाम भी तूफानी बारिश के कारण एक मकान की दीवार ढह गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। 11 जून से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। इसके असर से राज्य में आंधी-बारिश का दौर फिर से शुरू होने की संभावना है। इससे पहले सोमवार को गर्मी, उमस तेज रही। प्री-मानसून के बीच भी पारा लगातार बढ़ रहा है। श्रीगंगानगर 45.6 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा।

गणेश मंदिर से चुराया था आधा किलो चांदी का मुकुट

जोधपुर की बोरानाडा थाना पुलिस ने आरती नगर स्थित गणेश मंदिर से हुई चोरी के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी भगवान गणेश की प्रतिमा पर लगा करीब आधा किलो वजनी चांदी का मुकुट चोरी कर ले गए थे। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। गिरफ्तार आरोपियों में दो आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मामले में ताराराम पुत्र बगताराम भील (24) निवासी भील बस्ती, बोरानाडा, मादाराम पुत्र प्रेमाराम भील (32) निवासी कालीजाल, लूणी और अर्जुन पुत्र मोतीराम भील (24) निवासी भील बस्ती, बोरानाडा को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुट गई है। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड पुलिस के अनुसार गिरफ्तार, आरोपी मादाराम के खिलाफ बोरानाडा और लूणी थानों में कुल पांच मामले दर्ज है। वहीं आरोपी अर्जुन के खिलाफ बोरानाडा थाने में चोरी के दो मामले दर्ज है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर अन्य वारदातों में उनकी पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। ये है मामला जोधपुर में गणेश मंदिर में चोरों ने 28 मई को दोपहर 1:54 बजे चांदी का मुकुट चोरी कर लिया था। चोर ने मंदिर से भगवान गणेश की प्रतिमा पर लगा करीब आधा किलो वजनी चांदी का मुकुट चोरी चुरा लिया था। इसको लेकर रविवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई है।

जोधपुर के युवक की शादीशुदा महिला से करवाई शादी

जोधपुर में एक युवक की झूठी शादी करवाकर 2.70 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। शादी के बाद महिला अपने घर चली गई। फिर वापस नहीं लौटी। पति ने फेसबुक अकाउंट खंगाला तो एक युवक के साथ फोटो मिली, जिसमें महिला की मांग पहले भी भरी हुई थी। सोमवार को पुलिस ने लुटेरी दुल्हन कविता (30), उसकी बुआ रेखा (40) समेत दो दलाल नरपत सिंह और बाबूलाल को गिरफ्तार किया। मामला जोधपुर शहर के देवनगर थाने का है। देवनगर थानाधिकारी सोमकरण ने बताया- चारों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। यहां इन चारों को दो दिन की पुलिस कस्टडी में सौंप दिया गया है। आरोप है कि दलाल नरपत सिंह, बाबूलाल और रेखा ने शादीशुदा कविता से पीड़ित की शादी करवा दी। इसके बाद वे लगातार रुपए की डिमांड करने लगे थे। जनवरी में हुई थी शादी, 2 लाख 70 हजार में मांगे थे पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया- उसके साले की शादी के लिए पड़ोसी बाबूलाल से बात की थी। बाबूलाल ने बताया था कि नरपत सिंह नाम का व्यक्ति बाहर से लड़कियां लाकर शादी करवाता है। इस पर परिवार ने नरपत सिंह से बात की तो उसने बताया कि कविता नाम की लड़की गंगानगर की रहने वाली है।

धान की जगह दूसरी फसल पर 15,000 प्रति एकड़ मिलेंगे :छत्तीसगढ़ बिजली कंपनी का आएगा IPO

● शेयर खरीद सकेंगे लोग; CM हेल्पलाइन 1076 की शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। अब छत्तीसगढ़ की बिजली कंपनी में आम लोग भी पैसे लगा सकेंगे। उन्हें शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। किसान को धान की जगह दूसरी फसल लगाने पर 15 हजार रुपए प्रति एकड़ मिलेंगे। रायपुर समेत 4 शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को मंजूरी दी गई है। योग अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिन होगा। इसके अलावा आज मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की शुरूआत की गई है। इसके जरिए प्रदेश के लोग फोन, वेबसाइट, मोबाइल ऐप या लिखित आवेदन देकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। सरकार का दावा है कि सीएम हेल्पलाइन के जरिए लोगों को शिकायतों के समाधान के लिए बेहतर, पारदर्शी और तुरंत सेवाएं मिल सकेगी। पावर ट्रांसमिशन कंपनी का आएगा IPO कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को IPO के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड करने की सैद्धांतिक सहमति दी है। इससे आम लोग और निवेशक कंपनी के शेयर खरीद सकेंगे। साथ ही कंपनी की वित्तीय क्षमता और पारदर्शिता को मजबूती मिलेगी। किसानों को मिलेगी 15 हजार प्रति एकड़ सहायता खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप को मंजूरी दी गई है। धान की जगह दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलें लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। योजना का लाभ एकीकृत किसान पोर्टल, एग्रीस्टेक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर मिलेगा। पीडीएस में चना वितरण जारी रहेगा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के पात्र हितग्राहियों को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 में भी चना उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को ठीटछई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से चना खरीदी की अनुमति दी गई है। अप्रैल से जून 2026 तक की वर्तमान व्यवस्था को भी 3 महीने तक आगे बढ़ाया गया है योग अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन कैबिनेट ने योग विषय को समाज कल्याण विभाग से हटाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन करने का फैसला लिया है। सरकार का मानना है कि योग आयुष प्रणाली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए इससे प्रशिक्षण, शिक्षा और रिसर्च का बेहतर संचालन हो सकेगा। रायपुर समेत 4 शहरों में चलेंगी 240 ई-बसें प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म (PSM) में डायरेक्ट डेबिट मैंडेट (DDM) की सहमति केंद्र सरकार को भेजने की अनुमति दी गई है। इससे रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो सकेगा। नवा रायपुर में स्टाम्प ड्यूटी छूट बढ़ी नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को आपसी सहमति से भूमि खरीद पर दी जा रही स्टाम्प ड्यूटी छूट का समय 31 मार्च 2028 तक बढ़ा दिया गया है। सरकार का कहना है कि इससे भूमि अधिग्रहण और विकास कार्यों में तेज आएगी।

शिक्षा मंत्री बोले–किरोड़ी बेईमान हैं, तो मैं भी ईमानदार नहीं :विपक्ष अपने गिरेबान में झांके

प्रात : किरण संवाददाता

कृषि विभाग में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की हालिया कार्रवाई को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा पर आरोप लगाए। अब उनका बचाव करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- अगर किरोड़ीलाल मीणा बेईमान हैं, तो फिर मदन दिलावर कभी ईमानदार हो ही नहीं सकता है। उन्होंने कहा- मैं किरोड़ीलाल मीणा को विद्यार्थी जीवन से जानता हूं। उनकी छवि हमेशा साफ-सुथरी और निष्पक्ष रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को दूसरों पर अंगुली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। दिलावर ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि खखट घोटाले में अशोक गहलोत को कितने रुपए मिले थे। उन्होंने यह भी कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा भी महेश जोशी की तरह जेल जाएंगे। जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही सरकार कृषि विभाग में ACB की कार्रवाई पर शिक्षा मंत्री ने कहा- किसी भी विभाग में कोई भी व्यक्ति भ्रष्ट हो सकता है। लेकिन उसके खिलाफ कार्रवाई होना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा- किसी व्यक्ति का किसी मंत्री या अधिकारी से मिलना-जुलना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि वह भ्रष्टाचार में भी शामिल है। बीजेपी सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांत पर काम कर रही है। भ्रष्टाचार के मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गहलोत को घोटाले के कितने रुपए पहुंचाए गए थे? मदन दिलावर ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत से सवाल पूछते हुए कहा कि जल जीवन मिशन से जुड़े घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी ने उन्हें कितनी राशि पहुंचाई थी, इसका जवाब जनता को मिलना चाहिए। पूर्व आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल से जुड़े मामलों पर भी गहलोत को स्पष्टीकरण देना चाहिए। जोशी के बाद डोटासरा को भी जाना पड़ेगा जेल शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- डोटासरा के खिलाफ फिलहाल स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) में जांच जारी है। उन्होंने दावा किया कि जांच पूरी होने के बाद डोटासरा को भी महेश जोशी की तरह कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा और वह भी जेल जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को बीजेपी सरकार पर सवाल उठाने के बजाय पहले अपने कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। सचिन पायलट से जुड़े सवाल पर दिलावर ने कांग्रेस के अंदरूनी विवादों पर भी टिप्पणी की।

जयपुर में एक धार्मिक स्थल की दीवार और चबूतरा हटाया

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र स्थित नंदपुरी में जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) की अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। यह कार्रवाई नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी सड़क की चौड़ाई 80 फीट करने के लिए की जा रही है। इस दौरान इलाके में धारा 163 लागू रखी गई। मंगलवार सुबह JDA की प्रवर्तन शाखा, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की गई। आज कुल 12 निर्माण हटाए गए। टीम ने सबसे पहले सड़क सीमा में आ रहे अवैध निमार्णों को चिन्हित कर उन्हें हटाने का काम किया। इस दौरान सड़क क्षेत्र में बने एक धार्मिक स्थल की दीवार और चबूतरे को हटाया गया। अन्य स्थानों पर पूर्व में हटाए गए निमार्णों और धार्मिक स्थलों के मलबे को भी साफ कराया गया। इससे पहले सोमवार को 5 धार्मिक स्थल समेत 125 से ज्यादा अवैध निर्माण हटाए गए थे। सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम कार्रवाई को देखते हुए प्रशासन ने पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, स्पेशल टास्क फोर्स (STF) के जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए कार्रवाई क्षेत्र में आम लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई और किसी को भी कार्रवाई स्थल के आसपास रुकने की अनुमति नहीं दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार मौके की निगरानी करते हुए कार्रवाई को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा कराया। सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के चलते पूरे अभियान के दौरान स्थिति नियंत्रण में रही और कहीं से किसी विरोध या तनाव की सूचना नहीं मिली। मास्टर प्लान के तहत हुई कार्रवाई दरअसल, नंदपुरी क्षेत्र में कई निर्माण सड़क सीमा और नियोजित विकास क्षेत्र में आ रहे थे, जिससे यातायात और भविष्य की विकास योजनाओं पर असर पड़ रहा था। इसी के चलते JDA ने पहले नोटिस जारी कर संबंधित पक्षों को सूचना दी थी। निर्धारित समयावधि पूरी होने के बाद अब प्राधिकरण द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। कोर्ट स्टे वाली निर्माण को नहीं हटाया गया जेडीए अधिकारियों ने बताया- सड़क सीमा में आने वाले अवैध निमार्णों को हटाकर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और मास्टर प्लान के अनुरूप विकास कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

नारायणपुर में धर्मांतरण पर बवाल, मारपीट

● प्रेस लिखी गाड़ी से गांव पहुंचे पास्टर, ग्रामीणों के विरोध के बाद विवाद, 2-3 घायल

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सोमवार रात को धर्मांतरण के आरोपों को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रेस लिखी गाड़ी में पहुंचे कुछ लोग आदिवासी समुदाय के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने की बात कह रहे थे। इस बात को लेकर विरोध शुरू हुआ और दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में कुछ ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया था। फिलहाल, पुलिस मामले पर नजर बनाए हुए है। घटना भरंडा थाना क्षेत्र की है। जानिए क्या है पूरा मामला ? बताया जा रहा है कि सोमवार शाम प्रेस लिखी एक गाड़ी में सवार पास्टर समेत 2-3 लोग भरंडा गांव पहुंचे। आरोप है कि गांव के एक घर में धार्मिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। मामले की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और विरोध करने लगे। इस दौरान धर्मांतरित समुदाय के कुछ लोगों और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते कहासुनी से बढ़कर मारपीट में बदल गया। इस घटना में महिला सहित 2-3 लोग घायल हो गए। वहीं, बवाल की सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंची। किसी तरह स्थिति पर काबू पाया गया और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने की कड़ी कार्रवाई की मांग ग्रामीणों का कहना था कि पास्टर और कुछ लोग प्रेस लिखी गाड़ी से पहुंचे थे। जिससे पत्रकारिता की छवि भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने पास्टर समेत बाकी लोगों को थाने ले जाने के दौरान विरोध जताया और इन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। गांव में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत बनाए रखने का प्रयास कर रही है। जांच के बाद ही स्थिति होगी स्पष्ट फिलहाल धर्मांतरण से जुड़े आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्रांडेड बोतलों में चायपत्ती-स्प्रिट भरकर बेची नकली शराब:डुप्लीकेट लेबल-होलोग्राम मिला

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सोमवार देर रात बड़ी मात्रा में नकली शराब पकड़ी गई है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जो कोरोना काल से अपने भाई और सहयोगी के साथ नकली शराब बनाकर बेच रहा था। मामला कोतरारोड थाना क्षेत्र का है। जांच में सामने आया कि आरोपी छत्तीसगढ़, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश से शराब खरीदते थे। इसके बाद उसमें स्प्रिट और केमिकल के साथ रेड लेबल चायपत्ती का इस्तेमाल कर शराब की मात्रा बढ़ाई जाती थी। इसके लिए पुरानी बोतलों को साफ कर दोबारा इस्तेमाल किया जाता था। नकली लेबल और होलोग्राम लगाकर पैकिंग की जाती थी। तैयार नकली शराब को फिर कोचियों के माध्यम से बाजार में बिक्री के लिए खपाया जाता था। हालांकि, इस मामले में आरोपी का भाई और सहयोगी फरार है। पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जानिए क्या है पूरा मामला ? दरअसल, सोमवार रात पुलिस को धनागार गांव में नकली शराब तैयार कर बेचने की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने अपने मुखबिर को शराब खरीदने भेजा। मुखबिर शराब खरीदकर लौटा तो बोतलों की जांच के दौरान शराब और होलोग्राम के नकली होने का संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने आबकारी टीम ने घर में दबिश दी, तभी सुभाष पटेल मौके से फरार हो गया, जबकि दुष्यंत पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया और घर की तलाशी ली गई। गाय रखने वाले कोठे से भारी मात्रा में नकली शराब का जखीरा बरामद हुआ, जिसमें कई ब्रांडों की पैकिंग का इस्तेमाल किया गया था। बरामद शराब में रॉयल स्टैग, आईबी, रिजर्व क्वार्टर, गोवा, ब्लैक डॉग, गोल्डन गोवा और किंगफिशर बियर जैसे ब्रांड शामिल थे। पूछताछ में आरोपी दुष्यंत ने बताया कि पूरी शराब नकली और मिलावटी है, जिसे अवैध तरीके से तैयार कर बाजार में बेचा जा रहा था। अरुणाचल प्रदेश और झारखंड से कनेक्शन आरोपी ने बताया कि वह अपने भाई सुभाष पटेल और सहयोगी विनय सिंह के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ से शराब खरीदते थे। इसके बाद उसमें स्प्रिट और अन्य रसायन के साथ रेड लेबल चायपत्ती का इस्तेमाल कर शराब की मात्रा बढ़ाई जाती थी।

जयपुर में कार ड्राइवर के किडनैप की कोशिश

● पीछे से बाइक की टक्कर के बाद बढ़ा था विवाद, गाड़ी की मरम्मत कराने के बहाने ले गए गेराज पर

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर के त्रिपोलिया गेट क्षेत्र में सड़क हादसे के बाद कार ड्राइवर के साथ मारपीट और अपहरण के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बाइक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त होने पर उसे मरम्मत कराने के बहाने एक गेराज ले जाया गया, जहां पहले से बुलाए गए युवकों ने ड्राइवर के साथ मारपीट की और जबरन कार में डालकर ले जाने की कोशिश की। पीड़ित किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बच निकला और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर रहे हेड कॉन्स्टेबल कुलदीप के अनुसार सतीश सामरिया ने अशोक नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि सोमवार सुबह करीब 11 बजे त्रिपोलिया गेट के पास उनकी कार को एक बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। आरोप है कि हादसे के बाद बाइक सवारों ने नुकसान की भरपाई और कार की मरम्मत कराने का भरोसा दिलाते हुए उन्हें 22 गोदाम क्षेत्र स्थित एक गेराज पर ले गए। वहां पहुंचने के बाद बाइक सवार ने मरम्मत के लिए रुपए मंगवाने की बात कही और इसी दौरान अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ देर बाद वहां मौजूद लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसे जबरन अपनी कार में डालकर ले जाने का प्रयास भी किया। शोर-शराबा होने और आसपास लोगों की आवाजाही के बीच सतीश किसी तरह आरोपियों के कब्जे से निकलकर भागने में सफल रहा। घटना के बाद पीड़ित सीधे अशोक नगर थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क हादसे से शुरू हुआ विवाद प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मामूली सड़क दुर्घटना के बाद शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक रूप ले बैठा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों का उद्देश्य केवल मारपीट था या फिर वे ड्राइवर को जबरन कहीं ले जाने की साजिश के तहत उसे कार में डालने का प्रयास कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 24 लाख ऐंठे:कजाकिस्तान से MBBS कर लौटने पर बनाई गैंग

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर पुलिस ने महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 24 लाख रुपए ऐंठने वाली गिरोह का मंगलवार शाम खुलासा किया है। श्याम नगर थाना पुलिस ने गिरोह के दो बदमाशों को अरेस्ट किया है। कजाकिस्तान से MBBS करके इंडिया लौटकर आए गिरोह का मेन मेंबर ने अपने दोस्त के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड गैंग बनाई। साइबर फ्रॉड से आई मोटी रकम से विदेश में रहने वाले MBBS कर रहे स्टूडेंट के बैंक अकाउंट से USDT खरीदते थे। साइबर फ्रॉड गैंग के खिलाफ साइबर पोर्टल पर विभिन्न राज्यों में 100 से अधिक शिकायतें दर्ज है। पुलिस पूछताछ के साथ गिरोह के फरार मास्टर माइंड सहित अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है। DCP (साउथ) राजर्षि राज ने बताया- साइबर फ्रॉड में आरोपी गणेश चौधरी (29) निवासी कोतवाली बाड़मेर हाल वैशाली उत्सव अपार्टमेंट करणी विहार और दुष्यंत जांगिड़ (32) निवासी हसनपुरा सदर को अरेस्ट किया है। डिजिटल अरेस्ट करके साइबर फ्रॉड का गैंग का मेन मेंबर गणेश चौधरी है। साइबर क्रिमिनर्ल्स को बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाने का काम आरोपी दुष्यंत जांगिड़ करता है। गणेश चौधरी कजाकिस्तान से MBBS करके साल-2021 में वापस जयपुर आया। सिरोही के राजकीय हॉस्पिटल से आरोपी गणेश ने इंटरशिप की है। वह अपने साथी डॉ. सुनील विश्नोई उर्फ कार्तिक के साथ मिलकर विदेश से MBBS करने वाले स्टूडेंट के बैंक अकाउंट में कैश रुपए जमा करवाकर USDT खरीदता है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 डेबिट कार्ड, 12 चैकबुक, 9 पासबुक, 8 सिमकार्ड, 2 रबर स्टाम्प, 5 मोबाइल और 1.27 रुपए कैश बरामद किया है। फरार मास्टर माइंड की तलाश पुलिस जांच में सामने आया है कि फरार आरोपी सुनील विश्नोई उर्फ कार्तिक भी कजाकिस्तान से टइइर किया हुआ है। मास्टर माइंड सुनील ही फेक नाम-पत्ते से फेक आधार कार्ड बनाकर बैंक अकाउंट खुलवाता है। वह जयपुर में विभिन्न जगहों पर फेक आधार कार्ड बनाकर किराए से रहा है। किराएनामे के आधार पर फेक आधार कार्ड में पते बदलकर विभिन्न बैंकों में अकाउंट खुलवाकर साइबर फ्रॉड में यूज करता। मास्टर माइंड सुनील विश्नोई अपनी गैंग के जरिए विभिन्न राज्यों में बैंक अकाउंट किराए पर लेकर उसमें फ्रॉड की रकम ट्रांसफर कर देता है। गैंग मेंबर बैंक या एटीएम पर अकाउंट होल्डर को ले जाकर कैश रुपए निकलवा लेते है। विदेश में MBBS करने वाले स्टूडेंट्स के बैंक अकाउंट विदेश में एक्टीव होने का फायदा उठाते। उनके बैंक अकाउंट्स में सीडीएमए मशीन से कैश जमा करवाकर यूएसडीटी खरीदते है।

जयपुर नगर निगम ने तीन मंजिला बिल्डिंग सीज की:नोटिस के बाद भी जारी रखा अवैध निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी में अवैध निर्माणों के खिलाफ जयपुर नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में नगर निगम के सिविल लाइंस जोन की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। निगम टीम ने विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास एक अवैध निर्माण को सीज कर दिया। निगम अधिकारियों ने बताया कि भूखंड पर नियमों के विपरीत बेसमेंट सहित तीन मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था। सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा ने बताया कि विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर-87 के सामने स्थित गोवर्धन कॉलोनी के भूखंड संख्या F-6 निर्माण निर्धारित नियमों और स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था। नोटिस के बाद भी जारी रखा निर्माण नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूखंड मालिक को पहले भी नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रखा गया। बार-बार चेतावनी और नोटिस की अवहेलना किए जाने के बाद निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए भवन को सीज करने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान निगम टीम ने भवन के प्रवेश मार्ग को सील कर दिया और निर्माण स्थल पर सीजिंग नोटिस चस्पा कर दिया। साथ ही मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया। अवैध निमार्णों पर निगम सख्त नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर में बिना स्वीकृति या नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में पहले संबंधित पक्षों को नोटिस देकर निर्माण कार्य रोकने का अवसर दिया जाता है, लेकिन आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सीजिंग और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाती है।

CAF कैंप में जवान ने खुद को गोली मारी

● सर्विस राइफल से कनपटी पर फायरिंग की; कोंडागांव में 3 महीने पहले हुई थी पोस्टिंग

प्रात : किरण संवाददाता

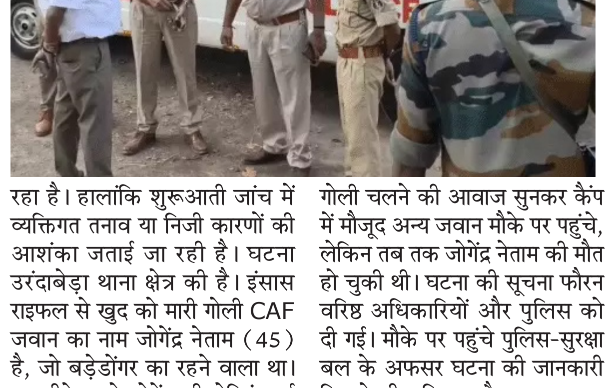

कोंडागांव जिले में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (CAF) कैंप में सोमवार देर रात एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि अभी तक सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है और न ही मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरूआती जानकारी के अनुसार ड्यूटी के दौरान जवान ने अपनी सर्विस राइफल से कनपटी पर गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस और विभागीय अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि शुरूआती जांच में व्यक्तिगत तनाव या निजी कारणों की आशंका जताई जा रही है। घटना उरंदाबेड़ा थाना क्षेत्र की है। इंसास राइफल से खुद को मारी गोली CAF जवान का नाम जोगेंद्र नेताम (45) है, जो बड़ेडोंगर का रहने वाला था। 3 महीने पहले जोगेंद्र की पोस्टिंग हुई थी। वह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 5वीं बटालियन में पदस्थ था और कैंप में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान उसने अपनी INSAS सर्विस राइफल से कनपटी पर गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर कैंप में मौजूद अन्य जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जोगेंद्र नेताम की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना फौरन वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिस-सुरक्षा बल के अफसर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है।

2-3 दिनों में छत्तीसगढ़ में होगी मानसून की एंट्री

● 5 दिन गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट, रायपुर-दुर्ग में बरसे बादल

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, जिसे लेकर मौसम विभाग का कहना है कि 11 जून से आंधी-बारिश की गतिविधियों में और तेजी आएगी। इसी के साथ अगले 2 से 3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन सोमवार शाम रायपुर और दुर्ग जिले के कई इलाकों में जमकर बादल बरसे। वहीं इस दौरान प्रदेश में सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 43.5 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 40-50 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं मौसम विभाग ने आज (बुधवार) के लिए प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ते हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसके अलावा हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है। अगले दो दिनों तक भी इसी तरह का मौसम बने रहने का अनुमान है।

DND-यमुना लिंक रोड प्रोजेक्ट

NHAI ने मांगी एलाइनमेंट के आस-पास के प्रोजेक्ट की डिटेल

प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली और यमुना एक्सप्रेसवे के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली डीएनडी-यमुना एक्सप्रेसवे लिंक रोड परियोजना को अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) विकसित करेगा। करीब 31.437 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के लिए संशोधित डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नोएडा प्राधिकरण के जीएम एके अरोड़ा ने बताया कि NHAI ने प्रस्तावित एलाइनमेंट के आसपास मौजूद सभी लिंक रोड, एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित चिल्ला एलिवेटेड रोड तथा अन्य विकासाधीन परियोजनाओं का विस्तृत विवरण मांगा है। इसमें संबंधित मार्गों के एलाइनमेंट और डिजाइन से जुड़ी जानकारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि नियुक्त सलाहकार कंपनी पूरे प्रस्तावित मार्ग का दोबारा सर्वेक्षण करेगी। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर अंतिम DPR तैयार की जाएगी। प्रारंभिक DPR अगले दो महीनों में मिलने की संभावना है। इसके बाद परियोजना की वास्तविक लागत, एलाइनमेंट और निर्माण मॉडल को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल परियोजना की अनुमानित लागत करीब 4,300 करोड़ रुपये आंकी गई है। ओखला बर्ड सेंचुरी क्षेत्र में दोबारा होगी व्यवहार्यता जांच यह लिंक रोड DND से घरबरा तक विकसित की जानी है। प्रस्तावित मार्ग का एक हिस्सा ओखला बर्ड सेंचुरी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिसके चलते वहां दोबारा फिजिबिलिटी स्टडी कराई जा रही है। अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरणीय स्वीकृतियां हासिल करना है। यदि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) या वन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) नहीं मिलता है, तो वैकल्पिक एलाइनमेंट पर भी विचार किया जाएगा। नोएडा एक्सप्रेसवे पर कम होगा यातायात दबाव योजना के अनुसार यह कॉरिडोर सेक्टर-94 पुश्ता से होकर सेक्टर-151 के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इसके निर्माण के बाद दिल्ली से आगरा, मथुरा और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहनों को नोएडा शहर के भीतर प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे नोएडा के प्रमुख मार्गों और एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है तथा यात्रियों को तेज और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निर्माण की प्रक्रिया बढ़ी

प्रात : किरण संवाददाता

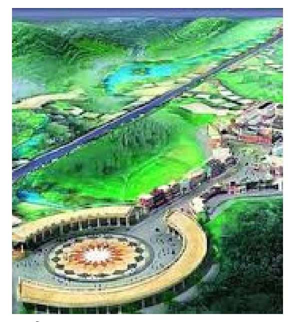

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-21 में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी को धरातल पर उतारने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए तीन विशेष औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। इन्हें जल्द ही पूरा करने का दावा है। सोमवार को बोर्ड बैठक में फिल्म सिटी की प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराने के बाद मंगलवार को आशीष भूटानी ने यीडा पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें तय किया गया कि फिल्म सिटी के निर्माण से पहले कुछ जरूरी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसके लिए कंपनी को फाइनेंशियल क्लोजर, स्टेक होल्डर और एक्रो एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके लिए समय सीमा तय कर ली गई है। सीईओ आरके सिंह ने बताया कि जल्द ही फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू होगा। जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद इसे धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।उल्लेखनीय है कि यमुना सिटी के सेक्टर-21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी का पहला चरण 230 एकड़ में विकसित होगा। इनमें 75 एकड़ भूमि पर औद्योगिक और 155 में स्टूडियो, फिल्म विश्वविद्यालय तथा अन्य गतिविधियां रहेंगी। बेव्यू फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी इसे विकसित करेगी। यह कंपनी मशहूर फिल्म मेकर बोनी कूपर और भूटानी ग्रुप की है। पहले चरण में 1,510 करोड़ खर्च होंगे। पहले साल 50 करोड़ और दूसरे साल 55 करोड़ रुपये खर्च करना जरूरी होगा। फिल्म सिटी में सात जोन बनाए जाएंगे। इसमें अत्याधुनिक स्टूडियो, फिल्म विश्वविद्यालय, मनोरंजन जोन और एक सिग्नेचर टॉवर शामिल है। इसमें एम्फीथिएटर और फिल्म म्यूजियम होगा। इसके लेआउट और मास्टर प्लान दोनों को मंजूरी मिल चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

जिम में कहासुनी के बाद दो दोस्तों को पीटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के एक जिम में दो दोस्तों के साथ मारपीट का मामला सामने आया। जिम में व्यायाम करते समय कहासुनी होने पर विवाद हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक गढ़ी चौखंडी गांव के रहने वाले अनुज यादव ने बताया कि ग्रेनो वेस्ट स्थित एक जिम में अपने दोस्त विशाल के साथ व्यायाम कर रहा था। इस बीच जिम में मौजूद अर्जुन यादव से उसकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोपी ने अपने साथियों को बुलाकर पीड़ित और उसके दोस्त विशाल के साथ मारपीट की। मारपीट में अनुज को काफी चोट आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अर्जुन, यश, शिवम समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के लिए नामांकन शुरू

नोएडा। शिव नाडर फाउंडेशन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल के इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के पहले संस्करण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके जरिए 9वीं से 12वीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्य और स्कूल प्रमुख 31 जुलाई तक अपने विद्यालय के योग्य शिक्षकों के नाम भेज सकते हैं। चुने गए शिक्षकों को सईद बिजनेस स्कूल में एक सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने का भी मौका मिलेगा।

मेट्रो स्टेशन से मोबाइल चोरी

नोएडा। बोटेनिकल गॉर्डन मेट्रो स्टेशन के अंदर से चोर एक व्यक्ति का मोबाइल चोरी कर फरार हो गए। हमीरपुर निवासी रिषभ गुप्ता ने बताया कि वह बीते माह 14 मई को शाम सवा छह बजे बोटेनिकल मेट्रो स्टेशन के अंदर गए। स्वचालित सीढ़ी से ऊपर जाने के दौरान किसी ने जेब से मोबाइल निकाल ली। जब तक उन्हें घटना की जानकारी होती चोर वहां से निकल चुका था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि मोबाइल में उसकी कई निजी तस्वीरें और दस्तावेज हैं।

स्कूल के लिए निकली छात्रा लापता

नोएडा। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में रहने वाली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। वाजिदपुर गांव निवासी विनोद कुमार ने बताया कि बीते पांच जून को उनकी 17 वर्षीय बेटी स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली। शाम तक वापस नहीं आई। स्कूल के प्रधानाचार्य से बात करने पर उन्होंने बताया कि किशोरी उस दिन स्कूल गई ही नहीं थी। पुलिस किशोरी के घर और स्कूल के बीच लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

फायरिंग के आरोपी को मिली जमानत

ग्रेटर नोएडा। कासना कोतवाली क्षेत्र में एक परिवार पर जानलेवा फायरिंग के मामले में आरोपी निवेश उर्फ नेनू को सत्र न्यायालय से राहत मिल गई। अदालत ने आरोपी पर कई शर्तों के साथ जमानत दी है। अभियोजन के अनुसार 28 फरवरी की दोपहर बाबूराम अपने घर के बाहर घरेलू कार्य करा रहे थे। उसी दौरान एक स्कूटी और एक बाइक पर सवार चार युवक उनके घर के सामने पहुंचे और उनके परिवार पर कई राउंड फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से परिवार के सदस्य घबरा गए और घर के अंदर भागकर अपनी जान बचाई। आरोपियों की पहचान गांव के परिचित लोगों और उनके रिश्तेदारों के रूप में बताते हुए कई नामों का उल्लेख किया था। शिकायतकर्ता ने पुराने विवाद को भी घटना की वजह बताया था।

परीक्षा देने पहुंचे छात्र का बैग हुआ गायब, फोन चोरी

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित केसीसी कॉलेज में परीक्षा देने पहुंचे एक छात्र का बैग चोरी हो गया। पीड़ित की शिकायत पर नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दिल्ली निवासी आशीष चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 1 जून को परीक्षा देने के लिए केसीसी कॉलेज ग्रेटर नोएडा पहुंचे थे। कॉलेज परिसर में बैग रखने की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्रों को परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले अपने बैग बाहर रखने के निर्देश दिए गए थे। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब वह अपना बैग लेने के लिए वापस पहुंचे तो उनका बैग वहां से गायब था। चोरी हुए बैग में उनका मोबाइल फोन, ईयरबड्स और अन्य निजी सामान रखा हुआ था।

सोसाइटी की 13वीं मंजिल पर लगी आग

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित एक्जॉटिका ड्रीम वैली सोसाइटी में मंगलवार को 13वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। स्थानीय लोगों और सोसाइटी प्रबंधन की सतर्कता के चलते आग पर दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही काबू पा लिया गया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि घटना की सूचना सुबह 11 बजे फायर स्टेशन को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही गौड़ सिटी फायर यूनिट को 11:01 बजे घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दमकल वाहन करीब 11:10 बजे सोसाइटी पहुंचा। इस दौरान फायर स्टेशन ईकोटेक-3 की यूनिट भी सहायता के लिए रवाना हुई थी, लेकिन आग पूरी तरह बुझ जाने की जानकारी मिलने पर उसे रास्ते से ही वापस कर दिया गया। आग 13वीं मंजिल पर लगी थी। प्रारंभिक स्तर पर सोसाइटी के सुरक्षा कर्मियों और निवासियों ने आग बुझाने के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित कर लिया। इसके बाद पहुंची दमकल टीम ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

चोरी के चेक से 4.68 लाख निकालने की कोशिश

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ईटा-1 सेक्टर के रहने वाले 73 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक ने अपने संयुक्त बैंक खाते से चोरी किए गए चेकों का उपयोग कर धोखाधड़ी से धन निकालने के प्रयास की शिकायत पुलिस से की है।

पुलिस ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। अरुण शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका और उनकी पत्नी शबनम शर्मा का एचडीएफसी बैंक की अल्फा कमर्शियल बेल्ट शाखा में संयुक्त बचत खाता है। 11 मई 2026 को एचडीएफसी बैंक की फरीदाबाद शाखा से उन्हें सूचना मिली कि उनके खाते से 4 लाख 68 हजार 600 रुपये निकालने का प्रयास किया गया है।

बैंक अधिकारियों को चेक पर किए गए हस्ताक्षरों पर संदेह हुआ।

जिसके चलते भुगतान रोक दिया गया। सूचना मिलने के बाद जब उन्होंने अपनी चेकबुक की जांच की तो पता चला कि गायब है।

आरोप है कि किसी व्यक्ति ने उनकी पत्नी शबनम शर्मा के जाली हस्ताक्षर कर उक्त चेक के माध्यम से रकम निकालने का प्रयास किया।

बैंक द्वारा भुगतान रोके जाने के कारण धनराशि सुरक्षित बच गई। जांच के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि उनके पूर्व किरायेदार कमलेश गामी का इस मामले में हाथ हो सकता है।

चेक का उपयोग करने वाले व्यक्ति ने तनुज कुमार नाम से एचडीएफसी बैंक की मथुरा शाखा में एक बैंक खाता खुलवा रखा है।

चेकबुक का दोबारा देखने पर पता चला है कि पहले से चार चेक गायब हैं। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

लो हाइट बैरियर लगने से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क-दो स्थित गलगोटिया अंडरपास के बाहर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से लो हाइट बैरियर लगाया गया है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद अब बड़े और भारी वाहन एक्सपो मार्ट गोल चक्कर से सीधे ओमेगा सेक्टर की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहनों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए एक्सप्रेसवे मार्ग का उपयोग करना होगा। अभी अंडरपास की ऊंचाई सीमित होने के बावजूद कई बार भारी वाहन यहां से गुजरने का प्रयास करते थे। इससे पुल और अंडरपास की संरचना को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती थी। कई अवसरों पर ऊंचे वाहनों के टकराने से पुल के विभिन्न हिस्सों को क्षति भी पहुंची थी, जिसके कारण मरम्मत कार्य कराना पड़ा। इसी समस्या को देखते हुए अंडरपास के बाहर लो हाइट बैरियर लगाया गया है। यह बैरियर निर्धारित ऊंचाई से अधिक वाले वाहनों को पहले ही रोक देगा। जिससे वे अंडरपास के भीतर प्रवेश नहीं कर पाएंगे। वहीं बारिश के दौरान भारी वाहनों के कारण अक्सर जाम और दुर्घटना का खतरा बना रहता था। नई व्यवस्था से यातायात संचालन अधिक सुगम होगा और अंडरपास को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा।

बिजली चोरी करने के आरोप में 24 पकड़े

लोनी। लोनी क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत निगम के अधिकारियों ने मंगलवार को दो टीम बनाकर अलग-अलग कॉलोनियों में छापेमारी की। इस दौरान 24 लोगों को कटिया डालकर चोरी करते पकड़ा गया। टीम में उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता और विजिलेंस के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। अधिशासी अभियंता रूप नगर मनोज कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता और विजिलेंस के साथ संयुक्त रूप से दो टीम बनाई गई। एक टीम ने ट्रोनिका सिटी क्षेत्र की पूजा कॉलोनी, खुशहाल पार्क, मिन्नत कॉलोनी और पावी सादकपुर गांव में कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए नौ लोगों को पकड़ा। दूसरी टीम ने बलराम नगर क्षेत्र के कोट कस्बा चौकी क्षेत्र, टोली मोहल्ला, इकराम नगर और अपर कोट में अनधिकृत रूप से बिजली का प्रयोग कर रहे 15 उपभोक्ताओं को पकड़ा। अधिशासी अभियंता ने बताया कि बिजली चोरी करने वाले 24 लोगों के खिलाफ विजिलेंस द्वारा मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही।

पार्किंग विवाद में भिड़े दो पक्ष, बेल्ट से हमला

ट्रांस हिंडन। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में पार्किंग के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई। घटना पांच जून की है, जिसका वीडियो सोमवार शाम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें तीन से चार लोग एक-दूसरे पर बेल्ट से हमला करते दिख रहे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वायरल वीडियो 99 सेकेंड का है, जिसमें तीन से चार लोग मारपीट करते दिख रहे हैं। वहीं, एक महिला भी है। कुछ लोग बीच-बचाव भी कर रहे हैं। दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति बेल्ट से हमला करते दिख रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल सिंह ने बताया कि वीडियो शालीमार गार्डन स्थित एक अपार्टमेंट का है। गोपाल के बेटे शिवम व पड़ोसी हरिओम व राहुल से पार्किंग को लेकर विवाद हो गया था। इसी को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई और किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। दोनों पक्ष पूर्व में ही समझौता कर चुके थे। वायरल वीडियो के आधार पर जांच कर रहे हैं।

प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में तीन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। नोएडा में आयोजित हुई 30वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जिले के तीन खिलाड़ियों ने पदक जीतकर नाम रोशन किया। चार से सात जून तक प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विज्यांश चौधरी, हर्षित कर्दम और रुद्र कर्दम ने स्वर्ण पदक हासिल किया। विज्यांश ने 10 मीटर एयर पिस्टल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 600 में से 571 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया। ये तीनों खिलाड़ी गाजियाबाद शूटिंग क्लब में अभ्यास करते हैं। विज्यांश इससे पहले भी सीबीएसई खेल प्रतियोगिताओं में जिला और राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत और एसजीएफआई में स्वर्ण पदक भी जीता था। इस अवसर पर गाजियाबाद शूटिंग क्लब के चीफ कोच शिवम त्यागी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इसके साथ प्रतियोगिता में जिले से उन्नति सिंह ने दो स्वर्ण पदक हासिल किए। मदन मोहन ने मास्टर वर्ग और हेमलता ने वुमेन वर्ग मे 16वी रैंक हासिल कर स्टेट चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया है। जिले के नौ खिलाड़ियों का स्टेट बॉक्सिंग में चयन जिले के नौ खिलाड़ियों का स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। खिलाड़ियों ने मंडल स्तरीय ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करके प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। चयनित खिलाड़ियों में आठ बालिका और एक बालक शामिल हैं। आठ जून को मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में मंडल स्तरीय सब जूनियर बॉक्सिंग ट्रायल कराए गए। ट्रायल में जिला से 17 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें नौ बालक और आठ बालिकाएं थी। इसमें से सभी बालिकाओं ने मंडल स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया और प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई। वहीं एक बालक भी प्रदेशीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ है। ये सभी बालिकाएं महामाया स्टेडियम में बॉक्सिंग का अभ्यास करती हैं। अरुण ने एशियन कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में दो कांस्य जीते कोच राजन ने बताया कि 10 से 13 जून तक सहारनपुर में बालिकाओं की प्रदेशीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ये सभी बालिकाएं भाग लेंगी। इसमें आराध्या सिंह, आराध्या यादव, सिमरत यादव, सुहानी कुमार, नंदनी चौहान, सांची शर्मा, अन्नया और माही बैसला शामिल हैं।

समीक्षा बैठक के बाद नए सीएमओ ने प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में किए बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

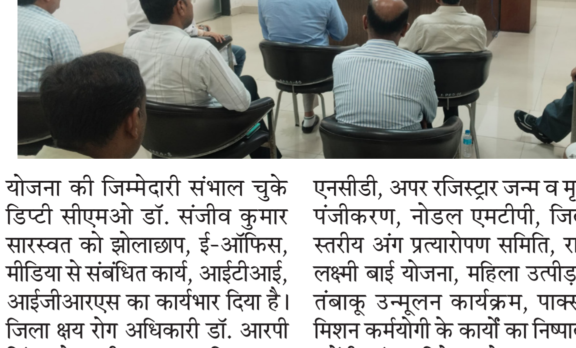

नोएडा। स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं और व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक के बाद नए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने मंगलवार को कई प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए हैं। उन्होंने नियुक्त प्रभारियों को बेपटरी हुई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने बताया कि उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी और परामर्शदाता डॉ. जैशलाल को एनयूएचएम, पोस्टमार्टम, वीआइपी प्रोटोकाल, एंबुलेंस सेवा, वाहन चिकित्सा प्रतिपूर्ति की जिम्मेदारी दी है। डिप्टी सीएमओ डॉ. टीकम सिंह को मेडिकोलीगल, आयु प्रमाण पत्र, कोर्ट केस, दिव्यांग बोर्ड, मानव संपदा पोर्टल की निगरानी, मानवाधिकार आयोग और अन्य आयोग के अलावा न्यायालय से संबंधित कार्यों का दायित्व सौंपा है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान योजना की जिम्मेदारी संभाल चुके डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव कुमार सारस्वत को झोलाछाप, ई-ऑफिस, मीडिया से संबंधित कार्य, आईटीआई, आईजीआरएस का कार्यभार दिया है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आरपी सिंह को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का नोडल, आरसीएच, विधानसभा एवं विधान परिषद से संबंधित समितियों से जुड़े कार्य के साथ-साथ सीएम डैशबोर्ड का कार्य देखेंगे। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभ्र मित्तल को एसीएमओ (प्रशासन), जिला कुष्ठ अधिकारी, नोडल अधिकारी एनसीडी, अपर रजिस्ट्रार जन्म व मृत्यु पंजीकरण, नोडल एमटीपी, जिला स्तरीय अंग प्रत्यारोपण समिति, रानी लक्ष्मी बाई योजना, महिला उत्पीड़न, तंबाकू उन्मूलन कार्यक्रम, पाक्सो, मिशन कर्मयोगी के कार्यों का निष्पादन करेंगी। संयुक्त निदेशक ग्रेड (एल-4) डॉ. आरके सिरोहा को अग्रिम आदेश तक जिला प्रतीरक्षण अधिकारी व भंडार से संबंधित कार्यों का पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी है। डीएमओ श्रुतिकीर्ति वर्मा को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला व अन्य स्वास्थ्य मेले का दायित्व सौंपा है।

कोर्ट परिसर के बाहर मारपीट और रंगदारी मांगने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोर्ट परिसर के बाहर एक कारोबारी पर जानलेवा हमला करने और 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दिल्ली निवासी हरीश कुमार आर्य का आरोप है कि 29 नवंबर 2025 को वह अपने एक चेक बाउंस मामले की पैरवी के सिलसिले में सूरजपुर न्यायालय आए थे। शाम को वह अपने अधिवक्ता से मुलाकात के बाद वह कोर्ट परिसर से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह अपनी गाड़ी के पास पहुंचे, तभी दिल्ली निवासी दीपक गुप्ता अपने दो अज्ञात साथियों के साथ वहां पहले से मौजूद था। आरोप है कि दीपक गुप्ता ने उसे देखते ही जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर दिया। हालांकि वह बाल-बाल बच गया और गोली उसे नहीं लगी। फायरिंग के बाद आरोपियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। घटना के दौरान दीपक गुप्ता ने उसे धमकाते हुए कहा कि वह 10 लाख रुपये उसके कार्यालय जय माता सर्विस स्टेशन बवाना रोड दिल्ली पहुंचा दे। अन्यथा उसे जान से मार दिया जाएगा। वह दीपक गुप्ता को कई वर्षों से जानता है। कारोबार में नुकसान होने के बाद दीपक गुप्ता उससे रंजिश रखने लगा था। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

100 से अधिक विला मालिकों ने प्राधिकरण से की शिकायत

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। गोदरेज गोल्फ लिंक्स क्रेस्ट के 100 से अधिक विला मालिकों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को याचिका देकर गोदरेज क्राउन रेजिडेंस प्रोजेक्ट के निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। निवासियों ने आरोप लगाया है कि फेज चार में बहुमंजिला इमारतों का निर्माण विला मालिकों के विशेष क्षेत्रों एवं लॉन को हटाकर किया गया है और उन्हें धोखाधड़ी करके सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में दशार्या गया है। टाउनशिप के फेज-4 में जिस जमीन पर नए टावर प्रस्तावित हैं, वह मूलरूप से ओपन एरिया, ग्रीन एरिया और निवासियों के विशेष उपयोग के लिए निर्धारित है। उनका कहना है कि विला खरीदते समय उन्हें जो लेआउट और नक्शे दिखाए गए थे, उनमें इन ऊंचे टावरों का कोई जिक्र नहीं था। याचिका में कहा गया है कि खरीदारों ने स्वीकृत लेआउट, प्लॉट साइज, फ्लोर प्लान और कानूनी आश्वासनों पर भरोसा करके निवेश किया था। आरोप है कि कुछ सहमति पत्र आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर लिए गए और प्राधिकरण को गुमराह किया गया। उनका दावा है कि ब्रोशर, रेरा दस्तावेज, अन्य कानूनी रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी और मौजूदा विकास योजना के बीच अंतर है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जिस स्थान पर पहले ग्रैंड एंट्रेस और हाई स्ट्रीट रिटेल प्लाजा प्रस्तावित था, वहां अब 25 मंजिला टावर बनाने की योजना है, जिसके कारण प्राकृतिक रोशनी, खुलापन, ग्रीन एरिया और टाउनशिप का मूल स्वरूप प्रभावित होगा। वहीं याचिका में कहा गया है कि यह विवाद पहले से रेसा और अन्य अपीलीय मंचों पर लंबित है, इसलिए अंतिम निर्णय आने तक निर्माण कार्य, नई मंजूरियों और किसी तीसरे पक्ष को अधिकार दिए जाने पर रोक लगाई जानी चाहिए।

सस्ते कॉपर के लालच में डूबे 25 लाख, शातिर ठग ने कारोबारी को बनाया शिकार

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। 200 टन कॉपर दिलाने का झांसा देकर एक आटो रिपेयर कारोबारी से 25.75 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित ने खुद को कस्टम विभाग का कर्मचारी बताकर भरोसा जीता और सुरक्षा राशि के नाम पर लाखों रुपये ले लिए। बाद में न तो कापर उपलब्ध कराया और न ही पूरी रकम लौटाई। विजयनगर थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। विजयनगर क्षेत्र निवासी मीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अप्रैल 2024 में वह अपने एक परिचित के साथ कालकाजी मंदिर गए थे। वहां उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से कराई गई, जिसने खुद को कस्टम विभाग का कर्मचारी बताया। आरोपित ने दावा किया कि वह 200 टन कॉपर उपलब्ध करा सकता है, लेकिन इसके लिए सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। आरोपित के झांसे में आकर उन्होंने उसके बैंक खाते में 16 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए, जबकि 10.50 लाख रुपये नकद दिए। कुल 26.50 लाख रुपये लेने के बाद आरोपित ने सुरक्षा के नाम पर एक चेक भी दिया। यह वीडियो भी देखें पीड़ित का आरोप है कि रकम लेने के बाद आरोपित लगातार कापर देने की बात टालता रहा। बाद में उसने पेटीएम के माध्यम से तीन किस्तों में कुल 75 हजार रुपये वापस किए, लेकिन शेष रकम नहीं लौटाई। जब उससे रुपए वापस मांगे गए तो उसने हत्या की धमकी दी।

30 जून तक पीएम किसान की ई केवाईसी कराए

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से वार्षिक ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले किसानों को आगामी किस्तों के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। जिला कृषि अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेर्शानुसार योजना के सभी लाभार्थियों के लिए वार्षिक ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी गई है। इसका उद्देश्य योजना को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी बनाना है, ताकि केवल वास्तविक एवं पात्र किसानों को ही योजना का लाभ मिल सके तथा डाटा संबंधी त्रुटियों और दुरुपयोग की संभावनाओं को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सक्रिय लाभार्थियों को 30 जून से पहले अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। समय सीमा के बाद ई-केवाईसी न कराने वाले किसानों अपात्र श्रेणी में आ जाएंगे। किसान बायोमेट्रिक प्रमाण और पीएम किसान मोबाइल ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से अपनी ई केवाईसी करा सकते है।

जर्जर टंकी तोड़ने के लिए अनुभवी एजेंसी नहीं मिल रही

गाजियाबाद। नगर निगम के जलकल विभाग ने एमएमजी अस्पताल परिसर स्थित 50 साल पुरानी पानी की टंकी को तोड़ने के लिए चार बार टेंडर निकला।

पर निगम को अनुभवी एजेंसी नहीं मिल रही है। अब पांचवीं बार टेंडर निकालने की तैयारी है। अस्पताल प्रशासन की तरफ से निगम को पत्र लिखकर पानी की टंकी तोड़ने का अनुरोध एक साल से किया जा रहा है।

निगम टंकी तोड़ने के लिए 22 लाख रुपए खर्च करने को तैयार है। इसके बावजूद अनुभवी ठेकेदार नहीं मिल रहा।जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद का कहना है कि टंकी को गिराने के लिए अनुभवी एजेंसी को ही काम दिया जाएगा। पूर्व में दो लोगों ने टेंडर डाला था लेकिन उनके पास टंकी को सुरक्षित तरीके से तोड़ने का अनुभव नहीं था। इस कारण टेंडर नहीं दिया गया।

फुटबॉल विश्व कप से निकल सकते हैं नए सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर वर्ल्ड कप नए स्टार्स को जन्म देता है। कुछ को लोग जानते हैं, कुछ को नहीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला है, ऐसे में उन 10 खिलाड़ियों पर नजर डालना दिलचस्प होगा जिनके करियर, मार्केट वैल्यू और ग्लोबल पहचान में अगले कुछ महीनों में सबसे ज्यादा बदलाव आ सकता है। लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18)-फुटबॉल के सबसे होनहार टैलेंट्स में से एक। एक शानदार वर्ल्ड कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर' की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है। इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) - ब्राजील का नया वंडरकिड (अद्भुत प्रतिभा वाला युवा)। वर्ल्ड कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है। अर्दा गुलेर (तुर्की, उम्र 21) - तुर्की की क्रिएटिव जान और शायद 2000 के दशक की शुरुआत वाली पीढ़ी के बाद से उनका सबसे बड़ा टैलेंट। केनन यिल्डिज़ (तुर्की, उम्र 21)-यूरोप के सबसे तेजी से उभरते युवा अटैकर्स में से एक और ऐसा खिलाड़ी जो सबसे बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने की काबिलियत रखता है। वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20)-फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज़्यादा कड़ा है। बेंजामिन सेस्को (स्लोवेनिया, उम्र 23) - एक जबरदस्त स्ट्राइकर जो एक देश की उम्मीदें लेकर चल रहा है और कुछ बड़ी टीमों को चौंका सकता है। मोहम्मद अमौरा (अल्जीरिया, उम्र 26) - अफ्रीका के सबसे खतरनाक फॉरवर्ड्स में से एक और असल में बड़े मंच पर छाने का दम रखने वाला खिलाड़ी। फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18)-टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना का अगला बड़ा टैलेंट माना जाता है। डेसिरे डौए (फ्रांस, उम्र 21) - एक ऐसा खिलाड़ी जिसे कई स्काउट्स पहले से ही यूरोप के बेहतरीन युवा टैलेंट्स में गिनते हैं। सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25) - मेजबान देश की टीम की कमान संभाल रहे हैं, और उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का चेहरा बनने का मौका है। वर्ल्ड कप में कुछ ही हफ्तों में फुटबॉल खिलाड़ियों का करियर बदलने की क्षमता होती है। फीफा 2026 वह मौका हो सकता है जब ये खिलाड़ी शानदार टैलेंट से ग्लोबल स्टार बन जाएं।

इंडिया-श्रीलंका-ए ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला

शुरुआती झटकों के बाद गायकवाड़ का शतक, भारत ए ने बनाए थे 278

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका में खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ए ने कप्तान तिलक वर्मा के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित करते हुए 50 ओवर में 277/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (14) तथा प्रभसिमरन सिंह (2) जल्दी पवेलियन लौट गए।

गायकवाड़ ने खेली कप्तानी अंदाज वाली शतकीय पारी - मुश्किल परिस्थितियों में ऋतुराज गायकवाड़ ने जिम्मेदारी संभाली और शानदार 101 रन की पारी खेली। उन्होंने 114 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 3 छक्के लगाए। गायकवाड़ ने पहले प्रियांश आर्या और फिर कप्तान तिलक वर्मा के साथ अहम साझेदारियां कर भारत ए को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह गायकवाड़ के लिस्ट-ए करियर का 21वां शतक रहा, जिसने चयनकर्ताओं का ध्यान एक बार फिर उनकी ओर खींच दिया।

तिलक वर्मा के साथ 150 रन की साझेदारी - 69 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद तिलक वर्मा और गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन जोड़कर श्रीलंकाई गेंदबाजों को लंबे समय तक विकेट से दूर रखा। तिलक वर्मा ने 97 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 1 छक्का शामिल था। दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारत ए की रन गति कुछ धीमी पड़ गई, लेकिन निचले क्रम ने शानदार फिनिश दिया।

बडोनी-शेडगे ने आखिरी ओवरों में मचाया धमाल - अंतिम ओवरों में आयुष बडोनी और सूर्यांश शेडगे ने आक्रामक बल्लेबाजी कर स्कोर को 277 तक पहुंचाया। बडोनी ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि शेडगे ने सिर्फ 14 गेंदों में 26 रन ठोक दिए। 49वें ओवर में शेडगे ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर मैच का रुख भारत ए की ओर पूरी तरह मोड़ दिया।

श्रीलंका ए की सतर्क शुरुआत - 278 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए की टीम ने संभलकर शुरुआत की। अनुभवी निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने 35 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 190 रन बना लिए। भारत ए की ओर से अंशुल कंबोज और अर्शद खान नई गेंद से गेंदबाजी की शुरुआत कर चुके हैं।

वैभव 12 रन ही बना सके

प्रियांश आर्य अजीब तरह से रन आउट हुए, थर्ड अंपायर ने भी नहीं दिया ध्यान

मंगलवार को श्रीलंका ए और इंडिया ए के बीच ट्राई-नेशन सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में एक बहुत ही अजीब रन-आउट देखने को मिला। वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह के जल्दी आउट होने के बाद भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने निभाई। हालांकि प्रियांश एक चौंकाने वाले रन-आउट का शिकार हुए और उनकी पारी समय से पहले ही खत्म हो गई। फैंस इस बात से हैरान थे कि थर्ड अंपायर ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि प्रियांश का बल्ला विकेट-कीपर के पैर से रुक गया था।यह घटना पारी के 13वें ओवर में हुई। ऋतुराज ने गेंद को लॉन्ग-ऑफ की तरफ खेला और प्रियांश को दो रन लेने के लिए बुलाया। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश ने पहले तो हामी भरी, लेकिन बाद में हिचकिचाने लगे। आखिर में प्रियांश और ऋतुराज दोनों पिच के एक ही छोर पर पहुंच गए। हालांकि ऋतुराज अपने साथी से पहले क्रीज तक पहुंचे जिससे वह आउट से बच गए।प्रियांश समय रहते अपनी क्रीज तक नहीं पहुंच पाए क्योंकि स्ट्राइकर एंड तक पहुंचने की होड़ में ऋतुराज से आगे निकलने की कोशिश करते समय उनका बल्ला विकेट-कीपर निरोशन डिकवेला के पैर के नीचे फंस गया था। सोशल मीडिया पर कुछ फैंस ने इस आउट होने के तरीके पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि अगर प्रियांश का बल्ला विकेट-कीपर के पैर के नीचे न फसा होता, तो वे ऋतुराज से पहले क्रीज तक पहुंच जाते।

वैभव 14 रन बनाकर हुए आउट, 3 चौके लगाए - आईपीएल के बाद आज वैभव सूर्यवंशी पहली बार मैदान में उतरे। इंडिया-ए ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला आज खेला खेला जा रहा है। वैभव श्रीलंका के खिलाफ रिकॉर्ड बनाने के लिए उतरे थे, पर 14 रन बनाकर वे आउट हो गए। उन्होंने 3 चौके लगाए हैं।

मो. शिराज ने उनका विकेट लिया। दूसरे ओवर में वैभव ने 2 चौके लगाए। उन्होंने मोहम्मद शिराज की पहली और तीसरी बॉल को बाउंड्री के बाहर पहुंचा दिया। मैच श्रीलंका के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में चल रहा है। वन-डे ट्राई सीरीज की तीसरी टीम अफगानिस्तान-ए है।

ऑस्ट्रेलिया में बड़ा बदलाव, जोहान बोथा ने अचानक छोड़ा मुख्य कोच का

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी सीमित ओवरों के कप्तान जोहान बोथा ने ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड बुल्स के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। हैरानी की बात यह है कि उनके अनुबंध का अभी एक साल बाकी था, लेकिन उन्होंने तय समय से पहले ही पद छोड़ने का फैसला किया। क्वींसलैंड क्रिकेट (क्यूसी) ने मंगलवार को उनके इस्तीफे को स्वीकार करने की पुष्टि की।

टिम पेन बन सकते हैं नए कोच - अब क्वींसलैंड क्रिकेट की नजर नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन इस पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। आने वाले दिनों में इस पद को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

दो साल का कार्यकाल हुआ समाप्त

44 वर्षीय बोथा ने 2024-25 सीजन से पहले क्वींसलैंड टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में क्वींसलैंड बुल्स ने पहले ही सीजन में शेफील्ड शील्ड के फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं हालिया सीजन में टीम शेफील्ड शील्ड और वनडे कप दोनों प्रतियोगिताओं में तीसरे स्थान पर रही। स्वेन्सन ने कहा, जोहान ने हमारी हाई-परफॉर्मेंस टीम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हम उनके और उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं।

ब्रिस्बेन हीट के साथ मिले-जुले रहे नतीजे

ब्रिस्बेन हीट के साथ बोथा का कार्यकाल उतना सफल नहीं रहा। उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन में पांचवें और सातवें स्थान पर रही। खास बात यह रही कि उन्होंने उस टीम की जिम्मेदारी संभाली थी जिसने पूर्व कोच वेड सेकॉम्बे के नेतृत्व में बीबीएल खिताब जीता था। क्वींसलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेरी स्वेन्सन ने बोथा के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भले ही टीम अपने सभी ऑन-फील्ड लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाई, लेकिन बोथा ने क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में लगातार हो रहे बदलाव

बोथा का इस्तीफा ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में कोचिंग स्तर पर हो रहे बड़े बदलावों की कड़ी का हिस्सा है। इससे पहले न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स ने अपने कोच बदले थे, जबकि सिडनी थंडर ने ट्रेवर बेलिस की जगह इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को नियुक्त किया था।

लॉर्ड्स जीत के बाद स्टोक्स-एटकिंसन नाइटक्लब विवाद में घिरे

रग्बी खिलाड़ियों से बहस हुई, ईसीबी की जांच शुरू: दूसरे टेस्ट में खेलना मुश्किल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन नए विवाद में फंस गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का रविवार रात एक नाइटक्लब में सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ विवाद हो गया। इस घटना में किसी खिलाड़ी के घायल होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर 115 रन की जीत के बाद स्टोक्स और एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब पहुंचे थे। उसी दौरान सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ी भी सीजन समाप्ति का जश्न मनाने वहां मौजूद थे। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत गस एटकिंसन और सरेसेंस रग्बी क्लब के एक एकेडमी खिलाड़ी के बीच हुई बहस से हुई थी, जो बाद में बढ़ गई। सरेसेंस रग्बी क्लब ने पुष्टि की है कि उनका एक एकेडमी खिलाड़ी रविवार रात हुई इस घटना में शामिल था।

हैरी ब्रूक दूसरे टेस्ट में टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं - बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में टेस्ट टीम के उप-कप्तान हैरी ब्रूक दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की कप्तानी संभाल सकते हैं। ब्रूक खुद भी इस साल विवादों में रह चुके हैं। इस विंटर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रात में हुए एक बाउंसर्स विवाद के चलते ईसीबी ने ब्रूक पर जुर्माना लगाया था और फटकार लगाई थी। खिलाड़ियों के खराब व्यवहार के बाद ईसीबी को टीम के लिए मिडनाइट कर्फ्यू (आधी रात के बाद बाहर न जाने का नियम) लागू करना पड़ा था।

शराब छोड़ चुका हूं कहने वाले स्टोक्स ने मांगी थी बीयर - बेन स्टोक्स ने पिछले साल दावा किया था कि उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है। लेकिन रविवार दोपहर मैच जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा था, मैं ड्रेसिंग रूम में लड़कों के साथ एक अच्छी बीयर पीने का इंतजार कर रहा हूं। जब तक मैं वहां जाकर टीम के साथ बीयर शेयर नहीं कर लेता, तब तक मुझे असली खुशी नहीं मिलेगी।

कोच ब्रेंडन मैकुलम ने दी थी चेतावनी

फरवरी में हुए विवादों के बाद इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा था कि वे टीम को ढील नहीं देते हैं। खिलाड़ियों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा था, मैंने लड़कों से पहली बात यही कही थी कि ऐसा कुछ मत करना जिससे आप अखबार के फ्रंट पेज पर आ जाएं। आधी रात के बाद कुछ भी अच्छा नहीं होता है। इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने भी माना था कि टीम में दो या तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जो शराब मिलने पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं।

ईसीबी ने जांच शुरू की

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने टीम प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोप में स्टोक्स और एटकिंसन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता के बीच खबरें हैं कि स्टोक्स कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

होवलैंड और फॉक्स डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के शानदार खिलाड़ियों की सूची में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीपी वर्ल्ड टूर और पीजीए टूर के विजेता विक्टर होवलैंड और रयान फॉक्स 15-18 अक्टूबर, 2026 को दिल्ली में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के दूसरे एडिशन के लिए शानदार खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होने जा रहे हैं। दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी एक बार फिर दिल्ली गोल्फ क्लब में 4,000,000 डॉलर के इस बहुप्रतीक्षित इवेंट में खेलेंगे - होवलैंड और फॉक्स, यूरोपियन राइडर कप के तीन स्टार खिलाड़ियों - मौजूदा चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड, लगातार दो बार मास्टर्स जीतने वाले रोरी मैकलराय और मेजर चैंपियन जस्टिन रोज - के साथ शामिल होंगे। होवलैंड डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में दूसरी बार हिस्सा ले रहे हैं; पिछले साल अक्टूबर में अपने डेब्यू पर वे संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे थे। नॉर्वे के 28 वर्षीय खिलाड़ी डीपी वर्ल्ड टूर और पीजीए टूर दोनों पर जीत हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे। तीन बार राइडर कप खेल चुके होवलैंड, 2023 में रोम और पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क में यूरोप की ऐतिहासिक लगातार जीत का हिस्सा थे। डीपी वर्ल्ड टूर के चार बार के विजेता फॉक्स इस साल दिल्ली गोल्फ़ क्लब में खेलकर भारत में अपना प्रोफेशनल डेब्यू करेंगे। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने 2025 में पीजीए टूर पर दो बार जीत हासिल की थी और वे इस हफ़्ते अपने आरबीसी कैनेडियन ओपन टाइटल का बचाव कर रहे हैं। ग्लोबल स्मार्ट लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर डीपी वर्ल्ड और डीपी वर्ल्ड टूर ने 2025 में डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप शुरू की। डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ़ टूर ऑफ़ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ मिलकर आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत में डीपी वर्ल्ड टूर इवेंट के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्राइज फंड दिया जाएगा और यह एक बार फिर 'रेस टू दुबई' के अहम 'बैक 9' फेज का हिस्सा बनेगा।

वर्ल्ड कप जीतने के बाद ट्रॉफियां जीतना आदत बनाना चाहते हैं: हरमनप्रीत कौर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमीनप्रीत कौर का मानना है कि पिछले साल आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम की मानसिकता और आत्मविश्वास में बड़ा बदलाव आया है। अब भारतीय टीम सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने नहीं, बल्कि हर बड़े टूर्नामेंट में खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतर रही है। भारत ने पिछले वर्ष अपना पहला सीनियर महिला आईसीसी खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वर्षों तक बड़े टूर्नामेंटों में करीब पहुंचकर चूकने वाली भारतीय टीम ने आखिरकार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर अपने लंबे इंतजार को खत्म किया था।

जिंदगी पूरी तरह बदल गई

आगामी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उस ऐतिहासिक जीत ने पूरी टीम की सोच बदल दी है। उन्होंने कहा, मैं 100 प्रतिशत मानती हूं कि पहला वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद हमारी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। उम्मीद है कि हम ट्रॉफियां जीतने का यह सिलसिला जारी रखेंगे। कप्तान के तौर पर यही मेरा सपना है और टीम की हर खिलाड़ी भी यही चाहती है।

वेस्टइंडीज पर जीत के साथ शानदार शुरुआत

टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के तहत भारत ने अपने अभ्यास अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की। कार्डिफ में खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर सकारात्मक संकेत दिए। इस मुकाबले में कई खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे टीम प्रबंधन और फैंस दोनों का भरोसा और मजबूत हुआ है।

अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण

भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का शानदार संतुलन देखने को मिल रहा है। कप्तान हरमनप्रीत कौर के अलावा स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ी टीम की रीढ़ हैं, जबकि युवा खिलाड़ी हाल के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में अपनी छाप छोड़ चुके हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह संयोजन भारत को एक और आईसीसी ट्रॉफी दिलाने में मदद करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप पर नजर

वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद अब भारतीय महिला टीम की नजर टी20 वर्ल्ड कप 2026 पर है। टीम चाहेगी कि पिछले साल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए एक और आईसीसी खिताब अपने नाम करे और महिला क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत बनाए।

अब दबाव नहीं, आत्मविश्वास के साथ उतर रही टीम

पिछले एक दशक में भारतीय महिला क्रिकेट के उत्थान में हरमनप्रीत की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कई आईसीसी टूर्नामेंट खेले हैं और कई बार टीम को निराशा का सामना करते देखा है। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम को यह भरोसा मिल गया है कि वह दुनिया की किसी भी टीम को बड़े मंच पर हरा सकती है। यही आत्मविश्वास आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात

साहिबाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में जल्द ही लोगों को जल्द ही

सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। सीवर की मेनलाइन डालने का कार्य पूरा हो गया था। सोमवार को सीवर की मेनलाइन को गलियों की लाइन से जोड़ने का कार्य शुरू हो गया। इसके बाद अब सोसायटी की सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। सीवर की मेन लाइन से इंटरनल लाइन से जोड़ने के बाद लोगों को सीवर चोक से होने वाले ओवरफ्लो की समस्या से निजात मिलेगी। बता दें कि न्यायखंड-1 में काफी समय से लोग सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से बेहाल हैं। दैनिक जागरण में लोगों की इस समस्या को लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। इसके बाद से कार्य में तेजी आई है। इससे लोगों को जलभराव की समस्या दूर होगी। यहां अभी नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इसमें निकासी की व्यवस्था ठीक न होने से सड़क पर जलभराव हो रहा है। सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर नाले में जा रहा है। नाला चोक होने के कारण ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। एक ओर की सड़क करीब पांच महीने से निर्माण कार्य के कारण बंद है। वहीं दूसरी ओर की सड़क पर जलभराव रहता है। ऐसे में लोगों का राह गुजरना भी मुश्किल हो गया है। जलभराव के बीच आवागमन में परेशानी हो रही है। सुबह शाम जाम की स्थिति बन जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि 10 दिन में काम पूरा कर लिया जाएगा।

पेंशन के लिए पिता की हत्या, सात साल पुराने केस में बेटा-बेटी को मौत की सजा

हैदराबाद, एजेंसी। एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को 2019 में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी की हत्या के मामले में उनके बेटे और बेटी को मौत की सजा सुनाई, जबकि पत्नी

को आजीवन कारावास की सजा दी गई। 70 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या परिवार के सदस्यों ने उनकी पेंशन का लाभ लेने के लिए की थी। उन्होंने उनके भोजन में धतूरा पाउडर मिलाया और बाद में शव के टुकड़े काटकर उन्हें घर के अंदर बाल्टियों में भरकर रख दिया, क्योंकि वे उनका अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे थे। मलकाजगिरि स्थित मुख्य जिला न्यायाधीश ने अभियुक्तों को आइपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, रेलवे कर्मचारी 2000 तक मालगाड़ी चालक के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने चिकित्सा कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। तीनों दोषियों ने उनकी पेंशन और घर पर कब्जा करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रची थी, ताकि वे मौज-मस्ती के लिए इसका इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने 15 अगस्त, 2019 को बुजुर्ग व्यक्ति को भोजन के साथ धतूरा पाउडर खिला दिया, जिससे एक दिन बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और सुबूत मिटाने के लिए उन्हें अपने घर में छह बाल्टियों में भरकर रख दिया। हालांकि, घर से दुर्गंध आने पर कुछ स्थानीय निवासियों ने 18 अगस्त को संदेह के आधार पर घर में प्रवेश किया और मानव अवशेष पाए। उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। तीनों को 21 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

छत्तीसगढ़ में कंगना रनौत: सीएम साय के साथ देखी 'भारत भाग्य विधाता', नर्सों की वीरता को सलाम

रायपुर, एजेंसी। भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग के लिए रायपुर पहुंचीं. शहर के जोरा स्थित मॉल में आयोजित स्क्रीनिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित मंत्री और विधायक भी विशेष स्क्रीनिंग शामिल हुए. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कंगना के अभिनय की सराहना की और कहा कि यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों के साहस और समर्पण की गाथा है. वहीं एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और उन्हें वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक बताया.

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' स्क्रीनिंग

भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्पेशल स्क्रीनिंग सीएम विष्णु देव साय के साथ देखी. इस दौरान कंगना रनौत और मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की. रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है और वे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनकर उभर रहे हैं. कंगना ने कहा कि पूरी दुनिया नेतृत्व के लिए उनकी ओर देख रही है और भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित होते हुए देखना गर्व की बात है.

10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर कंगना रनौत ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देशभर में जो सम्मान

और लोकप्रियता मिल रही है, वह उनकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता का परिणाम है, दुनिया उन्हें वैश्विक मार्गदर्शन के प्रतीक के रूप में देख रही है.

अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर कंगना रनौत ने लोगों से इसे देखने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि सेवा, समर्पण और साहस की प्रेरणादायक कहानी है, जिसे हर भारतीय को देखना चाहिए.

भारतीय अस्पतालों में नर्सों की वर्दी पर ब्रिटिश प्रभाव और उसे भारतीय स्वरूप देने के सवाल पर कंगना ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन नर्सों के लिए सबसे बेहतर वही होगा जो वे स्वयं पसंद करें. उन्होंने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने का अधिकार और समझ सबसे अधिक नर्सों के पास ही है. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कंगना रनौत का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए छत्तीसगढ़ को चुना, यह राज्य के लिए गौरव की बात है. मुख्यमंत्री ने कहा कि कंगना ने फिल्म में नर्स की भूमिका को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है. मुख्यमंत्री साय ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और सेवा भावना पर आधारित है. आतंकियों के हमले के बीच नर्सों ने जिस साहस के साथ घायलों की सेवा की, उसी प्रेरक कहानी को फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है. रायपुर में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग केवल एक सिनेमाई आयोजन नहीं रही, बल्कि 26/11 के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दिखाई गई।

398 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन में 14 गिरफ्तार

गुजरात में साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़

उदयपुर, एजेंसी। गुजरात में पुलिस ने आपरेशन म्यूल हंट 2.0 के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि 13 म्यूल अकाउंट्स (फर्जी बैंक खातों) के जरिये 398.43 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन से संबंधित 228 अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पाटन जिले से 14 लोगों को गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई राज्य सरकार द्वारा आनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और साइबर अपराधियों के वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने के अभियान के तहत की गई।

पुलिस ने बताया कि केंद्र सरकार के समन्वय पोर्टल और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीसीआरपी) पर उपलब्ध डाटा के विश्लेषण से पता चला है कि पाटन जिले के हारिज नागरिक सहकारी बैंक में खोले गए कुछ चालू खातों (करेंट अकाउंट) से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं।

जांचकर्ताओं ने पाया कि साइबर अपराधियों ने कमीशन का लालच देकर बैंक खाते खुलवाते थे। खाताधारकों ने कथित तौर पर एटीएम कार्ड, चेक बुक, सिम कार्ड, मोबाइल नंबर और इंटरनेट बैंकिंग संबंधी क्रेडेंशियल साइबर जालसाजों को दे दिए। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधों से प्राप्त धनराशि को देशभर में ट्रांसफर करने के लिए किया गया।

एनसीसीआरपी पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से दर्ज की गई 228 साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़े 13 फर्जी बैंक खातों में 398.43 करोड़ रुपये के लेनदेन पाए गए। पाटन साइबर अपराध पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत 13 खाताधारकों और सात बिचौलियों सहित 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 14 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छह अन्य फरार हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बवाल

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों की झड़प में 11 की मौत, 70 घायल

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जेएएसी कार्यकर्ता की गोलीबारी में मौत के बाद हिंसा भड़क गई। रावलकोट व आसपास में प्रदर्शनकारियों व सुरक्षा बलों में हुई झड़प में 11 लोग मारे गए, जबकि 70 से अधिक लोग घायल हो गए। यह झड़प मंगलवार को जेएएसी की तरफ से प्रस्तावित लॉकडाउन से पहले हुई।

पुलिस ने बताया कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रदर्शनकारी एक अस्पताल की मॉर्चरी के बाहर जमा हुए थे। वहां समूह के एक सदस्य का शव लाया गया था जिसकी मौत पुलिस की फायरिंग में हुई थी। जेएएसी आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है, जिस पर पाकिस्तान सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है।

पुंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया, प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिस अधिकारी और एक राहगीर की मौत हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में छह

प्रदर्शनकारी मारे गए। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने बताया कि रविवार की घटना में 23 सुरक्षाकर्मी और 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जेएएसी ने क्षेत्रीय विधानसभा के लिए 27 जुलाई को होने वाले चुनावों के विरोध में मंगलवार को लॉकडाउन का आह्वान किया है। विधानसभा की 45 में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जिनका दुरुपयोग किया जाता है। इन सीटों पर स्थानीय लोगों के बजाय पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों के लोगों को नामित कर दिया जाता है। क्षेत्रीय सरकार ने शुक्रवार को जेएएसी को आतंकरोधी कानून के तहत एक प्रतिबंधित समूह घोषित कर दिया था। सरकार ने घरेलू व विदेशी पर्यटकों को 9 जून से पहले इलाका छोड़ने की सलाह दी है। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में किसी भी चुनाव का पुरजोर विरोध किया है। नई दिल्ली ने कहा कि पूरा जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हमारा है। पाकिस्तान अवैध कब्जा जल्द खाली करे। मीर...जेएएसी नेता शौकत मीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में कहा, सरकार ने रावलकोट में लोगों का कत्लेआम शुरू कर दिया है। उन्होंने संकल्प लिया कि लॉकडाउन में उनका ग्रुप एकजुट रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने कब्जे वाले कश्मीर में टेलीफोन व इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं। इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती कर दी गई है। इनमें संघीय पुलिस बल व पाकिस्तानी रेंजर्स शामिल हैं। स्थानीय लोग सरकारी दमन की घटनाओं, बिजली की भारी कमी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और इस क्षेत्र को राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेले जाने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर लंबे समय से क्रोधित हैं।

वर्दी में अश्लीलता परोसने वाली महिला पुलिस अफसर फिर फंसी, बीएमडब्ल्यू हादसे के बाद खुला नया राज

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की पूर्व महिला पुलिस अधिकारी निकोल गैब्रिएला वेरोन एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। पहले पुलिस वर्दी में वयस्क सामग्री (एडल्ट कंटेंट) बनाने के कारण नौकरी गंवाने वाली निकोल अब एक सड़क दुर्घटना और कथित अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार की गई हैं।रिपोर्टों के अनुसार, 20 वर्षीय निकोल वेरोन पहले अर्जेंटीना पुलिस में कार्यरत थीं। उन पर आरोप था कि उन्होंने पुलिस वर्दी पहनकर अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाए तथा उन्हें ऑनलाइन वयस्क सामग्री वाले प्लेटफॉर्म पर साझा किया। मामला सामने आने के बाद उन्हें सेवा से हटा दिया गया था।

बताया गया है कि 3 जून को निकोल एक लग्जरी बीएमडब्ल्यू कार में दो अन्य महिलाओं के साथ यात्रा कर रही थीं। इसी दौरान हाईवे पर कार एक गंभीर सड़क दुर्घटना में शामिल हो गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कई वाहन आपस में टकरा गए और एक पिकअप ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दुर्घटना के समय वाहन कौन चला रहा था और हादसे की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं। दुर्घटना के बाद जब पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे, तो निकोल ने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उन्हें कुछ समय के लिए पुलिस वाहन में बैठाया गया।

जांचकर्ताओं का दावा है कि बाद में पुलिस वाहन की तलाशी के दौरान एक गुलाबी रंग की 9 मिमी पिस्तौल बरामद हुई, जिसकी मैगजीन में आठ गोलियां मौजूद थीं। अधिकारियों का आरोप है कि हथियार उसी स्थान पर मिला जहां निकोल बैठी हुई थीं। पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू की तलाशी के दौरान एक ग्राइंडर मिला, जिसमें कथित तौर पर गांजा के अवशेष पाए गए।

क्यूबा में 6.1 तीव्रता का भूकंप: हवाना की इमारतें हिलीं

फ्लोरिडा तक महसूस हुए झटके फिलहाल नुकसान की खबर नहीं

क्यूबा, एजेंसी। क्यूबा के पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजधानी हवाना समेत कई इलाकों में इमारतें हिल गईं। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के कुछ हिस्सों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की सूचना दी। हालांकि राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के बाद राजधानी हवाना में कई इमारतें हिलती महसूस हुईं। पश्चिमी क्यूबा के पिनार डेल रियो शहर में भी लोग घबराकर घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। पिनार डेल रियो स्थित एक होटल की प्रबंधक फ्लाविया पुपो ने बताया कि झटकों के दौरान पूरी इमारत हिलने लगी, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया। हालांकि होटल में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। भूकंप का प्रभाव केवल क्यूबा तक सीमित नहीं रहा। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों से भी झटके महसूस होने की कई रिपोर्ट सामने आईं। मियामी स्थित राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि उसे नागरिकों से कंपन महसूस होने की जानकारी प्राप्त हुई है। क्यूबा के दक्षिण-पूर्वी तट के पास स्थित ओरिएंटे फॉल्ट जोन भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में पिछले कई दशकों में कई शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। जनवरी 2020 में इसी क्षेत्र के समुद्री इलाके में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे क्यूबा और केमैन द्वीप समूह में नुकसान हुआ था। ताजा भूकंप के बाद भी वैज्ञानिक स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बीबी, संभल जाओ वरना...', क्या ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान पर इस्राइल ने टाला हमला?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले से बचने की सलाह दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर कहा, 'बीबी, तुम्हें सावधान रहना चाहिए, नहीं तो जल्द ही तुम अकेले पड़ जाओगे'। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब इस्राइल ईरान के कई संवेदनशील ठिकानों पर बड़े पैमाने पर जवाबी हमले की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि ट्रंप की दखल के बाद नेतन्याहू ने बड़े हमले की योजना को फिलहाल रोकने पर सहमति जताई, बशर्ते ईरान आगे कोई नया हमला न करे।

दो महीने पहले हुए युद्धविराम के बाद पहली बार ईरान और इस्राइल के बीच फिर से तनाव बढ़ा था। रविवार को ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलें दागीं, जिसके जवाब में इस्राइल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि सोमवार तक दोनों देशों ने संकेत दिए कि वे फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को कोई सीधा आदेश नहीं दिया, बल्कि समझदारी से काम लेने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश चल रही है और ऐसे समय में बड़े सैन्य हमले से बातचीत प्रभावित हो सकती है। वहीं, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने के लिए कहा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'नहीं। मैंने कहा कि जो सही है वह करें, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप जितनी जल्दी हो सके, इसे रोक दें। मामला लेबनान से जुड़ा है और इसे रुकना ही चाहिए'।

कई देशों ने भी अमेरिका से की थी हस्तक्षेप की अपील

रिपोर्टों के अनुसार क्षेत्र के कई देशों ने भी अमेरिका से हस्तक्षेप करने की अपील की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से संकेत मिले थे कि यदि इस्राइल हमले रोक देता है तो वह भी आगे मिसाइलें नहीं दागेगा।

इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि उन्हें अमेरिका पर भरोसा नहीं है और ट्रंप के हालिया बयान पहले हुए समझौतों से मेल नहीं खाते। फिलहाल क्षेत्र में तनाव कम होता दिखाई दे रहा है, लेकिन ईरान और इस्राइल के बीच स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है।

राजस्थान राज्यसभा चुनाव: सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने भरा नामांकन

जयपुर, एजेंसी। देश के कई राज्यों में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया के बीच भाजपा ने राजस्थान में भी अपनी तैयारियों को तेज कर दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने सोमवार को राजस्थान से की दो सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले सतीश पूनिया ने जयपुर स्थित प्रसिद्ध श्री गोविंद देव जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर पिंक सिटी के मुख्य देवता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस अवसर की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी महाराज के दर्शन कर उन्होंने सफलता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया है। राज्यसभा डॉ. अल्का सिंह गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपने नॉमिनेशन पेपर फाइल किए। इससे पहले दोनों उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन फाइल करने से पहले भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की।

भाजपा ने दो सीटें जीतने का किया दावा

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है। राजस्थान विधानसभा में पार्टियों की मौजूदा संख्या के आधार पर भाजपा का दो सीटें जीतना लगभग तय है, जबकि कांग्रेस को तीसरी सीट मिलने की उम्मीद है। राजस्थान की तीन सीटों के लिए वोटिंग 18 जून को होगी। राजनीतिक सलाहकारों का मानना ??है कि पूनिया (एक प्रमुख जाट नेता) और गुर्जर (एक अच्छी पकड़ वाले गुर्जर चेहरे) को चुनना राजस्थान में चुनावी रूप से अहम दो समूहों के बीच समर्थन मजबूत करने की एक सोची-समझी कोशिश है। जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं और भाजपा का यह कदम इन समूहों के कांग्रेस के मजबूत नेताओं का मुक़ाबला करने के लिए है। यह सामाजिक संतुलन पार्टी की 2028 के राज्य चुनावों की तैयारियों से भी जुड़ा है। विधानसभा में भाजपा के पास मजबूत बहुमत है। उम्मीद है कि सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर दोनों ही आने वाले राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं। मुकाबला करने के लिए है।

सीएम भजन लाल शर्मा ने दी शुभकामनाएं

सीएम भजन लाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भाजपा राज्यसभा प्रत्याशी सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर के नामांकन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दोनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,